सायंकालीन

समाचार जगत

आर.एन.आई. नं. 67417/96

आश्विन कृष्ण पक्ष चतुर्थी संवत् 2083

संस्थापक- स्व. श्री राजेंद्र के. गोधा



श्री श्री रवि शंकर जी

अपना सम्मान स्वयं करें, क्योंकि यदि आप खुद का आदर नहीं करेंगे तो दुनिया भी नहीं करेगी।

वर्ष 30 | अंक 185 | जयपुर, गुरुवार 29 अक्टूबर, 2026 | मूल्य: 2 रुपए

न्यूज गैलरी

पटना शिक्षक सीट पर कांग्रेस को मिले सिर्फ 21 वोट



पटना, एजेंसी। बिहार विधान परिषद के शिक्षक और स्नातक सीटों पर हुए चुनाव परिणामों ने राज्य में कांग्रेस की राजनीतिक स्थिति और संगठनात्मक साख पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। महागठबंधन से अलग होकर अकेले चुनावी मैदान में उतरने का दांव पार्टी के लिए पूरी तरह आत्मघाती साबित हुआ। पांच निर्वाचन क्षेत्रों में चुनाव लड़ने वाली कांग्रेस को किसी भी सीट पर सफलता नहीं मिली, बल्कि उसकी एक जीती हुई सीटिंग सीट भी हाथ से निकल गई। सबसे चौंकाने वाली और निराशाजनक स्थिति पटना शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र में देखने को मिली, जहां पार्टी के आधिकारिक उम्मीदवार को केवल 21 मतों से संतोष करना पड़ा। पटना शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के चुनावी नतीजों ने कांग्रेस नेतृत्व को चौंका दिया है। यहां पार्टी उम्मीदवार संजय कुमार को महज 21 वोट मिले और वो लिस्ट में छठे स्थान पर सिमट गए। इतने कम वोट मिलना ये दिखाता है कि शिक्षित मतदाता वर्ग में पार्टी का प्रभाव लगभग शून्य हो चुका है।

भारत- न्यूजीलैंड के बीच चौथा टी20 मैच कल



नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और न्यूजीलैंड के बीच जारी पांच मैचों की टी20 सीरीज का चौथा मुकाबला शुक्रवार को ऑकलैंड के ईडन पार्क मैदान पर खेला जाना है। न्यूजीलैंड के इस ग्राउंड पर भारतीय टीम ने टी20 में अब तक खेले सभी मुकाबलों में जीत दर्ज की है। ऑकलैंड के ईडन पार्क पर भारतीय टीम ने कुल 3 मुकाबले खेले हैं और सभी में टीम इंडिया को जीत मिली है। भारतीय टीम ने इस मैदान पर अपना पहला मुकाबला साल 2019 में खेला था, जहां भारत ने शानदार प्रदर्शन करते हुए न्यूजीलैंड को 7 विकेट से हराया था। इसके बाद 2020 में टीम इंडिया ने न्यूजीलैंड के अपने दौरे पर ईडन पार्क में दो मैच खेले और दोनों में ही जीत दर्ज की थी। एक मैच में टीम इंडिया ने न्यूजीलैंड को 6 विकेट से हराया, तो दूसरे मुकाबले में भारतीय टीम ने 7 विकेट से जीत हासिल की थी।

राजस्थान रॉयल्स के हेड कोच संगकारा और उनके परिवार के साथ हुई बदसलूकी

नई दिल्ली,एजेंसी। श्रीलंका के पूर्व कप्तान और राजस्थान रॉयल्स के मौजूदा समय में हेड कोच कुमार संगकारा और उनके परिवार के साथ आयरलैंड में रायनेयर एयरलाइन के एक स्टाफ ने बदसलूकी की। संगकारा ने स्टाफ पर धमकी देने और भेदभाव का आरोप लगाया। संगकारा ने कहा कि यह व्यवहार बिल्कुल अस्वीकार्य था और उनका ये आयरलैंड की राजधानी डबलिन में पहला खराब अनुभव था। संगकारा ने इस दौरान एक्स पर पोस्ट कर अपनी भड़ास निकाली। संगकारा को उनके शांत स्वभाव के लिए जाना जाता है। मगर उनके साथ डबलिन में जिस तरह का व्यवहार हुआ, उसके बाद संगकारा का गुस्सा फूटा है। उन्होंने एक्स पर पोस्ट कर रायनेयर एयरलाइन पर अपनी भड़ास निकाली है। संगकारा ने लिखा कि क्या किसी ने डबलिन में रायनेयर एयरलाइन के स्टाफ द्वारा भेदभाव का सामना किया है?

कल्याण की बात...



दोय भाँण दो बेटियां,
बोट देणगी आय।
वां कै खातिर सीख का,
गड्डी एक झलाय।।
@कल्याण सिंह शेखावत

राजस्थान में चक्रवाती तूफान 'अर्नब' का असर

प्रदेश के 28 जिलों में येलो अलर्ट

बारिश और तेज हवाओं की चेतावनी

समाचार जगत न्यूज

जयपुर। बंगाल की खाड़ी में आए चक्रवाती तूफान 'अर्नब' और पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से राजस्थान में मौसम का मिजाज बदलने की संभावना है। मौसम विज्ञान केंद्र, जयपुर के पूर्वानुमान के अनुसार 29 और 30 अक्टूबर को प्रदेश के कई हिस्सों में मेघगर्जन, बिजली चमकने, बारिश और तेज हवाएं चल सकती हैं। पूर्वी राजस्थान के जयपुर, भरतपुर, अजमेर, कोटा और उदयपुर संभाग के कुछ इलाकों में मौसम का असर देखने को मिल सकता है। जयपुर और भरतपुर संभाग के उत्तरी हिस्सों में मध्यम से तेज बारिश के साथ कहीं-कहीं ओलावृष्टि की संभावना है। कुछ स्थानों पर हवा की रफ्तार 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंच सकती है। अजमेर, कोटा और उदयपुर संभाग में भी बादल छाने, बिजली चमकने और हल्की से मध्यम बारिश के आसार हैं। पश्चिमी राजस्थान के जोधपुर और बीकानेर संभाग के पूर्वी हिस्सों में कहीं-कहीं हल्की बारिश हो सकती है, जबकि सीमावर्ती क्षेत्रों में मौसम मुख्यतः शुष्क रहने का अनुमान है। मौसम विभाग ने पूर्वी राजस्थान के 28 जिलों में येलो अलर्ट जारी किया है। इनमें अजमेर, अलवर, बांसवाड़ा, बारां, ब्यावर, भरतपुर, भीलवाड़ा, बूंदी, शेष पृष्ठ दो पर



अलवर में सुबह से रुक-रुककर बूंदाबांदी

अलवर जिले में गुरुवार को मौसम ने अचानक करवट ली। देर रात से आसमान में बादल छाए रहे। सुबह करीब 5 बजे हल्की बूंदाबांदी शुरू हुई, जो कुछ देर बाद थम गई। इसके बाद सुबह करीब 8:30 बजे फिर बूंदाबांदी का दौर शुरू हो गया। सुबह से सूरज के दर्शन नहीं होने और रुक-रुककर हो रही बारिश के कारण मौसम में ठंडक महसूस की गई। तापमान में गिरावट से लोगों को दिन में गर्मी से राहत मिली। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार, 29 अक्टूबर को अलवर में अधिकतम तापमान 27 डिग्री और न्यूनतम तापमान 17 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का अनुमान है। आसमान में बादल छाए रहने के साथ गरज-चमक और आकाशीय बिजली गिरने की संभावना है। दिनभर बादलों की आवाजाही और हल्की बारिश का असर बना रह सकता है।

मछुआरे समुद्र से दूर, स्कूलें बंद

बंगाल की खाड़ी से उठे चक्रवाती तूफान 'अर्नब' का असर कई राज्यों में दिखने लगा है। तमिलनाडु के थूथुकुडी में मछुआरे लगातार चौथे दिन भी समुद्र में नहीं उतरे। चक्रवात के मद्देनजर छत्तीसगढ़ के 12 जिलों में गुरुवार को स्कूल बंद रखने के आदेश दिए गए हैं। वहीं, ओडिशा के 16 जिलों में भी स्कूल बंद कर दिए गए हैं। राज्य में करीब 30 हजार लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है।

अर्नब, वर्षा, तूफान, पवन...

साइक्लोन के बीच जन्में बच्चों के लोग रख रहे ये नाम



भुवनेश्वर, एजेंसी। ओडिशा में साइक्लोन अर्नब के बीच 900 से ज्यादा बच्चों का जन्म हुआ। तूफान ने राज्य के दक्षिणी हिस्सों में भारी असर डाला। इस दौरान कई परिवारों के घर खुशियां आईं। कुछ माता-पिता ने इस मौके को यादगार बनाने के लिए अपने बच्चों के नाम भी तूफान से जुड़े रखे। लड़कों का नाम अर्नब और लड़कियों का नाम वर्षा रखा जा रहा है। कुछ परिवारों ने अपने बच्चों के नाम तूफान और पवन भी रखे हैं।

तूफान से पहले गर्भवती महिलाओं को अस्पताल पहुंचाया गया : ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने बताया कि साइक्लोन आने से पहले 2,245 गर्भवती महिलाओं को अस्पतालों और दूसरे स्वास्थ्य केंद्रों में पहुंचाया गया था। इनमें से 931 महिलाओं ने तूफान के दौरान बच्चों को जन्म दिया। मुख्यमंत्री के मुताबिक, सभी मां और बच्चे स्वस्थ हैं। सरकार ने तूफान को देखते हुए गर्भवती महिलाओं को पहले ही अस्पताल पहुंचाने की व्यवस्था की थी, ताकि खराब मौसम के बीच प्रसव के दौरान किसी तरह की परेशानी न हो। साइक्लोन अर्नब ने पड़ोसी राज्य आंध्र प्रदेश के तट को पार किया। इसके बाद ओडिशा के कई हिस्सों में भारी बारिश हुई।

बेटे का नाम अर्नब, बेटी का नाम वर्षा रखा : गंजाम जिले के पतरापुर में सुकांति प्रधान ने एक बेटे को जन्म दिया। 30 साल की सुकांति बेंगई साही की रहने वाली हैं। परिवार ने अपने बेटे का नाम अर्नब रखा। अस्पताल के मेडिकल अधिकारी संबित बेग्रे ने बच्चे का जन्म प्रमाण पत्र जारी किया। सुकांति पहली बार मां बनी हैं और बच्चे के जन्म से खुश हैं। बच्चे के पिता चक्रधर सबर ने बताया कि साइक्लोन की वजह से उनकी पत्नी को पहले ही अस्पताल में एडमिट करा दिया गया था। मां और बच्चे की हालत ठीक होने के बाद उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। इसी अस्पताल में 22 साल की रुक्मुनि बेहरा ने बेटी को जन्म दिया। बच्ची का जन्म सुबह 9 बजकर 8 मिनट पर हुआ। परिवार ने उसका नाम बरसारानी रखा। उस समय इलाके में भारी बारिश हो रही थी। अस्पताल के कर्मचारियों ने भी बच्ची का नाम वर्षा रखने का सुझाव दिया था।

निजी स्कूल की बस में लगी भीषण आग

35 बच्चे बाल-बाल बचे



समाचार जगत ब्यूरो

कोटा। कोटा जिले के इटावा कस्बे के सरोवरनगर क्षेत्र में एक निजी स्कूल की बस में भीषण आग लगने की घटना सामने आई है। बस में आग लगने से इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। गनीमत रही कि हादसे में किसी भी छात्र-छात्रा के हताहत होने की सूचना नहीं है। जानकारी के अनुसार एक निजी स्कूल की बस में 35 से अधिक छात्र-छात्राएं सवार थे। बताया जा रहा है कि बस में आग लगने से कुछ समय पहले ही सभी बच्चे बस से नीचे उतर चुके थे। इसके कुछ ही देर बाद बस में भीषण आग लग गई। बस से आग की लपटें उठती देख आसपास के क्षेत्र में हलचल मच गई। समय रहते बच्चों के बस से उतर जाने के कारण एक बड़ा हादसा टल गया और सभी छात्र-छात्राएं बाल-बाल बच गए। यदि बच्चे आग लगने के दौरान बस में मौजूद होते, तो स्थिति गंभीर हो सकती थी। घटना के बाद अभिभावकों और स्थानीय लोगों ने राहत की सांस ली कि सभी बच्चे सुरक्षित हैं। फिलहाल आग लगने के कारणों को लेकर विस्तृत जानकारी सामने नहीं आई है। इस हादसे ने स्कूल बसों की सुरक्षा व्यवस्था और नियमित जांच की आवश्यकता को एक बार फिर उजागर किया है।

जोधपुर में देर रात दो गुटों में झड़प, पथराव में तीन लोग घायल



जोधपुर, समाचार जगत ब्यूरो। भीतरी शहर के सदर कोतवाली थाना क्षेत्र में देर रात मामूली कहासुनी के बाद दो गुटों के बीच विवाद हो गया। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और दोनों पक्षों के बीच पथराव शुरू हो गया। इस दौरान एक कार के शीशे भी तोड़ दिए गए। शेष पृष्ठ दो पर

करवा चौथ की रौनक, चांद के दीदार को बेताब सुहागिनें

पति की लंबी उम्र के साथ ही परिवार की सुख-समृद्धि के लिए रखा निर्जला व्रत

समाचार जगत न्यूज



जयपुर। राजधानी जयपुर में आज करवा चौथ का पर्व श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया जा रहा है। सुहागिन महिलाओं ने पति की लंबी आयु, अच्छे स्वास्थ्य और सुखी वैवाहिक जीवन की कामना के साथ व्रत रखा है। भारतीय संस्कृति में करवा चौथ को प्रेम, समर्पण और दांपत्य जीवन में अटूट विश्वास का प्रतीक माना जाता है। करवा चौथ का व्रत कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी को रखा जाता है। परंपरा के अनुसार महिलाएं सूर्योदय से चंद्रोदय तक निर्जला उपवास रखती हैं। कई घरों में महिलाओं ने सुबह सरगी ग्रहण कर व्रत की शुरुआत की। महिलाओं ने सोलह शृंगार कर पूजा की। दिनभर व्रत रखने के बाद शाम शेष पृष्ठ दो पर

सीएम भजनलाल ने दी शुभकामनाएं

जयपुर, समाचार जगत न्यूज। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने पवित्र पर्व करवा चौथ के अवसर पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने अपने सोशल मीडिया संदेश में इस पर्व को प्रेम, विश्वास और अखंड सौभाग्य का प्रतीक बताया। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय संस्कृति और सनातन परंपराओं में करवा चौथ का विशेष महत्व है।

बर्फ की सफेद चादर में लिपटा केदारनाथ धाम



उत्तराखंड के विश्वप्रसिद्ध केदारनाथ धाम में गुरुवार सुबह बर्फबारी ने प्रकृति की अद्भुत छटा बिखेर दी। बाबा केदार की नगरी बर्फ की सफेद चादर में लिपटी नजर आई, तो इस मनमोहक दृश्य ने श्रद्धालुओं के उत्साह को और बढ़ा दिया। बर्फ से ढकी वादियों के बीच भक्तों ने बाबा केदार के दर्शन किए। कोई इस अलौकिक नजारे को कैमरे में कैद करता दिखा, तो कोई सेल्फी लेकर इन यादगार पलों को संजोता नजर आया। हालांकि, बर्फबारी के साथ धाम में ठंड भी बढ़ गई है। निचले इलाकों में बादल छाए रहने और हल्की बारिश से तापमान में गिरावट दर्ज की गई। 11 नवंबर को कपाट बंद होने से पहले श्रद्धालुओं की आवाजाही जारी है। कड़ाके की ठंड के बीच भी बाबा केदार के प्रति भक्तों की अटूट आस्था और भक्ति बरकरार है।

संपत्ति विवाद के बीच एसीएस शिखर अग्रवाल एपीओ

समाचार जगत न्यूज



जयपुर। राजस्थान सरकार ने उद्योग, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) एवं राजकीय उपक्रम विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव शिखर अग्रवाल को प्रशासनिक कारणों से एपीओ कर दिया है। कार्मिक विभाग की ओर से जारी आदेश के अनुसार, उन्हें आगामी आदेशों तक पदस्थापन की प्रतीक्षा में रखा गया है। अग्रवाल वर्तमान में एमएसएमई एवं राजकीय उपक्रम विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव के साथ भिवाड़ी इंटीग्रेटेड विकास प्राधिकरण के विशेषाधिकारी पद पर कार्यरत थे। उनके पास डोरा, निवेश संवर्धन ब्यूरो, रीको के अध्यक्ष तथा राजसिको के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक सहित कई महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां भी थीं। अग्रवाल इन दिनों विदेश यात्रा पर हैं। इसी बीच उनकी पत्नी एवं आईपीएस अधिकारी प्रशाखा माथुर सहित परिजनों और रिश्तेदारों के 20 विला खरीदने का मामला चर्चा में आया है। हालांकि, एपीओ आदेश में इसकी वजह प्रशासनिक बताई गई है। इससे पहले मुख्यमंत्री कार्यालय में अतिरिक्त मुख्य सचिव पद से हटाए जाने के समय भी अग्रवाल चर्चा में रहे थे।

मालगाड़ी की चपेट में आने से रिटायर्ड जेईएन की मौत

समाचार जगत ब्यूरो



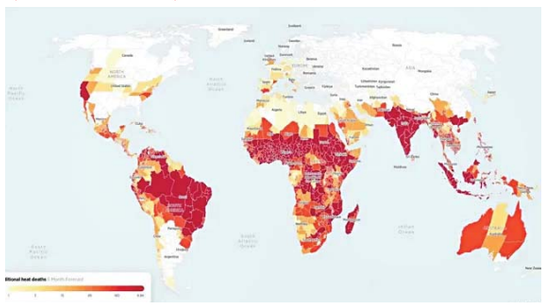
अलवर। जिले के खेरली कस्बे में एक दर्दनाक रेल हादसा हुआ। हिंडौन फाटक से करीब 50 मीटर दूर मालगाड़ी की चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक की पहचान खेरली रेल निवासी मोतीलाल जाटव के रूप में हुई है। वे बीएसएनएल कार्यालय से सेवानिवृत्त जेईएन बताए जा रहे हैं। जानकारी के अनुसार, मालगाड़ी मंडावर से भरतपुर की ओर जा रही थी। इसी दौरान मोतीलाल जाटव उसकी चपेट में आ गए। हादसा इतना गंभीर था कि उनकी मौके पर ही मौत हो गई। आसपास मौजूद लोगों के अनुसार, मालगाड़ी के चालक ने उन्हें बचाने के लिए ब्रेक लगाने का प्रयास किया, लेकिन हादसा टाला नहीं जा सका। घटना की सूचना मिलते ही रेलवे सुरक्षा बल, राजकीय रेलवे पुलिस और सिविल पुलिस की टीमें मौके पर पहुंचीं।

सुपर अल नीनो का कहर: क्लाइमेट इम्पैक्ट लैब ने जारी किया डराने वाला नक्शा

भीषण गर्मी से अगले पांच महीनों में होगी साढ़े 3 लाख से ज्यादा लोगों की मौत!

एक-तिहाई मौतें नाइजीरिया, भारत और ब्राजील में होने का अनुमान

समाचार जगत ब्यूरो



नई दिल्ली। सुपर अल नीनो का खतरा काफी बढ़ता जा रहा है। भारत ही नहीं, बल्कि कई देश इसकी चपेट में हैं। 'क्लाइमेट इम्पैक्ट लैब' ने अल नीनो के बढ़ते प्रभाव को लेकर एक ऐसा नक्शा जारी किया है, जो पूरी दुनिया के लिए खतरे की घंटी साबित हो सकता है। 'क्लाइमेट इम्पैक्ट लैब' के नक्शे में यह बताया गया है कि प्रशांत महासागर में 'सुपर अल नीनो' के तेज होने पर, गर्मी के कारण कहां सबसे ज्यादा अतिरिक्त मौतें होंगी। वहीं इस नक्शे से सामने आए आंकड़े काफी डराने वाले हैं। 'अल नीनो हीट मॉर्टेलिटी ट्रैकर' (अल नीनो के कारण गर्मी से शेष पृष्ठ दो पर

3.4 डिग्री सेल्सियस बढ़ गया पारा

सुपर अल नीनो की यह स्थिति तब बनी है जब मौसम की इस असामान्य घटना ने, जिसे समुद्र की सतह के तापमान से मापा जाता है, पूर्वी-मध्य प्रशांत महासागर के 'नीनो 3.4' क्षेत्र में पानी के तापमान को सामान्य से 3.4 डिग्री सेल्सियस (6 डिग्री फारेनहाइट से ज्यादा) ऊपर पहुंचा दिया है। यह तापमान 18 से 24 अक्टूबर के सप्ताह के दौरान दर्ज किया गया था। विश्व मौसम विज्ञान संगठन के मुताबिक, नवंबर से जनवरी के बीच यह घटना तापमान को सामान्य 'अल नीनो' की तुलना में छह गुना से भी ज्यादा बढ़ा सकती है।

इजराइल चुनाव: नेतन्याहू और आइजनकोट दोनों बहुमत से दूर, अरब पार्टियां किंगमेकर



एजेन्सी

तेल अवीव। इजराइल के चुनाव में प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और विपक्षी नेता गादी आइजनकोट, दोनों बहुमत से दूर रह गए हैं। 91.1% वोटों की गिनती के बाद नेतन्याहू का गठबंधन 53 सीटों और आइजनकोट का विपक्षी गठबंधन 48 सीटों पर आगे है। वहीं, अरब पार्टियों को कुल 19 सीटें मिलती दिख रही हैं। सरकार बनाने के लिए संसद की 120 सीटों में से कम से कम 61 सीटें जरूरी हैं। ऐसे में अरब पार्टियां किंगमेकर बन सकती हैं। दूसरी ओर, आज सुबह डबल-एनवेलप बैलेट की गिनती शुरू हो गई है। इन 5 लाख वोटों से संसद की सीटों का अंतिम बंटवारा बदल सकता है। डबल-एनवेलप बैलेट का इस्तेमाल उन लोगों के वोटों के लिए होता है जिन्होंने अपने तय मतदान केंद्र से अलग जगह पर वोट डाला। इनमें सैनिक, राजनयिक, पुलिसकर्मी और विस्थापित लोग शामिल हैं।

न्यूज गैलरी

सैप इंडिया 2030 तक दो मिलियन लोगों को देगा एआई स्किल्स

नई दिल्ली, समाचार जगत ब्यूरो। सैप इंडिया ने 2030 तक देश में दो मिलियन लोगों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से जुड़ी स्किल्स प्रदान करने के लिए नए कार्यक्रमों की घोषणा की है। यह पहल सैप के वैश्विक लक्ष्य 12 मिलियन लोगों को एआई-रेडी बनाने का हिस्सा है। मनीष प्रसाद, प्रेसिडेंट एवं मैनेजिंग डायरेक्टर, सैप इंडियन सबकॉन्टिनेंट ने कहा कि भारतीय प्रतिभाओं को भविष्य की तकनीकों के लिए तैयार करने हेतु कौशल विकास में निवेश जरूरी है। लक्ष्य के तहत 13 प्रतिशत लोगों को सर्टिफिकेशन, छात्र शिक्षा और सामुदायिक कार्यक्रमों के माध्यम से प्रशिक्षित किया जा चुका है। सैप सरकार, शैक्षणिक संस्थानों, उद्योग और सामुदायिक संगठनों के साथ मिलकर एआई, क्लाउड, डेटा और एंटरप्राइज टेक्नोलॉजी का प्रशिक्षण देगा। फ्यूचर राइट स्किल्स नेटवर्क, सैप यूनिवर्सिटी अलायंसेज और एआई करियर्स फॉर वीमेन जैसी पहलें विद्यार्थियों, महिलाओं और युवाओं को व्यावहारिक प्रशिक्षण देकर रोजगार के अवसरों के लिए तैयार करेंगी।

ज्वेलरी व्यवसायी दो भाइयों के साथ लूट का प्रयास, फायरिंग कर फरार हुए बदमाश

जयपुर, समाचार जगत न्यूज. शहर के जामडोली थाना इलाके में बुधवार रात को दुकान से घर लौट रहे ज्वेलरी व्यवसायी दो भाईयों पर लूट के लिए बाइक सवार बदमाशों ने हवाई फायरिंग कर दी। घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल हो गया। फायरिंग की यह घटना सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई। जामडोली थाना इलाके में बुधवार रात करीब 8 बजे यह वारदात हुई। जामडोली थाना क्षेत्र में भरत विहार में रहने वाले ज्वेलरी व्यवसायी सोनू और निशू दोनों भाई दुकान से लौट रहे थे। दोनों के पास बैग में गोल्ड ज्वेलरी थी। बदमाशों ने लूट के इरादे से दोनों भाई को बंदूक की नोक पर रोका। इसके बाद आरोपियों ने दोनों को लाठी-डंडों से मारा। मारपीट में सोनू के सिर में चोट आई हैं। वहीं निशू के हाथ में चोट लगी। एसीपी जितेंद्र सिंह ने बताया कि फायरिंग की सूचना मिलते ही जामडोली थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने घायल ज्वेलरी व्यवसायी को अस्पताल पहुंचाया। वारदात की जानकारी मिलने के बाद इलाके में नाकाबंदी करवाई गई और बदमाशों की तलाश शुरू की गई। जामड़ोली थानाधिकारी रत्न सिंह ने बताया कि ज्वेलर्स व्यवसायी भाइयों सोनू और निशू को इलाज के लिए एसएमएस हॉस्पिटल भिजवाया गया है। आरोपी मारपीट कर हवाई फायर करते हुए मौके से फरार हो गए। सीसीटीवी के आधार पर पुलिस बदमाशों का पता लगा रही है।

भीषण गर्मी.... (शेष 1 का शेष)

होने वाली मौतों का ट्रैकर) नामक इस भयावह नक्शे के मुताबिक, अक्टूबर 2026 से मार्च 2027 के बीच 373,000 से ज्यादा अतिरिक्त लोगों की जान जा सकती है। यह नक्शा यह भी बताता है कि इनमें से एक-तिहाई मौतें नाइजीरिया, भारत और ब्राजील में होने का अनुमान है। इससे साफ तौर पर सामने आता है कि इसका सीधा असर भारत पर भी पड़ने वाला है।

9 महीनों में है इतनी अतिरिक्त मौतें होने की आशंका: सुपर अल नीनो को दिखाता हुआ जो यह नक्शा सामने आया है, वो किसी खतरे की घंटी से कम नहीं है। इसके प्रभाव कितने विनाशकारी होंगे, यह जानने के लिए 1996 से 2005 के औसत हालात की तुलना में, मौजूदा 'अल नीनो' के कारण होने वाली अतिरिक्त मौतों का अनुमान लगाया है। यह रिसर्च दुनियाभर के लगभग 3,700 क्षेत्रों को कवर करता है और इसे हर महीने अपडेट किया जाता है, जिसमें अगले छह महीनों के लिए पूर्वानुमान दिए जाते हैं। नक्शे के अनुसार, जून 2026 में शुरू होने वाली इस घटना से मार्च 2027 तक गर्मी के कारण 857,400 अतिरिक्त मौतें हो सकती हैं, जो वैज्ञानिकों द्वारा एक महीने पहले लगाए गए अनुमान से 350,000 ज्यादा है।

भीषण गर्मी का सबसे बुरा असर नाइजीरिया पर पड़ने का अनुमान: अल नीनो की वजह से इन नौ महीनों की इस अवधि के अनुमान में लगाई गईं आधी से ज्यादा अतिरिक्त मौतें अगले छह महीनों के भीतर होने की आशंका है और भारत पर इसका भयावह रूप देखने को मिल सकता है। इस भीषण गर्मी का सबसे बुरा असर नाइजीरिया पर पड़ने का अनुमान है, जहां इस दौरान गर्मी से जुड़ी 56,000 से ज्यादा मौतें हो सकती हैं।

इस मॉडल के अनुसार नाइजीरिया के ठीक बाद भारत का नंबर आता है, जहां 55,200 लोगों के खतरे में होने की आशंका है। वहीं तीसरे नंबर पर इंडोनेशिया है, जहां 29,300 लोगों की जान जाने की आशंका है। ब्राजील में 19,500 लोगों की मौत का खतरा मंडरा रहा है।सूडान में 14,700 लोगों की जान जा सकती है।

जोधपुर में.... (शेष 1 का शेष)

घटना में तीन लोगों के चोटिल होने की जानकारी सामने आई है। घायलों को उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया। सदर कोतवाली थाना अधिकारी सोमकरण ने बताया कि बागर हरिजन बस्ती की एक गली में बच्चे खेल रहे थे। इसी दौरान किसी बात को लेकर विवाद शुरू हुआ, जो बाद में दोनों पक्षों के बीच झड़प में बदल गया। इस दौरान दोनों ओर से पत्थर फेंके गए, जिससे तीन लोगों को चोटें आईं। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने मामले की जानकारी ली। घायलों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। थाना अधिकारी के अनुसार, फिलहाल मौके पर शांति है। पुलिस मामले से जुड़े घटनाक्रम की जानकारी जुटा रही है।

पति की लंबी.... (शेष 1 का शेष)

को महिलाएं भगवान गणेशजी, माता पार्वती और चौथ माता की पूजा-अर्चना करेंगी तथा करवा चौथ की कथा सुनेंगी। रात को चंद्रमा के दर्शन के बाद महिलाएं अर्घ्य देकर छलनी से चंद्रमा और पति का चेहरा देखेंगी। इसके बाद पति के हाथों जल ग्रहण कर व्रत खोलेंगी। शादी के बाद पहली बार करवा चौथ का व्रत रखने वाली नवविवाहिताओं में खासा उत्साह है। वहीं, नवविवाहिताओं के पीहर से कपड़े, ज्वैलरी, करवा और मिठाइयां भी भेजी गई हैं। कई घरों में चौथ का उद्यापन भी किया जाएगा और महिलाएं परिवार की सुख-समृद्धि की कामना करेंगी।

प्रदेश के 28.... (शेष 1 का शेष)

चित्तौड़गढ़, दौसा, डीग, धौलपुर, डूंगरपुर, जयपुर, झालावाड़, झुंझुनूं, करौली, खैरथल-तिजारा, कोटा, कोटपूतली-बहरोड़, प्रतापगढ़, राजसमंद, सलूंबर, सवाई माधोपुर, सीकर, सिरोही, टोंक और उदयपुर शामिल हैं।

छह प्रतिष्ठानों पर कार्रवाई — कर चोरी के खिलाफ वाणिज्यिक कर विभाग का बड़ा प्रहार

1 करोड़ 22 हजार की राशि स्वैच्छिक रूप से जमा

समाचार जगत न्यूज

जयपुर। प्रदेश में कर चोरी पर प्रभावी अंकुश लगाने एवं राजस्व हितों की सुरक्षा के लिए वाणिज्यिक कर विभाग द्वारा चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई की गई है। विभाग द्वारा प्रदेश के विभिन्न जिलों में छह व्यावसायिक प्रतिष्ठानों पर की गई सर्वे एवं जांच कार्रवाई के दौरान कुल 1 करोड़ 22 हजार रुपये की राशि करदाताओं द्वारा स्वैच्छिक रूप से जमा कराई गई अथवा इलेक्ट्रॉनिक कैश लेजर में जमा की गई।कार्रवाई के दौरान बिक्री एवं वास्तविक कारोबार छिपाने, बिना उचित बिल के माल की खरीद-बिक्री, स्टॉक में अंतर तथा नियम विरुद्ध इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) का लाभ लेने जैसी अनियमितताओं की जांच की गई। विभाग द्वारा संबंधित प्रतिष्ठानों के लेखा अभिलेखों एवं कर विवरणियों का विस्तृत सत्यापन किया जा रहा है। जयपुर के चौड़ा रास्ता स्थित मैसर्स मनोहर लाल एंड संस पर जीएसटी अधिनियम की धारा 17(5) के अंतर्गत प्रतिबंधित इनपुट टैक्स क्रेडिट का लाभ लेने तथा संभावित स्टॉक विसंगतियों को लेकर जांच की गई।कार्रवाई के दौरान करदाता द्वारा अप्रैल से सितम्बर 2026 की अवधि के लिए 12 लाख 33 हजार रुपये कर एवं 1 लाख 85 हजार रुपये जुर्माने सहित कुल 14 लाख 18 हजार रुपये डीआरसी-03 के माध्यम से जमा कराए गए। शेष अभिलेखों एवं लेखा विवरणों के सत्यापन के लिए संबंधित करदाता को समन जारी किया गया। चित्तौड़गढ़ जिले के बेगूं स्थित पारस जनरल स्टोर पर वास्तविक बिक्री एवं कारोबार छिपाने की आशंका के आधार पर जांच की गई। प्रारंभिक स्तर पर लगभग 12 लाख रुपये की संभावित कर देयता आंकी गई।जांच के दौरान सामने आई विसंगतियों के संबंध में फर्म के प्रतिनिधि से स्पष्टीकरण लिया गया। इसके पश्चात करदाता द्वारा 11 लाख 20 हजार रुपये डीआरसी-03 के माध्यम से जमा कराए गए। विभाग ने जीएसटी अधिनियम की धारा 70 के तहत समन जारी कर संबंधित लेखा पुस्तकों एवं दस्तावेजों के साथ उपस्थित होने के निर्देश दिए हैं। जैतारण स्थित मैसर्स गोदावरी एंटरप्राइजेज पर घी, खाद्य तेल, सूखे मेवे एवं किराना सामग्री के कारोबार में बिक्री छिपाने की आशंका के आधार पर जांच की गई।कार्रवाई के दौरान भौतिक स्टॉक के सत्यापन में माल की कमी पाई गई तथा संबंधित बिक्री के कर चालान जारी नहीं किए जाने की बात सामने आई।

अजमेर में आतिशबाजी कारोबारी से 30 लाख की स्वैच्छिक राशि जमा

अजमेर के केसरगंज स्थित मैसर्स रेवतीलाल सत्येन्द्रकुमार जैन के प्रतिष्ठान पर संभावित अघोषित स्टॉक एवं वित्तीय वर्ष 2022-23 तथा 2023-24 की जीएसटी विवरणियों में इनपुट टैक्स क्रेडिट संबंधी अंतर की आशंका के आधार पर कार्रवाई की गई। प्रकरण में प्रारंभिक संभावित कर देयता 20 से 25 लाख रुपये आंकी गई थी। जांच के दौरान संबंधित करदाता द्वारा 30 लाख रुपये की राशि स्वैच्छिक रूप से जमा कराई गई।इसी प्रकार अजमेर जिले के किशनगढ़ स्थित मैसर्स श्री बिहारी प्रोडक्ट्स पर मार्बल, ग्रेनाइट एवं खनिज उत्पादों के कारोबार से संबंधित कर विवरणियों की जांच की गई। इसमें विभिन्न वित्तीय वर्षों के दौरान जीएसटीआर-3बी एवं जीएसटीआर-2बी में इनपुट टैक्स क्रेडिट का अंतर तथा घोषित कर देयता में विसंगतियां जांच के दायरे में रहीं।करदाता द्वारा अतिरिक्त आईटीसी संबंधी विसंगति स्वीकार करते हुए 11 लाख 70 हजार रुपये कर एवं 1 लाख 52 हजार रुपये ब्याज सहित कुल 13 लाख 22 हजार रुपये डीआरसी-03 के माध्यम से जमा कराए गए। शेष विसंगतियों के सत्यापन के लिए सात दिवस में आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं।

मकराना में बिना उचित बिल कारोबार की आशंका, 20 लाख जमा

डीडवाना-कुचामन जिले के मकराना स्थित मैसर्स अमन मार्बल इंडस्ट्रीज पर बिना उचित बिल के माल की खरीद-बिक्री एवं कर देयता के समायोजन में अत्यधिक आईटीसी के उपयोग की आशंका के आधार पर कार्रवाई की गई। जांच के दौरान फर्म के प्रतिनिधि द्वारा सत्यापित विसंगतियों को स्वीकार करते हुए 20 लाख रुपये इलेक्ट्रॉनिक कैश लेजर में जमा कराए गए। विभाग ने आगामी जांच के लिए प्रतिष्ठान से कुछ खुले कागजात एवं दस्तावेज जब्त किए हैं। संबंधित करदाता को खरीद-बिक्री के बिल, लेखा पुस्तकों एवं अन्य आवश्यक अभिलेखों के सत्यापन के लिए समन भी जारी किया गया है।

छात्रा की हत्या के 20 वर्षीय आरोपी रोहित की जमानत अर्जी खारिज

जयपुर, समाचार जगत न्यूज. सामोद थाना क्षेत्र में कॉलेज छात्रा की हत्या कर शव कुएं में फेंकने के मामले में अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश, चौमूं रविकांत सोनी ने आरोपी 20 वर्षीय रोहित निवासी कुशलपुरा बांसा, जयपुर का जमानत प्रार्थना पत्र गंभीर प्रकृति का प्रकरण एवं महत्वपूर्ण साक्षी शेष होने के आधारों पर अस्वीकार कर खारिज करने के आदेश दिए है। एडवोकेट चौधरी उम्मेद सिंह ने पीड़ित पक्ष की ओर से जमानत का कड़ा विरोध करते हुए कोर्ट को बताया कि आरोपी रोहित ने पीड़िता को 3 मार्च की रात घर से ले जाकर यह जघन्य वारदात कारित की।

पुलिस ने 9 मार्च को गिरफ्तार किया था। बीएनएस की धारा-64(1) (दुष्कर्म), 103(1) (हत्या) एवं 238(ए) (साक्ष्य नष्ट करना) के उक्त मामले के अनुसंधान में भी पुलिस ने दुष्कर्म करने, गला दबाकर हत्या करने, साक्ष्य नष्ट करने के लिए शव को कुएं में डालने सहित अन्य आरोप प्रमाणित मानते हुए चालान पेश किया है। अधिवक्ता चौधरी उम्मेद सिंह ने बताया कि कॉलेज छात्रा के साथ वारदात करने से पूर्व आरोपी उसके कॉलेज जाकर मारपीट कर हंगामा मचाया था। साथ ही उस पर घर में घुसकर पीडिता के भाई एवं उसकी मोटर साईकिल पर पेट्रोल डालने के भी आरोप है। जमानत पर बाहर आने से वह गवाहों व साक्ष्य को प्रभावित कर सकता है और कोर्ट की पहुंच से भी दूर हो सकता है। ऐसे में जमानत खारिज की जाए।

मुख्यमंत्री की मानवीय पहल बनी जीवन का वरदान

1,310 रोगियों का किडनी और 563 का निःशुल्क बोन मैरो ट्रांसप्लांट

'मा' योजना से प्रदेश में अंग प्रत्यारोपण को मिली नई दिशा

निःशुल्क अंग प्रत्यारोपण से किसी के घर के चिराग, किसी की मां, किसी के पिता को मिला नया जीवन

समाचार जगत न्यूज



जयपुर. किसी परिवार के लिए इससे बड़ी पीड़ा क्या होगी कि अपनों की जिंदगी बचाने के लिए चिकित्सक अंग प्रत्यारोपण की सलाह दें, लेकिन महंगे इलाज का खर्च उसकी आर्थिक हैसियत से बाहर हो। एक ओर अपनों को बचाने की जंग और दूसरी ओर पैसों की मजबूरी। ऐसे कठिन समय में सरकार की स्वास्थ्य सुरक्षा योजना किसी परिवार के लिए उम्मीद की किरण बन जाए, यही जनकल्याण, सुशासन और संवेदनशीलता की सबसे बड़ी मिसाल है।

राजस्थान में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल पर शुरू की गई मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य ('मा') योजना अंग प्रत्यारोपण जैसी स्थिति का सामना कर रहे जरूरतमंद मरीजों के लिए वरदान साबित हो रही है। इससे न केवल गरीब और असहाय रोगियों का जीवन बचाया जाना संभव हुआ है, बल्कि प्रदेश में अंगदान और अंग प्रत्यारोपण की मानवीय पहल में भी अभूतपूर्व प्रगति दर्ज हुई है। अंग प्रत्यारोपण जैसी जटिल और महंगी चिकित्सा प्रक्रियाओं के लिए योजना के अंतर्गत उपलब्ध कराई गई सहायता के आंकड़े बताते हैं कि जरूरतमंद मरीजों तक स्वास्थ्य सुरक्षा पहुंचाने के प्रयासों को प्रदेश में नई गति मिली है। वर्तमान सरकार के 34 माह में प्रदेश में करीब 2 हजार ट्रांसप्लांट इस योजना के तहत किए गए हैं। साथ ही, 671 व्यक्तियों के कॉक्लियर इम्प्लांट किया गया है।

किडनी की गंभीर बीमारी से जूझ रहे मरीज और उनके परिवार लंबे समय तक उपचार की चुनौती का सामना करते हैं। 'मा' योजना में ऐसे लोगों का किडनी प्रत्यारोपण पूरी तरह कैशलेस किया जा रहा है। वर्तमान राज्य सरकार के कार्यकाल में 'मा' योजना के तहत अब तक 1,310 मरीजों को कैशलेस किडनी ट्रांसप्लांट की सुविधा मिली, जबकि पूर्ववर्ती सरकार के पूरे कार्यकाल में यह संख्या 748 थी। वर्तमान सरकार के कार्यकाल में किडनी ट्रांसप्लांट के लिए 58 करोड़ रुपये की राशि व्यय की गई।

बोन मैरो ट्रांसप्लांट जैसे जटिल उपचार के लिए भी योजना के अंतर्गत उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई। पिछली सरकार के समय संचालित योजना में केवल 88 लाभार्थियों को यह सुविधा मिली थी, जबकि वर्तमान सरकार के कार्यकाल में 563 लाभार्थियों को सहायता उपलब्ध कराई गई। इस पर व्यय राशि पूर्ववर्ती सरकार में 5.74 करोड़ रुपये थी, जो बढ़कर 35 करोड़ रुपये हो गई। इसी प्रकार लीवर ट्रांसप्लांट के लिए वर्तमान सरकार के कार्यकाल में 112 मरीजों को सहायता मिली, जबकि विगत सरकार के कार्यकाल में यह संख्या 60 थी। इसी प्रकार 9 रोगियों में हृदय प्रत्यारोपण किया गया। वहीं वर्तमान सरकार के 34 माह में ही 671 लाभार्थियों का कॉक्लियर इम्प्लांट किया गया।

अब तक 50 लाख लोगों का कैशलेस इलाज, 10,678 करोड़ व्यय

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने यूनिवर्सल हेल्थ कवरेज के दृष्टिकोण के साथ अधिक से अधिक लोगों को इस योजना से जोड़ने के निर्देश दिए थे। इन निर्देशों की अनुपालना में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग ने इस योजना का दायरा लगातार बढ़ाया। पूर्ववर्ती सरकार के मुकाबले उपचार के पैकेज की संख्या 1800 से बढ़ाकर करीब 2200 की गई। इससे सामान्य बीमारियों से लेकर रोबोटिक सर्जरी तक और नवजात से लेकर बुजुर्गों तक को इस योजना का अधिकतम लाभ मिलना सुनिश्चित हुआ। इसी का परिणाम है कि विगत 34 माह के समय में करीब 50 लाख लोगों को इस योजना में निःशुल्क उपचार मिला है। इस पर राज्य सरकार ने करीब 10 हजार 678 करोड़ रूपए का व्यय किया है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का कहना है कि राज्य सरकार का प्रयास है कि आर्थिक विवशता किसी जरूरतमंद मरीज के उपचार में बाधा न बने।

इनर व्हील क्लब ने आयोजित किया डांडिया कार्यक्रम

टोंक, समाचार जगत ब्यूरो। इनर व्हील क्लब ऑफ टोंक द्वारा होटल राज मिडवे में एक भव्य एवं रंगारंग डांडिया कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में क्लब की महिलाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और डांडिया की धुनों पर खूब आनंद उठाया।कार्यक्रम में मनोरंजक गेम्स एवं आकर्षक उपहारों की व्यवस्था की गई, जिसमें महिलाओं ने पूरे उत्साह और उमंग के साथ भाग लिया। पूरे आयोजन में उत्सव, मनोरंजन और आपसी सौहार्द का सुंदर संगम देखने को मिला।इस अवसर पर नगरपरिषद् टोंक सभापति मयंक गोयल को सम्मानित किया गया। साथ ही समाज सेविका सुमन राजेंद्र गोयल एवं पंडित राजकुमार शर्मा की धर्मपत्नी हर्षिता शर्मा को भी सम्मानित किया गया। दोनों ने कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक सहभागिता की और आयोजन का आनंद उठाया।क्लब की प्रेसिडेंट श्वेता सिंघल ने बताया कि इनर व्हील क्लब ऑफ टोंक समय-समय पर ऐसे कार्यक्रम आयोजित करता रहता है। इन आयोजनों का उद्देश्य महिलाओं को एक मंच प्रदान करना, आपसी मित्रता को मजबूत करना तथा सामाजिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों के माध्यम से सभी को जोड़ना है।कार्यक्रम में पास्ट डिस्ट्रिक्ट चेयरमैन लक्ष्मी जैन, रिज़वाना अहमद, गीता गुप्ता, सीता बजाज, माधुला मालपानी, उषा जैन, कमलेश अग्रवाल, पुष्पा मीना, ममता गर्ग, सुमन गोयल, शशि कुर्मी, रिचा सिंघल, बीना जैन, सरिता विजय, दीपिका सिंघल, मंजू गर्ग, प्रेसिडेंट श्वेता सिंघल, सेक्रेटरी स्नेहा भम एवं आईएसओ किरण त्रिपाठी सहित इनर व्हील क्लब की सभी सदस्य उपस्थित रहीं।कार्यक्रम हर्षोल्लास, मनोरंजन और आपसी सौहार्द के वातावरण में संपन्न हुआ। सभी सदस्यों ने इस यादगार आयोजन का भरपूर आनंद लिया।



एसोचैम स्वास्थ्य सम्मेलन: डिजिटल हेल्थ और महिला स्वास्थ्य पर मंथन

जयपुर, समाचार जगत न्यूज. एसोचैम राजस्थान की ओर से नवाचार, महिला स्वास्थ्य एवं डिजिटल उत्कृष्टता के माध्यम से स्वास्थ्य सेवाओं में परिवर्तन विषय पर राजस्थान स्वास्थ्य सम्मेलन-2026 का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रमुख शासन सचिव गायत्री ए. राठौड़ ने कहा कि राज्य सरकार डिजिटल हेल्थ को बढ़ावा दे रही है। सीए हिमांशु गोयल अध्यक्ष एसोचैम ने स्वागत भाषण दिया। डॉ. राकेश शर्मा अध्यक्ष हेल्थकेयर कमेटी व प्रबंध निदेशक एसआरके ग्रुप और एसबीआई के महाप्रबंधक रजनीश कुमार ने भी विचार रखे। पहला पैनल एकीकृत देखभाल से महिला स्वास्थ्य पर था।

2047 तक हमारा देश विश्व का नंबर वन देश बनेः मुख्यमंत्री

समाचार जगत ब्यूरो

टोंक। प्रदेश के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा बुधवार को मालपुरा उपखंड क्षेत्र के डिग्गी दौरे पर रहे। इस दौरान मुख्यमंत्री अपने निर्धारित समय से लगभग पौने दो घंटे बाद हेलीकाप्टर से डिग्गी पहुंचे जहां अग्रवाल सेवा सदन के पास बने हेलीपैड पर पहुंचने पर कैबिनेट मंत्री कन्हैया लाल चौधरी, देवली उनियारा विधायक राजेंद्र गुर्जर निवाई विधायक रामसहाय वर्मा, पूर्व सांसद सुखबीर सिंह जौनापुरिया सहित नगर पालिका डिग्गी अध्यक्ष अरविंद शर्मा ने मुख्यमंत्री का गुलदस्ता भेंटकर स्वागत किया। मुख्यमंत्री अपनी धर्मपत्नी गीता शर्मा के साथ श्री डिग्गी कल्याण मंदिर पहुंचे। जहां श्रीजी की पूजा अर्चना कर प्रदेश में खुशहाली की कामना की। श्री कल्याण मंदिर ट्रस्ट की ओर से मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का स्वागत किया गया। इसके बाद मुख्यमंत्री अग्रवाल सेवा सदन पहुंचे जहां भाजपा कार्यकर्ता संवाद कार्यक्रम में भाग लेते हुए मुख्यमंत्री ने कार्यकर्ताओं को केंद्र व राज्य की लोक कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए अधिक से अधिक योजनाओं का प्रचार करने तथा नगरीय निकाय चुनाव में दिए गए प्रचंड बहुमत से बढ़कर पंचायत राज चुनाव में



भाजपा के जिला प्रमुख व प्रधान बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सोच है कि 2047 तक हमारा देश विश्व का नंबर वन देश बने। इससे पूर्व कैबिनेट मंत्री का संवाद कार्यक्रम में पहुंचने पर कैबिनेट मंत्री कन्हैया लाल चौधरी, नगरपालिका मालपुरा पालिका अध्यक्ष जिनेंद्र जैन, लाम्बाहरिसिंह नगर पालिका अध्यक्ष सोनिया गौरव सोनी, टोडारायसिंह पालिका अध्यक्ष संत कुमार जैन, डिग्गी नगर पालिका अध्यक्ष अरविंद शर्मा ने स्वागत किया।पंचायत राज चुनाव की टोंक जिला प्रभारी पूर्व मंत्री अनिता भदेल, देवली उनियारा विधायक राजेंद्र गुर्जर, निवाई विधायक रामसहाय वर्मा, पूर्व विधायक अजित सिंह मेहता, टोंक भाजपा जिलाध्यक्ष चन्द्रवीर सिंह, सवाईमाधोपुर भाजपा जिलाध्यक्ष मानसिंह गुर्जर, निवर्तमान जिला प्रमुख सरोज बंसल, एससी मोर्चा भाजपा राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य व उत्तर प्रदेश के सह प्रभारी सतीश चन्देल, पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष राजेंद्र पराणा, अजमेर भाजपा जिलाध्यक्ष रमेश सोनी,श्री घुश्मेश्वर ज्योतिर्लिंग शिवाड़ ट्रस्ट अध्यक्ष प्रेम चंद शर्मा, पूर्व जिलाध्यक्ष सवाईमाधोपुर भरत लाल मथुरिया, पूर्व जिलाध्यक्ष सुरेश जैन, नगरपालिका मालपुरा के पालिकाध्यक्ष जिनेन्द्र जैन, टोडारायसिंह नगरपालिका के अध्यक्ष संत कुमार जैन, लाम्बाहरिसिंह नगरपालिका अध्यक्ष सोनिया गौरव सोनी, नगरपालिका डिग्गी पालिकाध्यक्ष अरविन्द शर्मा, पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष मालपुरा एडवोकेट राजकुमार जैन, भाजपा जिला मोर्चा प्रभारी डॉ अंकित जैन, निर्विरोध निर्वाचित डीआर रोडूलाल जाट सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल के 20वें संस्करण में जुटेंगे दुनिया भर के दिग्गज

14 से 18 जनवरी 2027 तक क्लार्क्स आमेर में होगा आयोजन

साहित्य, इतिहास, विज्ञान, कला और वैश्विक मुद्दों पर होगा विचार-विमर्श


मकरंद साठे


नील मैकग्रेगर


अदनिया शिबली


बेन मोजर

समाचार जगत ब्यूरो

नई दिल्ली। वेदांता प्रस्तुत जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल ने अपने ऐतिहासिक 20वें संस्करण के लिए वक्ताओं की दूसरी सूची जारी कर दी है। यह आयोजन 14 से 18 जनवरी 2027 तक जयपुर के होटल क्लार्क्स आमेर में होगा। इस बार दुनिया भर के प्रतिष्ठित लेखक, इतिहासकार, वैज्ञानिक, पत्रकार, शिक्षाविद्, कलाकार और सार्वजनिक जीवन की प्रभावशाली हस्तियां एक मंच पर विचारों का आदान-प्रदान करेंगी। दूसरी सूची में साहित्य, कविता, सभ्यताओं के इतिहास, पहचान, सामाजिक न्याय, अंतरराष्ट्रीय संबंधों, स्वास्थ्य, खानपान और कला जैसे विविध विषयों को शामिल किया गया है। फिलिस्तीनी लेखिका अदनिया शिबली, जैविक मानवविज्ञानी, लेखिका और प्रसारक एलिस रॉबर्ट्स, भारतीय बौद्धिक इतिहास की विदुषी अनन्या वाजपेयी तथा पुलित्जर पुरस्कार विजेता लेखक और जीवनीकार बेंजामिन मोजर प्रमुख नाम हैं। हार्वर्ड की प्रोफेसर और पुलित्जर पुरस्कार विजेता इतिहासकार कैरोलिन एल्किन्स तथा उपन्यासकार क्लेयर मेसूद भी इस सूची का हिस्सा हैं। प्राचीन इतिहास और सभ्यताओं पर चर्चा के लिए पुरातत्वविद् एवं इतिहासकार एरिक क्लाइन, कला इतिहासकार और ब्रिटिश म्यूजियम के पूर्व निदेशक नील मैकग्रेगर तथा हार्वर्ड के इतिहासकार स्वेन बेकेर्ट शामिल होंगे। संघर्ष समाधान विशेषज्ञ गैब्रिएल रिफकाइंड, आदिवासी पहचान पर लेखन करने वाले हंसदा सौवेंद्र शेखर, मराठी नाटककार एवं उपन्यासकार मकरंद साठे, शास्त्रीय साहित्य की विदुषी मीरा सेओ, कवयित्री एवं उपन्यासकार मोना अर्शी और मलयालम लेखक एवं निबंधकार पॉल जकारिया भी अपने विचार रखेंगे। विज्ञान और स्वास्थ्य के क्षेत्र से नोबेल पुरस्कार विजेता आनुवंशिकीविद् एवं कोशिका जीवविज्ञानी सर पॉल नर्स, हृदय रोग विशेषज्ञ एवं स्वास्थ्य जागरूकता समर्थक डॉ. श्रीराम नेने तथा आत्मविकास लेखिका और कोच रॉक्सी नफूसी शामिल हैं। प्रसिद्ध शेफ और रेस्तरां दिवा की सह-मालिक रितु डालमिया खानपान की दुनिया से जुड़ी दृष्टि प्रस्तुत करेंगी। लेखक सूरज येंगडे जाति, नस्ल और सामाजिक न्याय के मुद्दों पर चर्चा करेंगे। लेखक एवं आलोचक तबिश खैर और लेखिका तथा भाषाविद् थांगजाम हिंदुस्तानी देवी भी सूची में हैं। व्यवसाय, परोपकार और सामाजिक प्रभाव से जुड़ी अक्षता मूर्ति, पत्रकार, प्रसारक एवं लेखिका मिशाल हुसैन और एशियाई कला एवं संग्रहालयों की विशेषज्ञ कला इतिहासकार विशाखा एन. देसाई भी इस संस्करण में शामिल होंगी। टीमवर्क आर्ट्स के प्रबंध निदेशक संजय के. रॉय ने कहा कि फेस्टिवल का उद्देश्य विभिन्न विषयों, संस्कृतियों और देशों के बीच सार्थक संवाद को बढ़ावा देना है। इतिहासकार, लेखक और फेस्टिवल के सह-निदेशक विलियम डेलरिम्पल ने भारत की प्राचीन कहानी-कथन और बौद्धिक विमर्श की परंपरा को वैश्विक मंच से जोड़ने में महोत्सव की भूमिका रेखांकित की।लेखिका, सह-संस्थापक एवं सह-निदेशक नमिता गोखले ने कहा कि 20वें संस्करण में बदलते विचारों और नई तकनीकों के साथ भारतीय भाषाओं के साहित्यिक परिदृश्य पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा। दो दशक पूरे कर रहा यह महोत्सव एक बार फिर पुस्तकों, विचारों और सांस्कृतिक विविधता के माध्यम से संवाद, जिज्ञासा और साझा मानवीय अनुभवों को नई दिशा देने के लिए तैयार है।

न्यूज गैलरी

सोडाला में भाजपा पदाधिकारी के बेटे से मारपीट, विरोध में अजमेर रोड जाम



जयपुर, समाचार जगत न्यूज। सोडाला स्थित हटवाड़ा रोड पर भाजपा पदाधिकारी के बेटे के साथ कुछ युवकों द्वारा मारपीट किए जाने की घटना के बाद इलाके में तनाव का माहौल बन गया। घटना के विरोध में बड़ी संख्या में स्थानीय लोग एकत्रित हो गए और आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर अजमेर रोड जाम कर दिया। सूचना मिलने पर स्थानीय विधायक गोपाल शर्मा मौके पर पहुंचे। उन्होंने पुलिस प्रशासन से घटना में शामिल आरोपियों को तत्काल गिरफ्तार कर उनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करने की मांग की। साथ ही उन्होंने लोगों से शांति बनाए रखने और कानून-व्यवस्था में सहयोग करने की अपील की। घटना के बाद मौके पर भारी पुलिस जाब्ता तैनात किया गया। स्थानीय लोगों ने क्षेत्र में अशांति फैलाने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग उठाई। अब लोगों की निगाहें पुलिस प्रशासन की कार्रवाई पर टिकी हैं।

अहमदाबाद में तीनधाम यात्रियों का स्वागत, प्रदेशाध्यक्ष रामनारायण कांजला का सम्मान



जयपुर, समाचार जगत न्यूज। तीनधाम यात्रा पर निकले यात्रियों का अहमदाबाद में स्वागत किया गया। रामअवतार कूड़ाया माधोपुरा वाले, विजय, कैलाश कॉलवानिया माधोगढ़ वाले एवं रामप्रसाद बोटोलिया टेकनपुर वाले की ओर से तीनधाम यात्रा की पांच गाड़ियों में सवार सभी यात्रियों को नाश्ता और दोपहर का भोजन कराया गया। इस दौरान सभी यात्रियों का आत्मीय स्वागत किया गया। अखिल हरियाणा गौड़ ब्राह्मण समाज राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष रामनारायण शर्मा कांजला के अहमदाबाद पहुंचने पर अखिल भारतीय हरियाणा गौड़ ब्राह्मण महासभा गुजरात प्रदेश की ओर से उनका माला पहनाकर एवं साफा बंधवाकर सम्मान किया गया। साथ ही राधा-कृष्ण की प्रतिमा का चित्र भेंट किया गया। इस अवसर पर गुजरात प्रदेश की टीम के कई पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे। इनमें कमलेश कुमार शर्मा पानवाडिया, गुजरात प्रदेश महामंत्री उमेश कुड़ाया, कोषाध्यक्ष हरिश शर्मा, उपाध्यक्ष बनवारी देलाड़ी, सह महामंत्री बाबूलाल पातलवास, संगठन मंत्री राम नारायण शर्मा, प्रचार मंत्री बाबूलाल की कुड़ाया, संगठन मंत्री तथा कमलेश पुरोहित, उपाध्यक्ष शामिल रहे।

पार्षद नीरज गर्ग और रेणु खंडेलवाल का किया सम्मान



जयपुर, समाचार जगत न्यूज। अंतरराष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन राजस्थान की ओर से जयपुर के सी-स्कीम स्थित महावीर स्कूल ऑडिटोरियम में वैश्य समाज के महापौर एवं पार्षदों का सम्मान समारोह आयोजित हुआ। इस दौरान वार्ड 40 के पार्षद नीरज गर्ग का सम्मान किया गया।



जयपुर के सी-स्कीम स्थित महावीर स्कूल ऑडिटोरियम में अंतरराष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन राजस्थान की ओर से आयोजित सम्मान समारोह में वार्ड 139 की पार्षद रेणु खंडेलवाल का भी सम्मान किया गया।



वैश्य समाज के महापौर एवं पार्षदों का सम्मान समारोह में जयपुर नगर निगम वार्ड 77 के पार्षद प्रेम चंद जैन का सम्मान किया गया।



अंतरराष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन राजस्थान की ओर से आयोजित वैश्य समाज के महापौर एवं पार्षदों का सम्मान समारोह में वार्ड 110 की पार्षद सुनीता मेठी का सम्मान किया गया।



जयपुर के सी-स्कीम स्थित महावीर स्कूल ऑडिटोरियम में वैश्य समाज के महापौर एवं पार्षदों का सम्मान समारोह में वार्ड 73 की पार्षद जयश्री गर्ग का सम्मान किया गया।

शिव शक्ति ग्रुप वैशाली नगर ने जरूरतमंद लोगों को भोजन प्रसादी वितरित की



जयपुर, समाचार जगत न्यूज. शिवशक्ति ग्रुप वैशाली नगर की ओर से बागंड हॉस्पिटल के पास 150 जरूरतमंद लोगों को भोजन करवाया गया, जिसमें अधिकांश लोग दूरदराज से इलाज के लिए आए मरीजों के परिजन थे। 'नर सेवा ही नारायण सेवा है' इस उक्ति को चरितार्थ करते हुए यह सेवा कार्य किया गया।

मालवीय नगर में नोटिस और शिकायतों के बीच दिन-रात चलता रहा निर्माण कार्य

समाचार जगत न्यूज

जयपुर। राजधानी के शांत रिहायशी क्षेत्र मालवीय नगर सेक्टर-10 स्थित राजस्थान आवासन मंडल के भूखंड संख्या 10/864 और 10/866 पर कंक्रीट की दीवारें नियम-कायदों को पीछे छोड़ती हुई लगातार ऊपर उठ रही हैं। स्थानीय निवासियों और वेलफेयर सोसाइटी द्वारा लगातार दी गई लिखित चेतावनियों के बावजूद



निर्माण कार्य की रफ्तार धीमी नहीं पड़ी। इस पूरे प्रकरण ने सरकार के उस 'जीरो टॉलरेंस' के दावे पर गंभीर सवालिया निशान लगा दिया है, जिसका ढिंढोरा आए दिन प्रशासनिक मंचों से पीटा जाता है।

धरातल पर स्थिति यह है कि राजस्थान नगरपालिका अधिनियम, 2009 की धारा 194 और 197 के स्पष्ट प्रावधानों के बावजूद परिसर पर सीलिंग की मोहर नहीं लग सकी है। निगम प्रशासन ने कार्रवाई के नाम पर महज दो दिन के लिए एक होमगार्ड तैनात कर औपचारिकता पूरी की, जिसे माहौल शांत होते ही चुपचाप हटा लिया गया। गार्ड हटते ही मौके पर मजदूरों की संख्या दोगुनी कर दी गई और काम युद्धस्तर पर फिर शुरू हो गया।

सांसद मंजू शर्मा ने किया संघ शतक के कवर पेज का विमोचन



समाचार जगत न्यूज

जयपुर। वैश्विक पर्यावरण संरक्षण और गौसंवर्धन के हितार्थ कार्य करते हुए गौमाया पिछले एक दशक से गौ माता को स्वावलंबी बनाने एवं ग्लोबल वार्मिंग को कम करने के राष्ट्र सेवा के पथ पर निरंतर अग्रसर है। इसी कड़ी में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 100 वर्ष पूर्ण होने पर संघ द्वारा किए गए कार्यों को संघ शतक के रूप में संकलित कर राष्ट्र सेवा में समर्पित करने जा रहा है। अपनी इस उपलब्धि का सांसद से आशीर्वाद लेने हेतु उनके निवास पर शिष्टाचार भेंट की। जहां गौमाया फाउंडर डॉ. सीताराम गुप्ता ने सांसद शर्मा को बताया कि कोरोना काल में देसी गौ माता के गोबर से बने हुए कागज पर छपने वाली दुनिया की पहली पुस्तक गोमय ज्ञान सागर जिसे अमेजॉन बेस्ट सेलर का अवार्ड मिला तथा 6 वर्ल्ड रिकॉर्ड उस पुस्तक ने अपने नाम किए। इस बार एक कदम आगे बढ़कर गोबर में पराली और हवन सामग्रियों के मिश्रण से तैयार गोमय पेपर पर छपने वाली यह दुनिया की पहली पुस्तक बनने जा रही है। संघ शतक के इस राष्ट्रव्यापी कार्य में प्रधान प्रेरक के रूप में प्रसिद्ध समाजसेवी एवं उद्योगपति सुरेश पाटोदिया प्रधान संपादक के रूप में प्रख्यात भामाशाह योगेश मित्तल एवं पूरे अभियान के प्रधान संयोजन में सेव्यम के निदेशक राजा मुकीम का विशेष सहयोग रहा है।

श्री श्याम उत्सव में शामिल हुईं पार्षद पूनम मेहता



जयपुर, समाचार जगत न्यूज। श्री श्याम सेवक परिवार समिति (रजि.), जयपुर की ओर से आयोजित श्री श्याम उत्सव में वार्ड 123 की पार्षद पूनम आशीष मेहता भी शामिल हुई। उन्होंने आयोजकों को शुभकामनाएं दीं। पूनम मेहता ने कहा कि धर्म, संस्कार और भक्ति भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर हैं। ऐसे धार्मिक आयोजनों से समाज में आध्यात्मिक चेतना बढ़ती है तथा आपसी प्रेम, सद्भाव और संस्कारों का प्रसार होता है। उन्होंने प्रभु से प्रार्थना की कि श्री श्याम उत्सव सभी के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और मंगल लेकर आए।

सफाई अभियान चलाकर उठाया कचरा, करवाई फॉगिंग



जयपुर, समाचार जगत न्यूज। वार्ड 96 में पार्षद मोहम्मद वसीम के नेतृत्व में सफाई अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान वार्ड की विभिन्न जगहों पर साफ-सफाई करवाई गई और एकत्रित कचरे को उठाया गया। साथ ही मच्छरों की रोकथाम के लिए फॉगिंग भी करवाई गई। अभियान का उद्देश्य वार्ड में स्वच्छता बनाए रखना और क्षेत्रवासियों को गंदगी व मच्छरों से होने वाली परेशानियों से राहत दिलाना रहा।

वार्ड 72 में टूटी सड़क का नवीनीकरण शुरू



जयपुर, समाचार जगत न्यूज। नगर निगम के वार्ड 72 में लंबे समय से क्षतिग्रस्त सड़क की समस्या के समाधान के लिए सड़क नवीनीकरण कार्य शुरू करवाया गया। धर्म कांटे के पास टूटी सड़क को पहले उखड़वाया गया। इसके बाद नई सड़क बनाने का काम शुरू किया गया। पार्षद सुमन रमेश भाटी ने मौके पर पहुंचकर निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित कार्मिकों को काम गुणवत्ता मानकों के अनुरूप करवाने के निर्देश दिए। पार्षद ने कहा कि वार्ड की मूलभूत सुविधाओं को बेहतर बनाना उनकी प्राथमिकता है। जहां भी सड़कें क्षतिग्रस्त हैं, वहां जरूरत के अनुसार निर्माण और मरम्मत कार्य करवाने के प्रयास किए जा रहे हैं, ताकि आमजन को सुरक्षित और सुगम आवागमन की सुविधा मिल सके।

झोटवाड़ा में 31 अक्टूबर को सजेगी भजन संध्या श्याम परिवार मनाएगा 28वां वार्षिकोत्सव

समाचार जगत न्यूज

जयपुर। श्री श्याम परिवार, झोटवाड़ा, जयपुर की ओर से 31 अक्टूबर को 28वें वार्षिकोत्सव के अवसर पर विशाल भजन संध्या का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम शाम 7 बजे से प्रभु इच्छा तक आनंद मार्केट, औद्योगिक क्षेत्र झोटवाड़ा में होगा। आयोजन में बाबा श्याम के भजनों के साथ भजन जामिंग विशेष आकर्षण रहेगा। भजन संध्या में कुमार संजय मेहर, तुलसी गोयल (श्रीगंगानगर), डीके राजा (बरेली), नवीन शर्मा, रोहित शर्मा, पूजा पारिक सहित अन्य कलाकार भजनों की प्रस्तुतियां देंगे। कार्यक्रम में दादी श्री कुमार नरेंद्र का सान्निध्य भी रहेगा। आयोजन के मुख्य संयोजक आनंद गुप्ता हैं। संयोजक राजेंद्र शर्मा, सुरेंद्र गाडिया और प्रतीक जैन हैं। श्री राम जन सेवा समिति, झोटवाड़ा, जयपुर के अध्यक्ष अजीत कुमार शर्मा ने सभी श्याम प्रेमियों को कार्यक्रम में सादर आमंत्रित किया है। भजन संध्या में अखंड ज्योति, छप्पन भोग, मनोरम श्रृंगार और पुष्प वर्षा सहित धार्मिक आयोजन भी आकर्षण का केंद्र रहेंगे।



मानसरोवर में होगा श्री श्याम भजनामृत सत्संग



जयपुर, समाचार जगत न्यूज। श्री श्याम भजन संध्या परिवार सेवा समिति (रजि.), जयपुर के तत्वावधान में शनिवार, 31 अक्टूबर को श्री श्याम भजनामृत सत्संग का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम मानसरोवर स्थित 10/28 स्वर्ण पथ पर शाम 7 बजे से प्रभु इच्छा तक होगा। आयोजन में बाबा श्याम का अलौकिक श्रृंगार किया जाएगा तथा अखंड ज्योत के दर्शन होंगे। सत्संग में बाबा श्याम की भक्ति से जुड़े भजनों के माध्यम से श्रद्धालु भक्ति रस में सराबोर होंगे। कार्यक्रम में पुष्प वर्षा और इत्र वर्षा भी आकर्षण का केंद्र रहेगी। समिति की ओर से श्रद्धालुओं को अपने परिवार के साथ कार्यक्रम में शामिल होने के लिए स्नेहिल निमंत्रण दिया गया है। आयोजन के निवेदक गोविंद अग्रवाल, मीना अग्रवाल, नमित अग्रवाल और पराग अग्रवाल हैं। समिति ने श्याम भक्तों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर बाबा श्याम के दरबार में हाजिरी लगाने की अपील की है।

चांदमारी क्रिकेट ग्राउंड पर सजेगा बाबा श्याम का भव्य दरबार, कल निकलेगी कलश यात्रा

जयपुर, समाचार जगत न्यूज। श्री श्याम मित्र मंडल की ओर से चांदमारी क्रिकेट ग्राउंड पर शनिवार, 31 अक्टूबर को बाबा श्याम का भव्य दरबार सजाया जाएगा। आयोजन में जयपुर के सुप्रसिद्ध कलाकार बाबा श्याम के भजनों की प्रस्तुतियां देकर श्रद्धालुओं को भाव विभोर करेंगे। कार्यक्रम को लेकर श्रद्धालुओं में उत्साह है। आयोजन के तहत शुक्रवार, 30 अक्टूबर को कलश यात्रा एवं शोभायात्रा निकाली जाएगी। यात्रा पानी की टंकी सर्किल से रवाना होकर यादव जूस सेंटर, पीएनटी, बवाट चौराहा और पंथियों की ढाल से होते हुए चांदमारी क्रिकेट ग्राउंड पहुंचेगी। आयोजकों ने सभी श्रद्धालुओं से कलश यात्रा एवं बाबा श्याम के भव्य दरबार में शामिल होने की अपील की है। कलश यात्रा के संयोजक नंदकिशोर खंडेलवाल और रेणु खंडेलवाल हैं। कार्यक्रम में संरक्षक महेश मोहित शर्मा, निवेदक नवीन प्रताप सिंह और मंडल अध्यक्ष किशन जी की भूमिका रहेगी।

■ सागर बून्द समाय ■



धर्म कोई दुकान पर नहीं मिलता
जो धन से खरीदा जाए।

■ आचार्य विद्यासागरजी

संपादकीय...

अशोक सेन भौतिक विज्ञान में ऑस्कर क्लेन पदक सम्मान प्राप्त करने वाले पहले भारतीय वैज्ञानिक हैं

प्रख्यात भारतीय भौतिक विज्ञानी प्रोफेसर अशोक सेन को वर्ष 2026 के लिए प्रतिष्ठित 'ऑस्कर क्लेन मेडल' से सम्मानित किया गया है। प्रोफेसर सेन यह सम्मान प्राप्त करने वाले पहले भारतीय विज्ञानी बन गए हैं। यहां यह बता दें कि भौतिक विज्ञान के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए उन्हें देश में पद्मश्री और पद्म भूषण से नवाजा जा चुका है। अशोक सेन बैंगलुरु स्थित इंटरनेशनल सेंटर फॉर थियोरिटिकल साइंसेज (आईसीटीएस) टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च (टीआईएफआर) में इन्फोसिस माधवा चेयर प्रोफेसर है। सेन ने 22 अक्टूबर को स्वीडिश वैज्ञानिक ऑस्कर क्लेन की स्मृति में स्टॉकहोम विश्वविद्यालय में आयोजित "ऑस्कर क्लेन मेमोरियल लेक्चर" में व्याख्यान दिया। उनके व्याख्यान का विषय 'ग्रेविटी फ्रॉम स्ट्रिंग्स फ्राम ग्रेविटी' रहा। उन्होंने बताया कि कैसे स्ट्रिंग थ्योरी गुरुत्वाकर्षण के एक सुसंगत क्वांटम सिद्धांत से जुड़ी अनसुलझी पहेलियों को सुलझाने में मदद करती है। व्याख्यान के बाद स्टॉकहोम यूनिवर्सिटी और रॉयल स्वीडिश एकेडमी ऑफ साइंस की 'नोबेल कमेटी फॉर फिजिक्स' द्वारा उन्हें ऑस्कर क्लेन से सम्मानित किया गया। यहां यह उल्लेखनीय है कि प्रो. सेन को आधुनिक 'स्ट्रिंग थ्योरी' के मुख्य रचनाकारों में से एक माना जाता है। यह सिद्धांत बताता है कि पदार्थ के मूल घटक बिंदु जैसे कण नहीं बल्कि एक आयामी, धागे जैसी छोटी संरचनाएं हैं। इस तरह यह पदार्थ और उनके बीच काम करने वालों की एक एकीकृत व्याख्या पेश करने का प्रयास करता है। सेन को और भी सम्मान मिल चुके हैं। इनमें ब्रेकथ्रू प्राइज इन फंडामेंटल फिजिक्स, इसे विज्ञान का ऑस्कर भी कहा जाता है। 2012 में यह सम्मान मिला। एचके फिरोदिया पुरस्कार वर्ष 2015 में विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में उत्कृष्टता के लिए यह सम्मान मिला। डिरेक मेडल वर्ष 2014 में प्रोफेसर सेन ने इंटरनेशनल सेंटर फॉर थ्योरिटिकल फिजिक्स द्वारा दिया जाने वाला बेहद प्रतिष्ठित सम्मान प्राप्त किया आदि। भारतीय भौतिक विज्ञानी ऑस्कर सेन को दिया गया वर्ष 2026 का ऑस्कर क्लेन पद भारतीय विज्ञान के लिए ऐतिहासिक अवसर है। विज्ञान की दुनिया में इस सम्मान को नोबेल तुल्य माना जाता है। साल 1988 में इसकी शुरुआत प्रसिद्ध भौतिक विज्ञानी ऑस्कर क्लेन के नाम से हुई थी और यह पदक पाना कोई मामूली बात नहीं है। यह पदक स्टॉकहोम विश्वविद्यालय और रॉयल स्वीडिश एकेडमी ऑफ साइंसेज की नोबेल कमेटी फॉर फिजिक्स द्वारा प्रतिवर्ष दिया जाता है। यह सम्मान स्टीफन हाकिंग को मिल चुका है और इसे प्राप्त करने वाले पहले भारतीय वैज्ञानिक है। आमतौर पर भारत छोड़ चुके वैज्ञानिकों को ही कामयाब होते देखा जाता है। धारणा यह भी है कि भारत में रहकर शोध आविष्कार संभव नहीं है। खुद विदेश में जा बसे वैज्ञानिक यह प्रचार करते हैं कि भारत में रहकर वैज्ञानिक कार्य असंभव है। पर ऐसे तमाम वैज्ञानिकों के लिए अशोक सेन का माकूल जवाब है। जी हां भारत में रहकर भी विज्ञान पर काम किया जा सकता है। विदेश जाने के मौके अशोक सेन को भी खूब मिले। पर उन्होंने अपने देश में रहकर सेवा करना स्वीकार किया और उनकी तपस्या साकार हुई। बैंगलुरु स्थित अंतरराष्ट्रीय सैधांतिक विज्ञान केंद्र (आईसीटीएस) के प्रोफेसर अशोक सेन ने यह सिद्ध करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है कि पांच स्ट्रिंग सिद्धांत के विभिन्न विवरण हो सकते हैं। यहां यह बता दें कि अशोक सेन ने 22 अक्टूबर को स्टॉकहोम में स्ट्रिंग से गुरुत्वाकर्षण और गुरुत्वाकर्षण से स्ट्रिंग शीर्षक पर शानदार व्याख्यान से भौतिकी की दुनिया को चकित किया है। उसके बाद ही उन्हें यह सम्मान प्राप्त हुआ है। उन्होंने बताया कि उनकी खोज की वजह से कैसे गुरुत्वाकर्षण की व्याख्या हो सकती है और कैसे ब्लैक होल से संबंधित प्रश्नों के उत्तर देने में मदद मिल सकती है। असली चुनौती स्ट्रिंग सिद्धांत के भीतर एक ऐसा समाधान खोजाना है, जो प्रकृति में देखे गए कणों से मेल खाता हो। इस दिशा में अशोक सेन की कामयाबी बहुत मायने रखती है। उनका यह अध्ययन कणों से आगे जाकर स्ट्रिंग को देखता है। वह मानते हैं कि एक स्ट्रिंग के विभिन्न कंपन अलग-अलग कणों के रूप में दिखाई दे सकते हैं। भौतिकी की दुनिया में अशोक सेन की दिखाई दिशा में अनेक वैज्ञानिक शोध अध्ययन में लगे हुए हैं। कोई दो राय नहीं, एक भारतीय वैज्ञानिक की इस अहम खोज और संघर्ष को आसानी से स्वीकार नहीं किया गया है। वह करीब तीन दशक से भौतिकी को आगे बढ़ाने में लगे हैं और ऐसा कतई नहीं है कि उनके योगदान को भारत में स्वीकार करने में देरी हुई है। यहां यह उल्लेखनीय है कि उन्हें साल 2001 में ही पद्मश्री और 2013 में पद्म भूषण से सम्मानित किया गया। उनके कठिन शोध प्रयासों को भारत में पहले ही सम्मान की नजर से देखा जा रहा है। और अब दुनियाभर में उनके प्रयासों को सराहना मिलेगी। वह आज भी स्ट्रिंग सिद्धांत के विकास और सत्यापन में लगे हैं और पूरे भारतीय विज्ञान के लिए प्रेरणा बन गए हैं। वे बचपन में गणित में माहिर थे और बाद में भौतिकी पढ़ाने वाले पिता से प्रेरित हुए। युवा होने पर उन्होंने सत्येन्द्रनाथ बोस और मेघनाद साहा से प्रेरणा ग्रहण की। अमेरिका में उच्च अध्ययन के बाद उन्होंने भारत में सेवा का मार्ग चुना। यह भी गर्व की बात है कि वह प्रयागराज के हरीश चन्द्र अनुसंधान संस्थान में कई वर्ष रहे हैं और वहीं रहते हुए उन्होंने ज्यादातर शोध को अंजाम दिया है। नि:संदेह, अपने देश को अनेक अशोक सेन चाहिए।

भौतिकी की दुनिया में अशोक सेन की दिखाई दिशा में अनेक वैज्ञानिक शोध-अध्ययन में लगे हुए हैं



कपड़द्वारा में पुत्र की नियुक्ति-3

ईशान बाबू की एक भतीजी गुजर गई और 14 अगस्त को वे ग्लांसी और पण्डित गोकर्णनाथ से मिलने नहीं जा सके। उन्होंने एक छोटे से पत्र में अपनी असमर्थता प्रकट की तो ग्लांसी ने भी उन्हें लिख भेजाः

"आपके पत्र के लिए धन्यवाद। आपकी भतीजी की मृत्यु की बात सुनकर मुझे बड़ा दुःख हुआ। अब अपनी बातचीत आगे किसी और अनुकूल अवसर पर हो सकेगी। आपको यह जानकर खुशी होगी कि पण्डित गोकर्णनाथ मिश्रा कपड़द्वारे के मुकदमे के सम्बन्ध में पहले से कहीं अधिक आशावाद लेकर लौटे हैं। वे अब यह मानते हैं कि हम सभी आरोपों को सिद्ध करने में सफल होंगे।"

जिन पत्रों के आधार पर यह कहानी चल रही है, उनमें यद्यपि ऐसा कोई कागज नहीं है, फिर भी लगता है कि सतकोड़ी मुकर्जी को ग्लांसी से अगले कुछ दिनों बाद मुलाकात होने पर कपड़द्वारा का काम संभला दिया गया। सतकोडी मुकर्जी बी.ए. थे और अपने पिता के काम-काज में पूरा हाथ बंटाने के कारण कण्डद्वारा के मामलों को वे बहुत अच्छी तरह समझ-बूझ चुके थे। अगले कुछ दिनों में चुन्नीलाल घेवरचंद फर्म के सुगनचन्द को बम्बई से जयपुर बुलाने और उसके बयान कलमबन्द कराने के लिए पं. गोकर्णनाथ ने सतकोड़ी बाबू को ही ताकीद की थी। इससे उनकी नियुक्ति हो जाने का ही आभास मिलता है।

स्वतंत्र भारत में रंगदारी किसी कलंक से कम नहीं



■ नफीस आफरीदी

सिनेमा के पर्दे पर जब टाइगर श्रॉफ दर्जनों दुश्मनों से अकेले मुकाबला करते हैं, तो दर्शक उनकी फुर्ती, साहस और मार्शल आर्ट के करतबों पर तालियाँ बजाते हैं। लेकिन वास्तविक जीवन में किसी अभिनेता की गाड़ी पर गोलियाँ चलने की घटना किसी फिल्म का रोमांचक दृश्य नहीं, बल्कि कानून-व्यवस्था के सामने खड़ा एक गंभीर सवाल है। पर्दे का नायक अपनी भूमिका निभाकर घर लौट सकता है, लेकिन वास्तविक दुनिया में अपराध की बंदूक किसी पटकथा के निर्देशों पर नहीं चलती।मुंबई के जुहू इलाके में 18 अक्टूबर को टाइगर श्रॉफ की गाड़ी पर हुई गोलीबारी ने फिल्म उद्योग में सुरक्षा को लेकर नई चिंता पैदा कर दी है। अभिनेता सुरक्षित रहे, लेकिन इस घटना में उनके चालक सहित दो लोग घायल हुए। पुलिस ने कोटा में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया और जाँच का दायरा बढ़ाया। इस घटना के बाद सलमान खान, आमिर खान और फिल्म निर्माता रोहित शेट्टी सहित कुछ अन्य फिल्मी हस्तियों की सुरक्षा भी बढ़ाई गई। इंडियन एक्सप्रेस, 20 अक्टूबर 2026 की रिपोर्ट के अनुसार, पुलिस इस हमले के पीछे संभावित रंगदारी और संगठित गिरोह की भूमिका की जाँच कर रही है। यह घटना इसलिए भी चिंताजनक है कि फिल्मी दुनिया में धमकियों, कथित वसूली और गोलीबारी की खबरें एक-दूसरे से कुछ ही समय के अंतराल पर सामने आ रही हैं। सवाल है कि क्या अपराधी अब केवल पैसे वसूलने के लिए सितारों को निशाना बनाते हैं, या किसी बड़े आपराधिक नेटवर्क की ताकत का प्रदर्शन करने के लिए भी ऐसी घटनाओं का इस्तेमाल किया जा रहा है?

मुंबई के अंडरवर्ल्ड का इतिहास बताता है कि फिल्म उद्योग लंबे समय तक आपराधिक गिरोहों के दबाव से जूझता रहा है। पिछली सदी के अंतिम दशकों में फिल्म निर्माताओं, वितरकों, फाइनेंसरों और अभिनेताओं को धमकाने तथा कथित संरक्षण राशि वसूलने की घटनाएँ सामने आती थीं। कुछ मामलों में हिंसक हमलों ने पूरे उद्योग को भयभीत कर दिया था।उस दौर में फिल्म निर्माण के लिए वित्तीय संसाधनों की व्यवस्था और अनौपचारिक वित्तपोषण की भूमिका भी चर्चा में रही। बाद के वर्षों में औपचारिक बैंकिंग और संस्थागत वित्तपोषण का विस्तार हुआ। फिर भी संगठित अपराध का खतरा पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ।

आज की घटनाओं में एक नया पहलू दिखाई देता है। किसी अभिनेता को धमकी देना, उसके घर के बाहर गोली चलाना या सोशल मीडिया पर हमले की जिम्मेदारी लेने का दावा करना अपराधियों को व्यापक प्रचार दिला सकता है। यदि इस प्रचार का इस्तेमाल दूसरे लोगों को डराने या कथित वसूली के लिए किया जाता है, तो अपराध का प्रभाव उस एक घटना तक सीमित नहीं रहता।

टाइम्स ऑफ इंडिया, 20 अक्टूबर 2026 की रिपोर्ट में पुलिस अधिकारियों के हवाले से यह संभावना व्यक्त की गई कि फिल्मी हस्तियों को निशाना बनाकर गिरोह अपनी पहुँच और प्रभाव का प्रदर्शन करना चाहते हैं। हालाँकि, किसी खास घटना का वास्तविक उद्देश्य जाँच और न्यायिक प्रक्रिया से ही स्पष्ट होगा। सोशल मीडिया पर जिम्मेदारी लेने वाला संदेश अपने आप में अपराधी की पहचान या उसके पूरे नेटवर्क की संलिप्तता का निर्णायक प्रमाण नहीं है।

लचर क़ानून व्यवस्था है इसके लिए उत्तरदायी

सलमान खान को लंबे समय से धमकियाँ मिलने और अप्रैल 2024 में उनके बांद्रा स्थित आवास के बाहर गोलीबारी की घटना के बाद उनकी सुरक्षा पर विशेष ध्यान दिया गया। फरवरी 2026 में फिल्म निर्माता रोहित शेट्टी के आवास के बाहर गोलीबारी की खबर आई। इसी वर्ष रणवीर सिंह से जुड़े एक कथित रंगदारी मामले में 10 करोड़ की माँग किए जाने की खबर भी प्रकाशित हुई। आमिर खान के संबंध में भी धमकी भरे संदेशों की जाँच की खबरें सामने आई हैं।इन घटनाओं की प्रकृति और जाँच की स्थिति अलग-अलग है। इसलिए सभी मामलों को एक ही आपराधिक साजिश का हिस्सा घोषित करना उचित नहीं होगा। फिर भी इन घटनाओं की श्रृंखला फिल्म उद्योग के लिए एक वास्तविक सुरक्षा चुनौती की ओर संकेत करती है।

जब किसी चर्चित अभिनेता को धमकी मिलती है, तो उसका असर उसके परिवार, सहयोगियों, कर्मचारियों, फिल्म निर्माण से जुड़े लोगों और सार्वजनिक आयोजनों पर भी पड़ता है। किसी सितारे की लोकप्रियता उसे आर्थिक रूप से सफल बना सकती है, लेकिन वही लोकप्रियता उसे अपराधियों की नजर में प्रचार पाने का माध्यम भी बना सकती है। टाइगर श्रॉफ पर हमले के मामले में गिरफ्तार किए गए आरोपियों के संबंध में पुलिस ने बताया कि उन्हें पैसे और विदेश में बसने के वादे का लालच दिया गया था। इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के अनुसार, पुलिस इस बात की जाँच कर रही है कि स्थानीय स्तर पर युवाओं की भर्ती करके उन्हें दूसरे शहरों में हमलों के लिए कैसे इस्तेमाल किया गया।

यदि जाँच में ऐसे नेटवर्क की पुष्टि होती है, तो यह समस्या केवल फिल्म उद्योग तक सीमित नहीं रहेगी। यह बेरोजगारी, आसान पैसे के लालच, आपराधिक नेटवर्क की भर्ती और अंतरराज्यीय समन्वय जैसे सवालों को भी सामने लाएगी।

किसी युवा को थोड़े से पैसे के बदले गोली चलाने के लिए तैयार कर लेना अपराध की उस व्यवस्था का संकेत है, जिसमें असली संचालक पर्दे के पीछे रह सकते हैं और हिंसा करने वाले लोग गिरफ्तारी तथा सजा का जोखिम उठाते हैं। लेकिन इस मामले में किसकी क्या भूमिका थी, इसका निर्णय साक्ष्यों और न्यायिक प्रक्रिया के आधार पर ही होना चाहिए। टाइगर श्रॉफ की घटना के बाद सुरक्षा बढ़ाना तत्काल आवश्यक कदम है। लेकिन हर घटना के बाद कुछ दिनों तक अतिरिक्त पुलिस तैनात कर देना स्थायी समाधान नहीं हो सकता। जरूरी है कि धमकी देने वालों, हथियार उपलब्ध कराने वालों, हमले की योजना बनाने वालों और कथित रंगदारी के पीछे मौजूद वित्तीय नेटवर्क की भी जाँच हो।

पुलिस और केंद्रीय एजेंसियों के बीच समन्वय, डिजिटल साक्ष्यों का वैज्ञानिक विश्लेषण, हथियारों की आपूर्ति पर नियंत्रण और दूसरे राज्यों में सक्रिय सहयोगियों की पहचान इस दिशा में महत्त्वपूर्ण हैं। यदि किसी गिरोह के विदेश में बैठे संचालकों की संलिप्तता के प्रमाण मिलते हैं, तो कानूनी प्रक्रियाओं के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय सहयोग भी जरूरी हो सकता है। फिल्म उद्योग के संगठनों को भी धमकी मिलने पर शिकायत दर्ज कराने, कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और पुलिस के साथ समन्वय बनाए रखने की व्यवस्था विकसित करनी चाहिए। सुरक्षा के उपाय केवल प्रसिद्ध अभिनेताओं तक सीमित न रहें; फिल्म तकनीशियनों, छोटे कलाकारों, निर्माताओं और अन्य कर्मचारियों की शिकायतों को भी गंभीरता से लिया जाना चाहिए।

भारत में प्रत्येक नागरिक को सुरक्षा और कानून के संरक्षण का अधिकार है। किसी अभिनेता की लोकप्रियता उसे विशेष सुरक्षा की आवश्यकता में ला सकती है, लेकिन सुरक्षा का सिद्धांत केवल प्रसिद्धि या संपन्नता पर आधारित नहीं होना चाहिए। आम व्यापारी, जमीन मालिक, डॉक्टर, कारोबारी और छोटे उद्यमी भी रंगदारी तथा धमकियों से प्रभावित हो सकते हैं।फिल्मी सितारों से जुड़ी घटनाएँ इसलिए अधिक सुर्खियाँ बटोरती हैं क्योंकि उनका प्रभाव व्यापक होता है। लेकिन देश के विभिन्न हिस्सों में छोटे कारोबारियों और संपत्ति मालिकों को मिलने वाली धमकियाँ भी उतनी ही गंभीर हैं। यदि किसी व्यक्ति को अपनी मेहनत की कमाई बचाने के लिए अपराधियों की माँग स्वीकार करनी पड़े, तो यह कानून के शासन की विफलता का संकेत है।रंगदारी के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई का अर्थ केवल कुछ आरोपियों को गिरफ्तार करना नहीं, बल्कि पूरे आपराधिक नेटवर्क को साक्ष्यों के आधार पर उजागर करना, पीड़ितों की सुरक्षा करना और मामलों का समयबद्ध निपटारा सुनिश्चित करना है। साथ ही, आरोपियों के अधिकारों और निष्पक्ष सुनवाई की रक्षा भी न्याय-व्यवस्था का अनिवार्य हिस्सा है। सवाल यह है कि आखिर कब तक चलेगा भय का यह कारोबार? टाइगर श्रॉफ पर गोलीबारी ने एक बार फिर याद दिलाया है कि लोकप्रियता, संपन्नता और सार्वजनिक पहचान किसी व्यक्ति को अपराध से स्वतः सुरक्षित नहीं बनाती। जिस फिल्म उद्योग ने दुनिया भर में भारतीय सिनेमा को पहचान दिलाई है, उसके लोगों को यदि अपनी सुरक्षा को लेकर लगातार चिंतित रहना पड़े, तो इस समस्या को सामान्य आपराधिक घटना मानकर टाला नहीं जा सकता।

यह भी ध्यान रखना होगा कि किसी गिरोह का नाम लेकर धमकी देने वाला हर व्यक्ति वास्तव में उसी गिरोह का सदस्य हो, यह जरूरी नहीं। अपराधी कभी-कभी बड़े नामों का इस्तेमाल करके भय पैदा करने की कोशिश भी कर सकते हैं। इसलिए जाँच का आधार सोशल मीडिया के दावे नहीं, बल्कि प्रमाण होने चाहिए। स्वतंत्र भारत में किसी की मेहनत की कमाई पर रंगदारों का अधिकार नहीं हो सकता। न किसी अभिनेता को धमकी देकर पैसे वसूले जा सकते हैं, न किसी व्यापारी को भयभीत करके उसका कारोबार चलाया जा सकता है और न किसी संपत्ति मालिक को जबरन उसके अधिकार से वंचित किया जा सकता है। लोकतंत्र में कानून की ताकत बंदूक की नली से नहीं, उसकी निष्पक्षता, विश्वसनीयता और प्रभावी कार्रवाई से मापी जाती है। अपराधियों को यह संदेश स्पष्ट रूप से मिलना चाहिए कि धमकी, गोलीबारी और रंगदारी के सहारे वे न तो स्थायी प्रभाव कायम कर सकते हैं और न कानून से बच सकते हैं। सवाल टाइगर श्रॉफ की सुरक्षा का ही नहीं, उस व्यवस्था की विश्वसनीयता का भी है जिसमें किसी नागरिक को अपनी जान, आजादी और मेहनत की कमाई बचाने के लिए अपराधियों के सामने झुकना न पड़े।

(लेखक के निजी विचार है)

व्रत से परे करवा चौथ :

प्रेम, परवाह और साझेदारी का पर्व



■ योगेश कुमार गोयल

करवा चौथ पर्व का भारत की गौरवशाली संस्कृति में विशेष महत्व है क्योंकि विवाहित महिलाएं अपने पति की लंबी उम्र के लिए पूरे दिन व्रत रखती हैं और रात को चांद देखकर पति के हाथ से जल पीकर व्रत खोलती हैं। भारतीय समाज में वैसे तो महिलाएं विभिन्न अवसरों पर अनेक व्रत रखती हैं लेकिन पति को परमेश्वर मानने वाली नारी के लिए इन सभी व्रतों में सबसे अहम स्थान रखता है 'करवा चौथ' व्रत, जो 29 अक्तूबर को मनाया जा रहा है। पति की दीर्घायु, स्वास्थ्य, सुख-समृद्धि, ऐश्वर्य तथा सौभाग्य के साथ-साथ जीवन के हर क्षेत्र में उसकी सफलता की कामना से सुहागिन महिलाओं द्वारा कार्तिक कृष्ण पक्ष की चतुर्थी को रखा जाने वाला यह व्रत अन्य सभी व्रतों से कठिन माना जाता है, जो सुहागिनों का सबसे बड़ा व्रत एवं त्यौहार है। महिलाएं अन्न-जल ग्रहण किए बिना अपार श्रद्धा के साथ यह व्रत रखती हैं तथा रात्रि को चन्द्रमा के दर्शन करके अर्घ्य देने के बाद ही व्रत खोलती हैं। यही वजह है कि अखण्ड सुहाग का प्रतीक यह व्रत अन्य सभी व्रतों के मुकाबले काफी कठिन माना जाता है।

कहा जाता है कि इस व्रत के समान सौभाग्यदायक अन्य कोई व्रत नहीं है और सुहागिनें यह व्रत 12-16 वर्ष तक हर साल निरन्तर करती हैं, उसके बाद वे चाहें तो इसका उद्यापन कर सकती हैं अन्यथा आजीवन भी यह व्रत कर सकती हैं। आजकल तो कुछ पुरूष भी पूरे दिन का उपवास रखकर पत्नी के इस कठिन तप में उनके सहभागी बनते हैं। दिनभर उपवास करने के बाद शाम को सुहागिनें करवा की कथा सुनती व कहती हैं तथा चन्द्रोदय के बाद चन्द्रमा को अर्घ्य देकर अपने सुहाग की दीर्घायु की कामना कर प्रण करती हैं कि वे जीवन पर्यन्त अपने पति के प्रति तन, मन, वचन एवं कर्म से समर्पित रहेंगी। पूजा-पाठ के बाद सुहागिनें अपनी सास के चरण स्पर्श कर उनसे सौभाग्यवती होने का आशीर्वाद प्राप्त करती हैं।

करवा चौथ पर्व के संबंध में वैसे तो कई कथाएं प्रचलित हैं लेकिन सभी कथाओं का सार पति की दीर्घायु और सौभाग्यवृद्धि से ही जुड़ा है। विभिन्न पौराणिक कथाओं के अनुसार 'करवा चौथ' व्रत का उद्गम उस समय हुआ था, जब देवों व दानवों के बीच भयंकर युद्ध चल रहा था और युद्ध में देवता परास्त होते नजर आ रहे थे। तब देवताओं ने ब्रह्माजी से इसका कोई उपाय करने की प्रार्थना की और ब्रह्मा जी ने उन्हें सलाह दी कि अगर सभी देवों की पत्नियां सच्चे एवं पवित्र हृदय से अपने पति की जीत के लिए प्रार्थना एवं उपवास करें तो देवता दैत्यों को परास्त करने में अवश्य सफल होंगे। ब्रह्मा जी की सलाह पर समस्त देव पत्नियों ने कार्तिक मास की कृष्ण पक्ष की चतुर्थी को यह व्रत किया और रात्रि के समय चन्द्रोदय से पहले ही देवता दैत्यों से युद्ध जीत गए। तब चन्द्रोदय के पश्चात् दिनभर की भूखी-प्यासी देव पत्नियों ने अपना-अपना व्रत खोला। ऐसी मान्यता है कि तभी से इसी दिन करवा चौथ का व्रत किए जाने की परम्परा शुरू हुई।

करवा चौथ के व्रत के संबंध में अनेक प्रचलित कथाओं में से एक महाभारत काल से जुड़ी है। कहा जाता है कि एक बार धनुर्धारी अर्जुन तप करने के उद्देश्य से नीलगिरी पर्वत पर गए तो द्रोपदी बहुत चिंतित हुई। उसने विचार किया कि यहां हर समय कोई न कोई संकट आता ही रहता है, इसलिए अर्जुन की अनुपस्थिति में इन संकटों से बचने के लिए क्या उपाय किया जाए? तब द्रोपदी ने भगवान श्रीकृष्ण का स्मरण किया और श्रीकृष्ण को अपने मन की व्यथा बताई। द्रोपदी की बात सुनकर भगवान श्रीकृष्ण ने कहा कि पार्वती देवी ने भी एक बार भगवान शिव से बिल्कुल यही प्रश्न किया था और तब भगवान शिव ने उन्हें कहा था कि करवा चौथ का व्रत गृहस्थी में आने वाली तमाम छोटी-बड़ी बाधाओं को दूर करता है। द्रोपदी ने श्रीकृष्ण से करवा चौथ के व्रत के संबंध में विस्तार से बताने का आग्रह किया तो श्रीकृष्ण ने द्रोपदी को इस व्रत के महत्व को दर्शाती कथा सुनानी आरंभ की।

इस पर्व की शुरूआत एक बहुत अच्छे विचार पर आधारित थी मगर समय के साथ इस पर्व का मूल विचार और परिदृश्य बदल रहा है। पौराणिक कथाओं के अनुसार इस व्रत का फल तभी है, जब यह व्रत करने वाली महिला भूलवश भी झूठ, कपट, निंदा, अभिमान न करे। इस व्रत से जहां पति के प्रति पत्नी की निष्ठा एवं समर्पण भाव परिलक्षित होता है, वहीं यह पर्व दाम्पत्य जीवन में आपसी विश्वास और भरोसे को मजबूत करने तथा संबंधों में मधुरता घोलने का त्यौहार है। सही मायने में करवा चौथ दाम्पत्य जीवन में एक-दूसरे के प्रति समर्पण का अनूठा पर्व है।

भगवान श्रीकृष्ण ने बताया कि इन्द्रप्रस्थ नगरी में वेद नामक एक धर्मपरायण ब्राह्मण के सात पुत्र व एक पुत्री थी। विवाह के बाद जब पुत्री पहली करवा चौथ पर मायके आई तो उसने मायके में ही करवा चौथ का व्रत रखा लेकिन चन्द्रोदय से पूर्व ही उसे भूख सताने लगी तो अपनी लाड़ली बहन की यह वेदना भाईयों से देखी न गई। उन्होंने बहन से व्रत खोलने का आग्रह किया पर वह इसके लिए तैयार न हुई। तब भाईयों ने मिलकर एक योजना बनाई। उन्होंने एक पीपल के वृक्ष की ओट में प्रकाश करके बहन को कहा कि देखो चन्द्रमा निकल आया है। बहन भोली थी, इसलिए भाईयों की बात पर विश्वास करके उसने उस प्रकाश को ही चन्द्रमा मानकर उसे ही अर्घ्य देकर व्रत खोल लिया लेकिन जब अगले दिन वह ससुराल पहुंची तो पति को बहुत बीमार पाया। दिन ब दिन पति की बीमारी बढ़ती गई और सारी जमा पूंजी पति की बीमारी में ही लग गई तो उसने मंदिर में जाकर गणेश जी की स्तुति करनी शुरू की। उसकी प्रार्थना पर प्रसन्न होकर गणेश ने उसके समक्ष प्रकट होकर कहा कि तुमने करवा चौथ का व्रत पूरे विधि विधान से नहीं किया, इसीलिए तुम्हारे पति की यह दशा हुई है। यदि तुम यह व्रत पूरे विधि विधान एवं निष्ठा के साथ करो तो तुम्हारा पति पूरी तरह ठीक हो जाएगा। उसके बाद उसने करवा चौथ का व्रत पूरे विधि विधान के साथ किया और इसके प्रभाव से उसका पति ठीक हो गया।

यह कथा सुनाने के बाद भगवान श्रीकृष्ण ने द्रोपदी से कहा कि यदि तुम भी इसी प्रकार विधिपूर्वक सच्चे मन से करवा चौथ का व्रत करो तो तुम्हारे समस्त संकट अपने आप दूर हो जाएंगे। तब द्रोपदी ने करवा चौथ का व्रत रखा और उसके व्रत के प्रभाव से महाभारत के युद्ध में पांडवों की विजय हुई। अतः करवा चौथ के व्रत के उद्गम को इस प्रसंग से भी जोड़कर देखा जाता है और कहा जाता है कि इसी के बाद सुहागिनें 'करवा चौथ' व्रत रखने लगी। इस पर्व से संबंधित और भी कई कथाएं प्रचलित हैं, जिनमें सत्यवान और सावित्री की कहानी तथा करवा नामक एक धोबिन की कहानी भी बहुत प्रसिद्ध हैं।

इस पर्व की शुरूआत एक बहुत अच्छे विचार पर आधारित थी मगर समय के साथ इस पर्व का मूल विचार और परिदृश्य बदल रहा है। पौराणिक कथाओं के अनुसार इस व्रत का फल तभी है, जब यह व्रत करने वाली महिला भूलवश भी झूठ, कपट, निंदा, अभिमान न करे। इस व्रत से जहां पति के प्रति पत्नी की निष्ठा एवं समर्पण भाव परिलक्षित होता है, वहीं यह पर्व दाम्पत्य जीवन में आपसी विश्वास और भरोसे को मजबूत करने तथा संबंधों में मधुरता घोलने का त्यौहार है। सही मायने में करवा चौथ दाम्पत्य जीवन में एक-दूसरे के प्रति समर्पण का अनूठा पर्व है।

(लेखक के निजी विचार है)

नारी शक्ति की आस्था, प्रेम और समर्पण का जीवंत प्रतीक है करवा चौथ



■ बाल मुकुन्द ओझा

भारत की सामाजिक और सांस्कृतिक परंपराओं में करवा चौथ एक ऐसा महत्वपूर्ण पर्व है जो नारी शक्ति की आस्था, प्रेम और समर्पण का जीवंत प्रतीक माना जाता है। करवा चौथ केवल एक त्योहार नहीं है बल्कि यह पति-पत्नी के बीच के प्यार, विश्वास और समर्पण का प्रतीक भी है। यह दिन हर सुहागिन के लिए खास होता है, जब वे अपने पति की लंबी उम्र और सुखी जीवन के लिए व्रत रखती हैं। करवा चौथ दो शब्दों से मिलाकर बना है। करवा यानी मिट्टी का बर्तन और चौथ यानि चतुर्थी। इस पूजा में मिट्टी के बर्तन करवे का विशेष महत्व होता है। सुहागिनों का सबसे खास पर्व करवा चौथ का त्योहार कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी को मनाया जाता है। करवा चौथ पर्व इस साल 29 अक्टूबर, गुरुवार को है। पंचांग के अनुसार चतुर्थी तिथि 29 अक्टूबर की शुरुआत में रात 1 बजकर 6 मिनट पर लगेगी और उसी दिन रात 10 बजकर 9 मिनट तक रहेगी। इस दिन पूजा का शुभ मुहूर्त शाम 5:38 से 6:56 बजे तक है। इस दौरान महिलाएं देवी-देवताओं की पूजा और व्रत की पूरी विधि संपन्न करती हैं। करवा चौथ से पहले महिलाएं अपने घरों की सफाई और सजावट करती हैं। इस दिन वे विशेष रूप से श्रृंगार करती हैं, जैसे साड़ी या लहंगा पहनना, मेहंदी लगाना और बिंदी, चूड़ियां, सिंदूर आदि पहनकर सोलह श्रृंगार करती हैं। यह व्रत सूर्योदय से पहले सरगी (भोजन) खाने के साथ शुरू होता है, जिसे सास अपनी बहू को देती है। इसके बाद महिलाएं दिनभर बिना पानी पिए और बिना भोजन किए व्रत रखती हैं। इस दिन महिलाएं रात को चांद देखकर उसे अर्घ्य देकर व्रत खोलती हैं। इस व्रत की शुरुआत सावित्री के त्याग और फल से हुई थी। पौराणिक कथा के अनुसार सावित्री अन्न जल त्याग कर यमराज से अपने पति को वापस लाई थी। यह व्रत सुबह सूर्योदय से पहले करीब 4 बजे के बाद शुरू होकर रात में चंद्रमा दर्शन के बाद संपूर्ण होता है। यह व्रत अच्छे गृहस्थ जीवन के लिए काफी महत्वपूर्ण माना जाता है। स्त्री किसी भी आयु, जाति, वर्ण, संप्रदाय की हो, सबको इस व्रत को करने का अधिकार है। इस दिन महिलाएं सोलह श्रृंगार करती हैं। सोलह श्रृंगार में माथे पर लंबी सिंदूर अवश्य हो क्योंकि यह पति की लंबी उम्र का प्रतीक है। मंगलसूत्र, मांग टीका, बिंदिया, काजल, नथनी, कर्णफूल, मेहंदी, कंगन, लाल रंग की चुनरी, बिछिया, पायल, कमरबंद, अंगूठी, बाजूबंद और गजरा ये 16 श्रृंगार में आते हैं। इस दिन सुहागिन स्त्रियां निर्जल व्रत कर चौथ माता से अपने पति की लम्बी उम्र की कामना करती है।

इस व्रत को उत्तर भारत में बहुत धूमधाम से मनाया जाता है। व्रत में चौथ माता के पूजन का महत्व सर्वाधिक है। इस दिन महिलाएं सजी थाली से पूजा करना शुभ मानती हैं। करवा चौथ के व्रत में चौथ माता की पूजा करना जरूरी होता है। थाली में सिंदूर, रोली, जल और सूखे मेवे रखते हैं। करवा चौथ के व्रत और पूजा में इस थाली का खासा महत्व होता है। इसलिए कुछ महिलाएं खुद भी ये थाली सजाती हैं। करवा चौथ पर भगवान शिव, माता पार्वती और भगवान गणेश की पूजा होती है। इस पूजा में शाम को सभी व्रती महिलाएं एक साथ बैठकर व्रत कथा कहती हैं। सबसे पहले चौथ माता की स्थापित मूर्ती पर फूल-माला और कलावा चढाया जाता है और उनके प्रतिमा के आगे करवा में जल भर कर रखा जाता है।

करवा चौथ के दिन चंद्रमा उदय होने का समय सभी महिलाओं के लिए बहुत महत्व का है क्योंकि वे अपने पति की लम्बी उम्र के लिये पूरे दिन (बिना पानी के) व्रत रखती हैं। वे केवल उगते हुये पूरे चाँद को देखने के बाद ही पानी पीती हैं। यह माना जाता है कि चाँद देखे बिना व्रत अधूरा है। इस दिन महिला न कुछ खा सकती हैं और न पानी पी सकती हैं। इस दिन महिलाएं शिव, पावर्ती और कार्तिक की पूजा-अर्चना करती हैं फिर शाम को छलनी से चंद्रमा और पति को देखते हुए पूजा करती हैं। पूजा के समय ही करवा चौथ की कथा सुनी जाती है. चन्द्रमा को छलनी से देखा जाना चाहिए। फिर अंत में पति के हाथों से जल पीकर व्रत समाप्त हो जाता है अंत में चांद का दीदार करने के बाद महिलाएं पति के हाथों पानी पीकर अपना व्रत तोड़ती हैं।

(लेखक के निजी विचार है)

जियो ने शेयर बाजार में आते ही रिलायंस को बनाया देश का सबसे बड़ा कारोबारी समूह

मुंबई, समाचार जगत ब्यूरो। रिलायंस इंडस्ट्रीज की दूरसंचार इकाई जियो प्लेटफॉर्म्स के बुधवार को शेयर बाजारों में सूचीबद्ध होने के साथ ही रिलायंस देश का सबसे बड़ा कारोबारी समूह बना गया है।

जियो का शेयर 21 प्रतिशत से अधिक के प्रीमियम पर 1,358 रुपए पर सूचीबद्ध हुआ। इसके साथ ही रिलायंस समूह की सूचीबद्ध कंपनियों का कुल बाजार पूंजीकरण 28.9 लाख करोड़ रुपए पर पहुंच गया। इस गणना में जियो फाइनेंशियल सर्विसेज को शामिल नहीं किया गया है।

अकेले रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण 16.2 लाख करोड़ रुपए और जियो प्लेटफॉर्म्स का 12.5 लाख करोड़ रुपए है। टाटा समूह अब पहले से खिसककर दूसरे स्थान पर पहुंच गया है। उसका बाजार पूंजीकरण 25.6 लाख करोड़ रुपए हैं। अडानी समूह 16.6 लाख करोड़ रुपए के साथ तीसरे स्थान पर है।



जियो प्लेटफॉर्म्स के शेयरधारकों की संख्या भी देश में सबसे ज्यादा है। कंपनी के कुल 79.8 लाख शेयरधारक हैं। एनएसई में आज सुबह आयोजित पारंपरिक 'बेल-रिंगिंग' समारोह में एनएसई के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी आशीष कुमार चौहान, रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन एवं प्रबंधन निदेशक मुकेश अंबानी, जियो प्लेटफॉर्म्स के प्रबंध निदेशक आकाश अंबानी, कोकिला बेन अंबानी, नीता अंबानी, ईशा अंबानी और अनंत अंबानी भी मौजूद थे। जियो का प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम 21-23 अक्टूबर को आया था। कुल 30,213 करोड़ रुपए के देश से सबसे बड़े आईपीओ के लिए 22 गुना से अधिक बोली प्राप्त हुई थी।

जियो का शेयर 21 प्रतिशत प्रीमियम के साथ हुआ सूचीबद्ध

रिलायंस इंडस्ट्रीज की दूरसंचार इकाई जियो प्लेटफॉर्म्स का शेयर 21 प्रतिशत से अधिक प्रीमियम के साथ बुधवार को शेयर बाजार में सूचीबद्ध हो गया। इस अवसर पर एनएसई में आयोजित पारंपरिक 'बेल-रिंग' समारोह में एनएसई के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी आशीष कुमार चौहान, रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन एवं प्रबंधन निदेशक मुकेश अंबानी, जियो प्लेटफॉर्म्स के प्रबंध निदेशक आकाश अंबानी, कोकिला बेन अंबानी, श्रीमती नीता अंबानी, ईशा अंबानी और अनंत अंबानी भी मौजूद थे। आकाश अंबानी ने कहा कि आईपीओ में लोगों ने जैसी रुचि दिखाई वह हमारी उम्मीदों से कहीं अधिकर था। उन्होंने सभी घरेलू और वैश्विक निवेशकों को इसके लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि महज पहले 95 मिनट में ही जियो का आईपीओ 100 प्रतिशत सब्सक्राइब हो गया था। इसके लिए 7.5 लाख करोड़ रुपए की बोली मिली और 1.3 करोड़ से अधिक आवेदन आए। यह सब अभूतपूर्व था।

न्यूज गैलरी

ब्लू डार्ट ने 'इंटरनेशनल पार्सल कनेक्ट' सेवा शुरू की

जयपुर, समाचार जगत न्यूज। दक्षिण एशिया की प्रमुख एक्सप्रेस एयर एवं एकीकृत परिवहन और वितरण कंपनी, ब्लू डार्ट एक्सप्रेस लिमिटेड ने अपनी बिज़नेस-टू-कंज़्यूमर सीमा-पार पार्सल शिपिंग सेवा 'इंटरनेशनल पार्सल कनेक्ट' शुरू करने की घोषणा की। शुरुआत में यह सेवा भारत से संयुक्त राज्य अमेरिका भेजे जाने वाले पात्र शिपमेंट के लिए उपलब्ध होगी। इसे ई-कॉमर्स व्यवसायों, डायरेक्ट-टू-कंज़्यूमर ब्रांड्स, मार्केटप्लेस विक्रेताओं, लघु एवं मध्यम उद्यमों और उभरते निर्यातकों के लिए तैयार किया गया है, जो किफायती और विश्वसनीय तरीके से विदेशी ग्राहकों तक पहुंचना चाहते हैं। ब्लू डार्ट के प्रबंध निदेशक, बालफोर मैनुअल ने कहा कि वर्षों से हमारे ग्राहक अपनी अंतरराष्ट्रीय शिपिंग आवश्यकताओं के लिए ब्लू डार्ट की विश्वसनीय सेवाओं का विस्तार करने का अनुरोध करते रहे हैं।



इंटरनेशनल पार्सल कनेक्ट इसी आवश्यकता को पूरा करती है। ब्लू डार्ट के मुख्य वाणिज्यिक अधिकारी, दिपांजन बनर्जी ने कहा कि भारत से B2C ई-कॉमर्स निर्यात का वर्तमान अनुमान लगभग 2 अरब अमेरिकी डॉलर है, जो भारतीय व्यवसायों के लिए विदेशी ग्राहकों तक पहुंचने की संभावनाओं को दर्शाता है। कई विक्रेताओं के लिए अब तक प्रीमियम दरों वाली एक्सप्रेस डिलीवरी और कम लागत वाली डाक सेवाओं के बीच ही विकल्प उपलब्ध रहे हैं।

पारस हेल्थ देश के शीर्ष तीन मल्टीस्पेशियलिटी अस्पताल समूहों में शामिल

उदयपुर, समाचार जगत ब्यूरो। स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में प्रतिष्ठित समूह पारस हेल्थ ने टाइम्स नाउ हॉस्पिटल सर्वे 2026 की राष्ट्रीय रैंकिंग में संयुक्त रूप से तीसरा स्थान हासिल किया है। ऑल इंडिया टॉप ग्रुप ऑफ मल्टीस्पेशियलिटी हॉस्पिटल्स श्रेणी में मिली यह उपलब्धि समूह की स्वास्थ्य सेवाओं में महत्वपूर्ण उपस्थिति को दर्शाती है। रैंकिंग में अपोलो हॉस्पिटल्स पहले और फोर्टिस हेल्थकेयर दूसरे स्थान पर रहे।

मई से सितंबर 2026 के बीच रिसर्च एंड इनसाइट्स के सहयोग से आयोजित सर्वे में दस्तावेजी शोध, 1,500 से अधिक चिकित्सकों एवं विशेषज्ञों के साक्षात्कार, 2,000 से अधिक मरीजों और तीमारदारों से बातचीत तथा 1,950 से अधिक अस्पतालों एवं क्लीनिकों से प्राप्त प्रबंधन-अनुमोदित तथ्य-पत्र शामिल किए गए।

मूल्यांकन में चिकित्सकीय गुणवत्ता, बुनियादी ढांचे, मानव संसाधन, मान्यता, मरीजों की सुरक्षा तथा शैक्षणिक एवं शोध क्षमताओं को प्रमुख आधार बनाया गया। निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए चिकित्सकों को उन अस्पतालों की रेटिंग से अलग रखा गया, जिनसे उनका हालिया पेशेवर संबंध रहा था।

टीसीआई का राजस्व 14.8% बढ़कर 13,979 मिलियन रुपए हुआ

नई दिल्ली, समाचार जगत ब्यूरो। ट्रांसपोर्ट कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (टीसीआई) ने वित्त वर्ष 2027 की दूसरी तिमाही के वित्तीय नतीजे घोषित किए हैं। 30 सितंबर 2026 को समाप्त तिमाही में कंपनी का समेकित राजस्व 14.8 प्रतिशत बढ़कर 13,979 मिलियन रुपए रहा, जबकि पिछले वर्ष की समान अवधि में यह 12,174 मिलियन रुपए था। कंपनी का एबिटडा 8.3 प्रतिशत बढ़कर 1,759 मिलियन रुपए हो गया। वहीं, कर पश्चात लाभ (पीएटी) 3 प्रतिशत वृद्धि के साथ 1,169 मिलियन रुपए दर्ज किया गया। टीसीआई के प्रबंध निदेशक विनीत अग्रवाल ने कहा कि सड़क, रेल, तटीय परिवहन, वेयरहाउसिंग और टेक्नोलॉजी पर आधारित कंपनी का एकीकृत मॉडल मजबूत प्रदर्शन कर रहा है। उन्होंने 3PL, मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक्स और वेयरहाउसिंग में वृद्धि की संभावनाओं पर भी जोर दिया। कंपनी एआई, डिजिटल एकीकरण, ऑटोमेशन और ग्रीन लॉजिस्टिक्स में निवेश जारी रखेगी। त्योहारी मांग को देखते हुए टीसीआई को आगामी तिमाहियों में सकारात्मक संभावनाएं नजर आ रही हैं।



विभिन्न क्षेत्रों की 15 प्रमुख हस्तियों को मिला सम्मान

जयपुर में '15 इंडियाज सिग्नेचर्स' के साथ मना दीपावली का जश्न

जयपुर, समाचार जगत न्यूज। सफलता केवल मंजिल हासिल करने का नाम नहीं, बल्कि संघर्ष, निरंतर प्रयास, दूरदर्शिता और समाज के प्रति जिम्मेदारी निभाने का सफर भी है। इसी सोच को केंद्र में रखते हुए जयपुर में 'दिवाली सेलिब्रेशन विद 15 इंडियाज सिग्नेचर्स' कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

शुभ वेडिंग्स मैगजीन की ओर से राजन कायस्थ और आरती निर्वाण ने बताया कि इस विशेष समारोह में विभिन्न उद्योगों में अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित करने वाले 15 प्रमुख उद्यमियों, उद्योगपतियों और नेतृत्वकर्ताओं की उपलब्धियों को मंच प्रदान किया गया। कार्यक्रम में हिल्टन जयपुर के जनरल मैनेजर राहुल भगत; शाहपुरा होटल्स एंड रिसॉर्ट्स के चेयरमैन एवं फेडरेशन ऑफ हॉस्पिटैलिटी एंड टूरिज्म ऑफ राजस्थान (एफएचटीआर) के अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह शाहपुरा; फेडरेशन ऑफ राजस्थान ट्रेड एंड इंडस्ट्री (फोर्टी) के अध्यक्ष सुरेश अग्रवाल; सेवन स्काईज कैटरर्स एवं त्योहार से जुड़ी सीए अंजलि जैन; आर्टकारी के मैनेजिंग डायरेक्टर कृष्णा चौधरी; एस्थेरिया ग्रुप ऑफ होटल्स एंड रिसॉर्ट्स के संस्थापक एवं चेयरमैन डॉ. अजय शर्मा तथा सफारी ग्रुप ऑफ होटल्स के मैनेजिंग डायरेक्टर पवन गोयल की उपलब्धियों और अनुभवों को विशेष रूप से प्रस्तुत किया गया।



कल्याण मोटर्स ने बिंदायका में शुरू की नई महिंद्रा वर्कशॉप

जयपुर, समाचार जगत न्यूज। महिंद्रा एंड महिंद्रा के अधिकृत डीलर कल्याण मोटर्स ने अपने सेवा नेटवर्क का विस्तार करते हुए सिरसी रोड, बिंदायका, जयपुर में अपने तीसरे महिंद्रा ऑथराइज्ड सर्विस सेंटर का शुभारंभ किया।

भांकरोटा और पुरानी चुंगी, अजमेर रोड के बाद यह जयपुर में कल्याण मोटर्स का तीसरा महिंद्रा अधिकृत वर्कशॉप है। नवीन वर्कशॉप का उद्घाटन महिंद्रा एंड महिंद्रा के वाइस प्रेसिडेंट एवं हेड- कस्टमर केयर, सचिन गुप्ता ने मुख्य अतिथि के रूप में फीता काटकर एवं दीप प्रज्वलित कर किया। उद्घाटन समारोह में महिंद्रा रीजनल ऑफिस से ज़ोनल हेड-कस्टमर केयर वी. एस. विनय कुमार एवं आरसीसीएम अजय कुमार राय विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर कल्याण मोटर्स के डीलर प्रिंसिपल्स चंद्र देव पारीक एवं सूर्य देव पारीक तथा सीईओ दिनेश पारीक ने अतिथियों एवं महिंद्रा अधिकारियों का स्वागत किया। कल्याण मोटर्स प्रबंधन के अनुसार, सिरसी रोड, बिंदायका में नए सर्विस सेंटर की शुरुआत का उद्देश्य क्षेत्र में बढ़ते महिंद्रा वाहन ग्राहकों को उनके नजदीक ही बेहतर एवं सुविधाजनक सर्विस उपलब्ध कराना है। नए सर्विस सेंटर के माध्यम से आसपास के क्षेत्रों के महिंद्रा वाहन मालिकों को सर्विसिंग एवं रिपेयरिंग की सुविधाएं नजदीक उपलब्ध होंगी।



खबरें जरा हटके

पपीते के फल में दिखे गणेशजी; तस्वीर वायरल होते ही दर्शन के लिए पहुंचने...



कुदरत का चमत्कार या आस्था का अनोखा रूप। राजस्थान के कोटा में एक घर के बगीचे में लगे पपीते के फल में भगवान गणपति जैसी आकृति नजर आई। फल में सूंड, शरीर की बनावट और एकदंत जैसी आकृतियां दिखाई देने के बाद परिवार ने पूजा-अर्चना शुरू कर दी। सोशल मीडिया पर तस्वीर सामने आने के बाद श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं।

परिवार ने पपीते के फल को घर के मंदिर में विराजमान किया है और अब शरद पूर्णिमा के शुभ मुहूर्त को देखते हुए पंडितों और शास्त्रों के अनुसार फल के विसर्जन की तैयारी की जा रही है। यह एजुकेशन सिटी कोटा में प्रकृति का एक ऐसा नजारा है, जिसने लोगों को हैरान कर दिया है। चंबल नदी के पार कुन्हाड़ी इलाके की बालिका रोड स्थित आदर्श नगर में रहने वाले गुलाबचंद बनवाड़िया के घर के बगीचे में लगे पपीते के एक फल की आकृति भगवान गणपति जैसी दिखाई दे रही है। फल में सूंड, शरीर की बनावट और एकदंत जैसी आकृतियां नजर आ रही हैं। परिवार इसे गणपति का स्वरूप मानकर पूजा-अर्चना कर रहा है। सोशल मीडिया के जरिए जानकारी मिलने के बाद लोग इस आकृति के दर्शन करने घर पहुंच रहे हैं।

घर के बगीचे में लगे पपीते के फल ने खींचा ध्यान यह कहानी किसी मंदिर में स्थापित प्रतिमा से शुरू नहीं होती, बल्कि घर के बगीचे में लगे करीब एक साल पुराने पपीते के पेड़ से शुरू होती है। पेड़ पर दूसरे पपीते भी लगे हैं, लेकिन एक फल की बनावट ने परिवार का ध्यान खींचा। गुलाबचंद बनवाड़िया ने जब इसे देखा, तो वह चकित रह गए। आसपास के लोगों को इसकी जानकारी दी गई और धीरे-धीरे दर्शन करने वालों का पहुंचना शुरू हो गया।

घर के मंदिर में विराजमान किया पपीते का फल

गुलाबचंद बनवाड़िया और उनकी पत्नी कमल बनवाड़िया दोनों सेवानिवृत्त स्कूल लेक्चरर हैं। परिवार ने पपीते के इस फल को अपने घर के मंदिर में विराजमान किया है। विधिवत पूजा-अर्चना की जा रही है और आरती में लोग शामिल हो रहे हैं। आसपास की कॉलोनियों के लोग, परिचित और सोशल मीडिया पर तस्वीर देखने वाले श्रद्धालु यहां पहुंचकर दर्शन लाभ ले रहे हैं। परिवार के बेटे अंकित बनवाड़िया ड्राइंग टीचर हैं और कला की बारीकियों को समझते हैं। ऐसे में फल की आकृति उनके परिवार के लिए भी विशेष आकर्षण का विषय बनी हुई है। प्रकृति की बनावट में भगवान गणपति की छवि देखने वाले श्रद्धालु इसे आस्था और ईश्वर की अद्भुत लीला के रूप में देख रहे हैं।

सोशल मीडिया से मिली जानकारी, दर्शन करने पहुंचे लोग-बड़गांव में रहने वाले रामराज रोजाना बनवाड़िया परिवार के यहां दूध देने आते हैं। उन्हें जैसे ही गणपति जैसी आकृति वाले पपीते के बारे में पता चला, वह भी दर्शन करने पहुंच गए। वहीं, डॉ। निधि को सोशल मीडिया के माध्यम से इसकी जानकारी मिली। वह भी यहां पहुंचीं और पूजा-अर्चना में शामिल हुईं। उनका कहना है कि प्रकृति का यह नजारा अद्भुत है और उन्हें यहां आकर दर्शन करने का अवसर मिला।

किस्मत हो तो ऐसी ! खुदाई में मिला 1.2 किलो सोना



ऑस्ट्रेलिया में सोने की तलाश कर रहे एक शख्स को कई दिनों तक जमीन खोदने के बावजूद जब उसके हाथ कुछ खास नहीं लगा, तो वह निराश होने लगा था। लेकिन एक दिन उसकी किस्मत ने ऐसी करवट ली कि वह खुद भी हैरान रह गया। उसे जमीन के नीचे सोने का एक बड़ा टुकड़ा मिला, जिसका वजन 1 .2 किलोग्राम से ज्यादा बताया जा रहा है। इस खोज की अनुमानित कीमत करीब 1.5 करोड़ रुपये है, जबकि किसी कलेक्टर को बेचने पर इसकी कीमत लगभग 2 करोड़ रुपये तक पहुंचने की संभावना जताई जा रही है।

मेटल डिटेक्टर ने दिखाई सोने तक पहुंचने की राह-यह अनोखी घटना ऑस्ट्रेलिया के न्यू साउथ वेल्स के सुदूर उत्तर-पश्चिमी इलाके में टिबूबुरा के पास स्थित माउंट स्टुअर्ट स्टेशन की है। यहां एक शख्स काफी समय से मेटल डिटेक्टर की मदद से जमीन में सोना तलाश रहा था। कई दिनों की मेहनत के बाद भी उसे कोई बड़ी सफलता नहीं मिली थी। इसी महीने एक दिन वह लगातार खुदाई करने से थक चुका था और काम बंद करने के बारे में सोच रहा था। तभी उसके मेटल डिटेक्टर 'गोल्ड मॉन्स्टर 2000' ने जमीन के नीचे किसी धातु की मौजूदगी का संकेत दिया। दिलचस्प बात यह थी कि इतना बड़ा सोने का टुकड़ा मिलने के बावजूद मशीन का शुरुआती सिग्नल बहुत तेज नहीं था। इसके बावजूद उसने तलाश जारी रखने का फैसला किया, जो उसके लिए जिंदगी की सबसे यादगार खोज साबित हुआ। **मिट्टी हटाते ही चमक उठा सोने का टुकड़ा**-खुदाई के दौरान करीब 100 मीटर आगे बढ़ने पर मशीन से तेज आवाज आने लगी। शख्स ने जब आसपास की मिट्टी हटाई, तो उसे जमीन के भीतर एक चमकदार चीज दिखाई दी। ध्यान से देखने पर पता चला कि वह कोई साधारण धातु नहीं, बल्कि सोने का बड़ा टुकड़ा था। उसे अपनी आंखों पर यकीन करना मुश्किल हो रहा था। शख्स ने अपनी खुशी जाहिर करते हुए बताया कि सोने की तलाश में अक्सर सीसे की गोलियां, पुरानी कीलें और घोड़ों की नाल जैसी चीजें ही निकलती हैं। ऐसे में इतना बड़ा सोने का नगेट मिलना किसी सपने के सच होने जैसा था। 1.2 किलो से ज्यादा वजन, करोड़ों में कीमत-एक रिपोर्ट के मुताबिक, इस नगेट का कुल वजन 1.2 किलोग्राम से ज्यादा है। जांच में लगभग 940 ग्राम शुद्ध सोना होने की बात सामने आई है।

कितना बेबस है इंसान...

दिवाली नजदीक, मगर फायर फाइटिंग सिस्टम के बिगड़े नवाब!

बजाज नगर मार्केट के 50 से ज्यादा प्रतिष्ठानों में एक भी फायर सिस्टम नहीं, हादसे का इंतजार कर रहा बाजार

जयपुर। मुसीबतें कह कर नहीं आतीं, किसी भी वक्त टपक पड़ती हैं। जयपुर के पुरोहित जी के कटले में पिछले दिनों जो हादसा हुआ, उसे याद करके आज भी रोंगटे खड़े हो जाते हैं। मन में एक ही बात गूंजती है - दुर्घटना से पहले सावधानी में ही समझदारी है। खासकर दिवाली जैसे महापर्व पर, जब पटाखों के साथ समझदारी और सजगता भी जरूरी है।

इसी मकसद को लेकर इस संवाददाता ने बजाज नगर मार्केट के व्यापारिक प्रतिष्ठानों का सर्वे किया, जिसके परिणाम बहुत ही चिंताजनक रहे।

क्या मिला सर्वे में?

बजाज नगर के मुख्य बाजार में लगभग 45-50 दुकानों का जायजा लिया गया।

आर के स्टेशनर्स, जयपुर रूम, जैन फैंसी, सुनीता टेलर्स, बीकानेर मिष्ठान, सुपर स्टोर प्रगति पथ, ऋतु होजरी, पंकज ज्वैलर्स, गोपाल स्वीट्स, मयूर बेकरी, क्लासिक सेल्स, जय हिंद बेकरी, राजेंद्र किराणा, सुनीता मेडिकल, मोहित मेडिकल, गोयल मेडिकल, हनुमान मिष्ठान भंडार, आदित्य बेकरी, विष्णु बुक स्टेशनरी, मिलन, गीता किचन, फैंसी जनरल स्टोर, प्राइम फुटवियर, बॉम्बे शूज, न्यू मार्केट, मित्तल फैंसी, संगम, कला सरोवर, राधाकृष्ण ज्वैलर्स, राजेश ग्लासेज, गोयल रेडिमेड, गोयल सुपर मार्ट, सीताराम राजेंद्र कुमार, जय जनरल स्टोर, सुरेंद्र मेडिकल, श्याम रेडिमेड, वैभव टेक्सटाइल, वीना कनेक्शन, गर्ग ज्वैलर्स, गोविंद टेक्सटाइल, तरुण स्टोर आदि।

इनमें से एक भी प्रतिष्ठान में फायर फाइटिंग सिस्टम देखने को नहीं मिला। सिर्फ दो दुकानदारों ने कहा कि उन्होंने सिस्टम के लिए अप्लाई किया है, पर अभी तक सर्विस नहीं मिली।

सोचिए, जहाँ एक ही छत के नीचे कपड़ा, केमिकल वाले पटाखे, बेकरी का गैस भंडार और ज्वैलर्स की दुकानें हैं, वहाँ आग बुझाने का एक सिलेंडर तक नहीं है।

फायर फाइटिंग सिस्टम होता क्या है?

विशेषज्ञों के अनुसार एक आदर्श सिस्टम में 4 चीजें जरूरी हैं:

1. एक्सटिंग्विशर (अग्निशामक यंत्र) - ABC, CO_2, फोम वाले सिलेंडर
2. हाइड्रेंट पाइपलाइन - पूरी बिल्डिंग में लोहे की पाइपलाइन
3. स्प्रिंकलर - जो गर्मी पाते ही खुद पानी छोड़ दे
4. फायर अलार्म सेंसर - धुएं को देखते ही सायरन बजाने वाला

कैसे लगाएं?

- हर मंजिल पर एक्सटिंग्विशर दीवार पर 0.9 मीटर की ऊंचाई पर लगाएं ताकि तुरंत दिखे।
- बिजली के पैनल के पास कभी पानी वाला नहीं, बल्कि CO_2 वाला सिलेंडर लगाएं।
- हर फ्लोर पर हाइड्रेंट वाल्व, होज रील और 15-30 मीटर का कैनवस पाइप होना चाहिए।

मेंटेनेंस चार्ट - दुकानदार सेव कर लें

उपकरण	क्या जांचें	कब जांचें
एक्सटिंग्विशर	प्रेशर गेज ग्रीन में है? एक्सपायरी डेट? पाउडर जमा तो नहीं?	हर महीने, साल में रिफिलिंग
पंप	ऑटो-मैनुअल पर चलाकर प्रेशर और बैटरी चेक	साप्ताहिक
हाइड्रेंट पाइप	लीकेज, जंग, कट-क्रैक	हर 3 महीने
स्प्रिंकलर वाल्व	धूल, जाले, ब्लॉकेज	हर 3-6 महीने
अलार्म सेंसर	स्मोक सेंसर, MCP और सायरन टेस्ट	हर महीने

लॉगबुक में हर चेकिंग दर्ज करना कानूनन जरूरी है।

क्या कहते हैं जानकार?

फायर सेफ्टी अधिकारी के अनुसार, रदिवाली पर 80% आग शॉर्ट सर्किट और पटाखों से लगती है। 5 हजार का सिलेंडर 50 लाख का नुकसान रोक सकता है। मार्केट एसोसिएशन को मिलकर हाइड्रेंट लाइन और ट्रेनिंग कैंप लगाना चाहिए।ह

बजाज नगर व्यापारी संघ को चाहिए कि इस दिवाली से पहले एक सामूहिक फायर ऑडिट कराए और हर दुकान पर कम से कम एक ABC और एक CO_2 सिलेंडर ।

फायर फाइटिंग सिस्टम कैसे लगाएं

1. लेआउट और डिज़ाइन ...

सबसे पहले इमारत या प्लांट के आकार, मंजिल और खतरे की श्रेणी के अनुसार फायर कंसल्टेंट से लेआउट डिजाइन करवाएं।

इसमें वाटर स्टोरेज टैंक, मेन पंप, जॉकी पंप और डीजल पंप का स्थान तय होता है।

2. फायर एक्सटिंग्विशर) लगाना :

हर मंजिल और मुख्य रास्तों पर एबीसी (ABC), CO_2 या फोम वाले एक्सटिंग्विशर दीवार पर लगाएं।

इनका निचला हिस्सा जमीन से लगभग 0.9 मीटर (900 मिमी) की ऊंचाई पर होना चाहिए ताकि आपात स्थिति में आसानी से दिखें और निकाल सकें। बिजली पैनल के पास पानी वाला नहीं बल्कि CO_2 या पाउडर वाला सिलेंडर लगाएं।

3. हाइड्रेंट और स्प्रिंकलर पाइपलाइन :

पूरी इमारत में लोहे या जीआई (GI) की मेन राइजर और पाइपलाइन फिट की जाती है।

हर फ्लोर पर हाइड्रेंट वाल्व, होज रील और 15 से 30 मीटर लंबे कैनवस होज पाइप लगाए जाते हैं। छत पर ऑटोमैटिक स्प्रिंकलर फिट किए जाते हैं जो अधिक गर्मी या धुएं पर स्वत: पानी छोड़ते हैं।

सोने से भी महंगा बिकता है इस चिड़िया का घोंसला

अपनी लार से बनाती है नेस्ट, कीमत जान उड़ जाएंगे होश !

आज के दौर में सोना खरीदना हर किसी के बस की बात नहीं रह गई है। बढ़ती कीमतों के चलते लोग गहने खरीदने से पहले कई बार सोचते हैं। भारत में सोने को कीमती संपत्ति और निवेश का भरोसेमंद विकल्प माना जाता है। लेकिन क्या आपने कभी ऐसी चिड़िया के बारे में सुना है, जिसका घोंसला भी लाखों रुपये में बिक सकता है। दुनिया में स्विफ्टलेट नाम की एक छोटी-सी चिड़िया पाई जाती है, जिसके घोंसले की अंतरराष्ट्रीय बाजार में काफी मांग है।

अपनी लार से बनाती है घोंसला

आमतौर पर चिड़ियों को पेड़ों की टहनियों, पत्तियों और सूखी घास से घोंसला बनाते देखा जाता है। लेकिन स्विफ्टलेट इस मामले में बिल्कुल अलग है। यह चिड़िया अपने मुंह से निकलने वाली लार की मदद से घोंसला तैयार करती है। इसकी लार हवा के संपर्क में आकर सूख जाती है और धीरे-धीरे एक मजबूत, कप जैसी संरचना बना लेती है। स्विफ्टलेट अक्सर ऊंची चट्टानों, गुफाओं और अंधेरी जगहों पर अपना घोंसला बनाती है। इसे तैयार करने में कई दिन लग सकते हैं। घोंसले की खास बनावट और खाद्य पदार्थ के रूप में इसकी मांग ने इसे बेहद कीमती बना दिया है।

आखिर क्यों लाखों में बिकता है इसका घोंसला?

स्विफ्टलेट के घोंसले का इस्तेमाल खासतौर पर दक्षिण-पूर्व एशिया और चीन में लोकप्रिय बर्ड्स नेस्ट सूप बनाने के लिए किया जाता है। चीन, हांगकांग और सिंगापुर जैसे बाजारों में इसे एक महंगे व्यंजन के तौर पर परोसा जाता है। इसकी गुणवत्ता, शुद्धता और उपलब्धता के आधार पर कीमत अलग-अलग हो सकती है। अच्छी गुणवत्ता वाले घोंसलों का एक किलोग्राम लाखों रुपये तक में बिक सकता है।



परंपरा कहती है इस सूप को सेहत, त्वचा की चमक और रोग प्रतिरोधक क्षमता के लिए फायदेमंद माना जाता रहा है। इसके घोंसलों में प्रोटीन और कुछ अन्य जैविक घटक पाए जाते हैं। हालांकि, इसके सेवन से मिलने वाले कई बड़े स्वास्थ्य लाभों के समर्थन में वैज्ञानिक प्रमाण अभी सीमित हैं। इसलिए इसे किसी बीमारी का इलाज समझना सही नहीं है।

बढ़ती मांग से चिड़ियों पर मंडरा रहा खतरा

स्विफ्टलेट के घोंसलों की ऊंची कीमत ने इनके कारोबार को काफी बढ़ावा दिया है। लेकिन इसी मांग के कारण कई जगहों पर घोंसलों की अत्यधिक कटाई और अवैध कारोबार की समस्या भी सामने आई है। प्रजनन के दौरान घोंसले हटाने से चिड़ियों और उनके बच्चों को नुकसान पहुंच सकता है। इस समस्या को देखते हुए कुछ क्षेत्रों में संरक्षण के प्रयास किए जा रहे हैं। भारत में भी कुछ क्षेत्रों में स्विफ्टलेट की प्रजातियां मिलती हैं, लेकिन इस कारोबार का बड़ा हिस्सा दक्षिण-पूर्व एशिया से जुड़ा है।

न्यूज गैलरी

खाद्य पदार्थों की जांच के लिए किया औचक निरीक्षण, प्रतिष्ठान पर लगाया 10000 जुर्माना

चूरू, समाचार जगत ब्यूरो. उपभोक्ता मामले विभाग के निर्देशानुसार विधिक माप विज्ञान अधिनियम, 2009 तथा डिब्बा बंद वस्तु नियम, 2011 के तहत चूरू जिले में औचक निरीक्षण अभियान के अंतर्गत विभागीय जांच दल विधिक माप विज्ञान अधिकारी देवकी नंदन मुंडोतिया के नेतृत्व में चूरू में श्रीकालूराम स्नैक्स प्राइवेट लिमिटेड पर पैकिंग लाइसेंस नहीं होने के कारण 10000 रुपए का जुर्माना लगाया गया तथा श्रीकान्हा रसगुल्ला फैक्ट्री प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया। देवकीनंदन ने बताया कि आगामी दिनों में जिले में छोटे व बड़े सभी प्रतिष्ठानों पर नियमित जांच जारी रहेगी तथा दोषी पाए जाने वाले प्रतिष्ठानों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य उपभोक्ता अधिकारों की रक्षा करना है।

ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी थांग-ता प्रतियोगिता

जालोर की सुभी चौधरी ने जीता रजत पदक, क्रीड़ा भारती ने दी बधाई

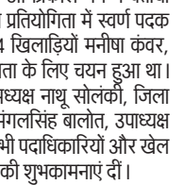
जालोर, समाचार जगत ब्यूरो. मणिपुर की राजधानी इंफाल में आयोजित ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी थांग-ता प्रतियोगिता में जालोर की खिलाड़ी सुभी चौधरी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए रजत पदक जीतकर जिले का नाम रोशन किया है। सुभी चौधरी जनार्दन राय नागर राजस्थान विद्यापीठ, उदयपुर की ओर से प्रतियोगिता में भाग ले रही थी। यह प्रतियोगिता 26 से 28 अक्टूबर तक मणिपुर विश्वविद्यालय, इंफाल में आयोजित हुई थी। थांग-ता संघ के सचिव व प्रशिक्षक ओमप्रकाश गर्ग ने बताया कि सुभी का चयन अगस्त में जयपुर में हुई राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीतने के आधार पर हुआ था। इससे पहले जालोर के 4 खिलाड़ियों मनीषा कंवर, सुभी चौधरी, हेमेंद्र भाटी व सागर कंवर का इस प्रतियोगिता के लिए चयन हुआ था। सुभी के रजत पदक जीतने पर क्रीड़ा भारती के जिला अध्यक्ष नाथू सोलंकी, जिला मंत्री भागीरथ गर्ग, सहमंत्री ओमप्रकाश गर्ग, कोषाध्यक्ष मंगलसिंह बालोत, उपाध्यक्ष जबरसिंह देवड़ा, नगर अध्यक्ष ओम प्रकाश आर्य सहित सभी पदाधिकारियों और खेल प्रेमियों ने खुशी जाहिर करते हुए बधाई व उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

आबकारी अधिनियम के तहत कार्रवाई

देशी शराब के 51 पव्वों के साथ युवक गिरफ्तार

भुसावर, समाचार जगत ब्यूरो. खेड़ली मोड़ थाना पुलिस ने अवैध देशी शराब के 51 पव्वों सहित एक युवक को गिरफ्तार किया है। वहीं आरोपी के कब्जे से बरामद शराब को जब्त कर आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। थानाधिकारी पवन यादव ने जानकारी देते हुए बताया कि 27 अक्टूबर 2026 को रात करीब 8रू40 बजे थाना खेड़ली मोड़ की टीम मुखबिर की सूचना पर स्थानीय क्षेत्र में कार्रवाई के लिए रवाना हुई। झारोटी मोड़ पर एक व्यक्ति प्लास्टिक के कट्टे के साथ खड़ा दिखाई दिया। पुलिस को देखकर वह कट्टा लेकर भागने लगा, जिस पर पुलिसकर्मियों ने पीछा कर उसे पकड़ लिया।पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम ताराचंद पुत्र भागमल 30 निवासी बबेवर, थाना खेड़ली मोड़, जिला भरतपुर बताया। तलाशी के दौरान उसके पास मिले सफेद रंग के प्लास्टिक कट्टे में देशी शराब के 51 पव्वे बरामद हुए। शराब रखने के संबां में लाइसेंस मांगे जाने पर वह कोई वै लाइसेंस प्रस्तुत नहीं कर सका। पुलिस ने शराब को कब्जे में लेकर एक पव्वे का नमूना जांच के लिए लिया तथा मौके पर ही नमूने और शेष 50 पव्वों को सील कर चिह्नित किया। थानाधिकारी पवन यादव ने बताया कि आरोपी को गिरफ्तार किया गया है और मामले में आगे की जांच और आवश्यक कानूनी कार्रवाई जारी है।

आज से शुरू हुआ शिविर, 7 दिन में जारी होगा भू-उपयोग परिवर्तन प्रमाण पत्र



डूंगरपुर, समाचार जगत ब्यूरो. दीपावली से पहले डूंगरपुर नगर परिषद ने आवासीय परिसरों में व्यावसायिक गतिविधियां संचालित कर रहे कारोबारियों और दुकानदारों को राहत देने की पहल की है। सभापति सुशीला गुप्ता की पहल पर आज से विशेष शिविर शुरू किया गया इसके माध्यम से आवासीय परिसरों में चल रहे व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को नियमानुसार नियमित करने की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। नगर परिषद की इस पहल का उद्देश्य कारोबारियों को प्रशासनिक कार्रवाई और सीजिंग के डर से राहत दिलाकर उन्हें वैध व्यावसायिक गतिविधियां संचालित करने का अवसर देना है। शिविर में आयुक्त ललित सिंह देथा के नेतृत्व में संबंधित दस्तावेजों की जांच कर भू-उपयोग परिवर्तन की प्रक्रिया पूरी की जाएगी।
इसके लिए आवेदकों को पट्टा, रजिस्ट्री सहित विधिक स्वामित्व के दस्तावेज, स्वीकृत या संबंधित लेआउट एवं भवन मानचित्र, दुकान या व्यावसायिक गतिविधि स्थल की स्पष्ट तस्वीरें और निर्धारित व्यावसायिक शुल्क जमा कराने से संबंधित दस्तावेज प्रस्तुत करने होंगे। नगर परिषद के अनुसार, सभी आवश्यक दस्तावेज और निर्धारित शुल्क जमा कराने पर नियमानुसार मात्र सात दिन के भीतर आवासीय से व्यावसायिक भू-उपयोग परिवर्तन प्रमाण पत्र जारी किया जाएगा।
नगर परिषद ने स्पष्ट किया है कि दीपावली के बाद नियमों का पालन नहीं करने वाले प्रतिष्ठानों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। जो व्यापारी निर्धारित समय तक दस्तावेज जमा नहीं कराएंगे और व्यावसायिक शुल्क नहीं चुकाएंगे, उनके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। नगर परिषद ने व्यापारियों से अपील की है कि वे शिविर का लाभ उठाकर अपने प्रतिष्ठानों को नियमित कराएं, ताकि भविष्य में आर्थिक नुकसान और अनावश्यक परेशानी से बचा जा सके।

अंतरराष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन ने किया पाली की मेयर नमिता बुबकिया का सम्मान



जयपुर, समाचार जगत ब्यूरो. वैश्य समाज की एक मात्र संस्था अंतरराष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन राजस्थान की ओर से जयपुर के सी-स्कीम स्थित महावीर स्कूल ऑडिटोरियम में वैश्य समाज के महापौर एवं पार्षदों का सम्मान समारोह में पाली की मेयर नमिता बूबकिया का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में वैश्य समाज के जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों के पदाधिकारियों एवं समाज के गणमान्य लोगों ने भाग लिया।

दीपोत्सव के साथ होगी टाइगर मैराथन, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां और स्थानीय हस्तशिल्प रहेंगे आकर्षण का केंद्र



अलवर, समाचार जगत ब्यूरो. दीपावली के अवसर पर अलवर में ऐतिहासिक दीपोत्सव पर्व 2026 का आयोजन किया जाएगा। इसके तहत पूरे शहर को रोशनी से सजाया जाएगा। कंपनी बाग रोड पर भव्य हाट बाजार में स्थानीय हस्तशिल्प, पारंपरिक व्यंजन और विभिन्न आकर्षक गतिविधियां शहरवासियों व पर्यटकों को आकर्षित करेंगी। दीपोत्सव के दौरान दीप प्रज्ज्वलन, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, आतिशबाजी शो, पारंपरिक व्यंजन और स्थानीय हस्तशिल्प विशेष आकर्षण रहेंगे। इसके साथ ही स्वच्छता अभियान चलाकर शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाने का संदेश दिया जाएगा। आयोजन का उद्देश्य अलवर की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत को पहचान दिलाने के साथ पर्यटन, स्थानीय व्यापार और हस्तशिल्प को बढ़ावा देना है। दीपोत्सव के साथ अलवर टाइगर मैराथन 2026 भी आयोजित होगी। इस आयोजन में नगर निगम अलवर, जिला प्रशासन, नगर विकास न्यास सहित विभिन्न व्यापारिक एवं औद्योगिक संगठनों की सहभागिता रहेगी। नगर निगम अलवर की महापौर सुमन अजय अग्रवाल ने शहरवासियों से दीपोत्सव और टाइगर मैराथन में भागीदारी की अपील की है। उन्होंने कहा कि सभी के सहयोग से इस आयोजन को भव्य बनाया जाएगा, ताकि अलवर की पहचान और गौरव को नई ऊंचाइयां मिल सकें।

अंतरराष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन ने किया अलवर महापौर सुमन अजय अग्रवाल का सम्मान

जयपुर, समाचार जगत न्यूज. वैश्य समाज की एक मात्र संस्था अंतरराष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन राजस्थान की ओर से जयपुर के सी-स्कीम स्थित महावीर स्कूल ऑडिटोरियम में वैश्य समाज के महापौर एवं पार्षदों का सम्मान समारोह में अलवर की महापौर सुमन अजय अग्रवाल का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में वैश्य समाज के जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों के पदाधिकारियों एवं समाज के गणमान्य लोगों ने भाग लिया।

मुआवजे की मांग को लेकर ग्रामीणों ने किया चार घंटे विरोध प्रदर्शन

आरवाडी जीएसएस पर करंट से संविदाकर्मी झुलसा

समाचार जगत ब्यूरो



जमवारामगढ़. जमवारामगढ़ उपखंड क्षेत्र की मानोता ग्राम पंचायत के आरवाड़ी गांव स्थित 33/11 केवी विद्युत ग्रिड सब स्टेशन (जीएसएस) पर बिजली चालू करते समय करंट लगने से एक संविदाकर्मी झुलस गया। हादसे में घायल आरवाडी डूंगरी की ढाणी गांव निवासी संविदाकर्मी रतनलाल गुर्जर को जयपुर के अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां उसका उपचार जारी है। घटना के बाद घायल संविदाकर्मी के परिजनों और ग्रामीणों ने मुआवजे की मांग को लेकर बुधवार को जीएसएस के मुख्य द्वार पर एकत्रित होकर विरोध प्रदर्शन किया। परिजनों ने हादसे के लिए जिम्मेदार पक्ष से उचित आर्थिक सहायता दिलवाने की मांग उठाई।

3 लाख रुपए मुआवजे पर सहमति: ग्रामीणों के विरोध प्रदर्शन की सूचना मिलने पर जमवारामगढ़ के एईएन बी एस मीणा, जेईएन सचिन मीणा मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों से वार्ता की।

इस दौरान घायल संविदाकर्मी के परिवार को आर्थिक सहायता दिलवाने को लेकर चर्चा हुई। करीब चार घंटे तक चले विरोध-प्रदर्शन के बाद ठेकेदार की ओर से पीड़ित परिवार को 3 लाख रुपए मुआवजा देने पर सहमति बनी। इसके बाद ग्रामीणों ने विरोध-प्रदर्शन समाप्त कर दिया।

भामाशाहों ने भी बढ़ाए मदद के हाथ : हादसे के बाद घायल संविदाकर्मी के परिवार की मदद के लिए भामाशाह भी आगे आए।

भामाशाहों की ओर से पीड़ित परिवार को 1 लाख 51 हजार रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान की गई, ताकि इस मुश्किल घड़ी में परिवार को कुछ राहत मिल सके।

विद्युत कार्यों के दौरान सुरक्षा पर उठे सवाल

जीएसएस पर हुए इस हादसे ने विद्युत कार्यों के दौरान कर्मचारियों की सुरक्षा और आवश्यक सावधानियों को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े कर दिए हैं। ऐसे कार्यों के दौरान सुरक्षा मानकों की पालना और कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करना बेहद जरूरी है। इस दौरान पंचायत समिति सदस्य सुमन मीणा, गोपाल चांदा, कजोड़ बाबूजी, रामावतार मीणा, मानोता के प्रशासक कैलाश चंद्र महावर, संतलाल मीणा सहित अन्य ग्रामीण मौजूद रहे।

करीब 100 सीसीटीवी कैमरों की जांच से आरोपियों तक पहुंची पुलिस

दुकान का शटर तोड़कर 87 हजार चुराने वाले दो गिरफ्तार

समाचार जगत ब्यूरो

अजमेर. शहर में दुकानों के शटर तोड़कर चोरी करने के मामले में आदर्शनगर थाना पुलिस ने प्रभावी कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने 21 अगस्त को आड़ी पुलिया के पास स्थित आरजे कलेक्शन दुकान का शटर तोड़कर गल्ले से 87,100 रुपए चुरा लिए थे। पुलिस ने घटनास्थल और आसपास के करीब 100 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली तथा तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर संदिग्ध कार की पहचान कर आरोपियों तक पहुंच बनाई। पुलिस के अनुसार बड़गांव निवासी राजेंद्र सिंह रावत ने शिकायत दर्ज कराई थी कि 21 अगस्त की सुबह करीब 4:40 बजे कार में सवार दो अज्ञात व्यक्तियों ने उनकी दुकान का शटर तोड़कर नकदी चुरा ली। इस पर आदर्शनगर थाने में प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की गई।

महाराष्ट्र तक पहुंची जांच : पुलिस टीम ने सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर संदिग्ध वाहन के संबंध में जानकारी जुटाई। इसके बाद पुलिस ने महाराष्ट्र जाकर अनुसंधान किया और दो संदिग्ध व्यक्तियों की पहचान की। दोनों को केंद्रीय कारागार, अजमेर से प्रोडक्शन वारंट पर प्राप्त कर पूछताछ की गई। पुलिस के मुताबिक, पूछताछ के दौरान दोनों ने वारदात करना स्वीकार किया, जिसके बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। घटना में प्रयुक्त कार को गंज थाना पुलिस पहले ही एक अन्य मामले में जब्त कर चुकी है।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अकबर लुकमान खान (32), निवासी जलगांव जिला, महाराष्ट्र तथा परवेज महमूद सैयद (22), निवासी अहिल्यानगर जिला, महाराष्ट्र के रूप में हुई है।

यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक हर्षवर्धन अग्रवाला के निर्देशन तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हिमांशु जांगिड और वृत्ताधिकारी मनीष बड़गुर्जर के सुपरविजन में थानाधिकारी ओमप्रकाश मीना के नेतृत्व में की गई। टीम में सहायक उपनिरीक्षक विनोद कुमार, कांस्टेबल अरविंद कुमार तथा हेड कांस्टेबल बृजलाल और बलवीर सिंह शामिल रहे।

अजमेर पुलिस के अनुसार, संपत्ति संबंधी अपराधों पर अंकुश लगाने और आरोपियों की धरपकड़ के लिए अभियान जारी है।

बूंदी कोतवाली के चर्चित मामले में तीन आरोपियों को अग्रिम जमानत, गिरफ्तारी पर रोक

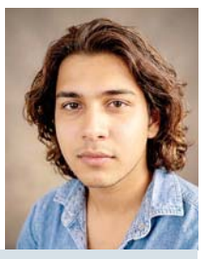
50 हजार के मुचलके और 5 शर्तों पर दी राहत

बूंदी, समाचार जगत ब्यूरो. जिला एवं सत्र न्यायाधीश अशोक चौधरी ने बूंदी कोतवाली में ग्राम चापरस की कृषि भूमि के संबंध में कूटरचित दस्तावेजों की रचना करने से जुड़े प्रकरण में इस्तगासे पर दर्ज मुकदमा संख्या 72/2019 मे ज्योति शर्मा, परवेन्द्र सिंह तथा मदनगोपाल शर्मा की गिरफ्तारी पर रोक लगाते हुए अग्रिम जमानत दी है। तीनों ने न्यायालय में अग्रिम जमानत का प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 482 बीएनएस के तहत पेश किया था, जिस पर न्यायालय ने तीनो को 50 हजार रुपए के मुचलकों एवं 25-25 हजार रुपए की दो जमानतें 5 शर्तों के साथ प्रस्तुत कर प्रमाणित करवा दिए जाने पर जमानत देने के आदेश दिए हैं। इससे पूर्व बूंदी कोतवाली में दर्ज इस मुकदमे में राजस्थान उच्च न्यायालय ने अभियुक्तगणों की गिरफ्तारी पर रोक लगा रखी थी। न्यायालय द्वारा गत दिनों गिरफ्तारी से रोक हटाने पर अभियुक्तगणों ने गिरफ्तारी की आशंका के फलस्वरूप अग्रिम जमानत का प्रार्थना पत्र पेश किया था, जिस पर न्यायालय ने यह फैसला दिया है। न्यायालय ने जिन शर्तों पर अभियुक्तगणों को अग्रिम जमानत दी है, उनमें अनुसंधान में पूर्ण सहयोग करने, अनुसंधान अधिकारी द्वारा तलब करने पर उपस्थित होने, साक्ष्य से छेड़छाड़ नहीं करने एवं न्यायालय की अनुमति के बिना देश छोड़कर नहीं जाने व गवाहों को प्रभावित नहीं करना शामिल है। इस प्रकरण में प्रार्थीगण अभियुक्तों की ओर से पैरवी एडवोकेट राकेश ठाकोर ने की।

कमला देवी हत्याकांड : तीसरे आरोपी 'चूचा' को पुलिस ने किया गिरफ्तार

समाचार जगत ब्यूरो





भीलवाड़ा. शहर के सावरकर चौक में 72 वर्षीय कमला देवी कांकरिया की हत्या के चर्चित मामले में भीमगंज पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। थानाधिकारी सुनील चौधरी के मुताबिक, वारदात में शामिल मुख्य आरोपियों रवि तापड़िया और हीरा सिंधी की गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने तीसरे आरोपी आर्यन दाधीच (19) उर्फ चूचा (पुत्र जीतू शर्मा, निवासी मलाण) को भी धर दबोचा है। पुलिस टीम पूरी गहराई के साथ मामले के हर पहलू को खंगाल रही है, वहीं घटना से जुड़े अन्य संदिग्धों की तलाश में लगातार दबिश दी जा रही है।

लालच में लांघीं क्रूरता की हदें, दहल उठा शहर : वीर सावरकर चौक की तंग गलियों से लेकर कोठारी नदी के पुल तक, इस दर्दनाक घटना की खबर से पूरे भीलवाड़ा में सन्नाटा और दहशत का माहौल है। महज 25 लाख रुपए मूल्य के सोने-चांदी के आभूषणों और नकदी के लालच में बदमाशों ने इस वीभत्स हत्याकांड को अंजाम दिया। सुभाष नगर स्थित घनी आबादी के बीच बड़ी पुलिया के समीप एक मकान की छत पर घटी इस खौफनाक वारदात ने स्थानीय निवासियों को झकझोर कर रख दिया है। पति सौरभ और ससुर तेज सिंह कांकरिया के निधन के बाद पीड़िता घर पर अकेली रहती थीं। घटना की भनक तब लगी जब खाना बनाने वाली रतन आंटी ने 14 अक्टूबर को उनके अचानक गायब होने की जानकारी दी। खबर मिलते ही पटेल नगर निवासी बहू रविना मौके पर पहुंचीं। कोठारी नदी के पुल पर अपनी सास के अवशेष मिलने की आशंका के बीच रविना का रो-रोकर बुरा हाल था, जिसे देख वहां मौजूद हर आंख नम हो गई।

शव को छत पर जलाया, हवन सामग्री से छिपाई बदबू

पुलिस की पड़ताल में हत्यारों की साज़िश का हैरान कर देने वाला खुलासा हुआ है। कातिलों ने वारदात के बाद साक्ष्य नष्ट करने के मकसद से वृद्धा के शव को दो मंजिला मकान की छत पर ले जाकर आग के हवाले कर दिया।

दुर्गंध दबाने का पैंतरा

शव के जलने की गंध आसपास न फैले, इसके लिए लकड़ियों के साथ प्रचुर मात्रा में हवन सामग्री और देसी घी का प्रयोग किया गया। यही नहीं घटनास्थल और आसपास के गलियारे में सीमेंट का लेप चढ़ाकर नया रंग-रोगन (पुताई) कर दिया गया ताकि खून या अन्य साक्ष्य छिप सकें। इसके बाद अधजले अवशेषों और हड्डियों को बोरी में बंद कर महज दो किलोमीटर दूर कोठारी नदी के पानी में फेंक दिया गया। भीमगंज थाना पुलिस का कहना है कि जांच प्रक्रिया अंतिम चरणों में है और इस जघन्य अपराध में शामिल हर गुनहगार को सख्त कानूनी अंजाम तक पहुंचाया जाएगा।

प्रदेशाध्यक्ष भुवनेश तिवाड़ी एवं पदाधिकारियों ने अभिनंदन पत्र भेंट कर डॉ. उमा शर्मा को किया सम्मानित



चौमूं, समाचार जगत ब्यूरो। विराज फाउंडेशन की महिला प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष डॉ. उमा शर्मा ने शिक्षा विषय में पीएचडी की उपाधि प्राप्त कर उल्लेखनीय शैक्षणिक उपलब्धि हासिल की है। उनकी इस उपलब्धि पर विराज फाउंडेशन की ओर से प्रदेशाध्यक्ष भुवनेश तिवाड़ी एवं पदाधिकारियों ने अभिनंदन पत्र भेंट कर उन्हें सम्मानित किया। इस अवसर पर डॉ. उमा शर्मा के दादाजी एवं पूर्व सरपंच जगदीश प्रसाद तिवाड़ी तथा माता-पिता का भी सम्मान किया गया। डॉ. उमा शर्मा ने "इलेक्ट्रॉनिक मीडिया पर प्रसारित होने वाले शैक्षिक कार्यक्रमों के प्रति उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों एवं शिक्षकों की अभिवृत्ति का अध्ययन" विषय पर अपना शोध कार्य पूर्ण किया है। उनका शोध कार्य प्रोफेसर कल्पना सेंगर के निर्देशन में संपन्न हुआ। इस शोध के माध्यम से उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों एवं शिक्षकों की इलेक्ट्रॉनिक मीडिया पर प्रसारित शैक्षिक कार्यक्रमों के प्रति अभिवृत्ति का अध्ययन किया गया।

शोध में इन कार्यक्रमों के प्रति विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के दृष्टिकोण को समझने का प्रयास किया गया है।इस अवसर पर विराज फाउंडेशन के प्रदेशाध्यक्ष भुवनेश तिवाड़ी ने डॉ. उमा शर्मा को बधाई देते हुए कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में इस प्रकार की उपलब्धियां समाज के लिए प्रेरणादायक हैं। उनकी सफलता अन्य महिलाओं एवं युवाओं को उच्च शिक्षा और शोध के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करेगी। उन्होंने कहा कि किसी भी व्यक्ति की सफलता में परिवार का सहयोग, मार्गदर्शन और आशीर्वाद महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

सम्मान समारोह के दौरान विराज फाउंडेशन के प्रदेश महासचिव बनवारी लाल शर्मा, प्रदेश मंत्री ओमप्रकाश रीडर, प्रदेश प्रचार-प्रसार मंत्री चंद्र प्रकाश शर्मा, रमेश चंद्र शर्मा, शिवकुमार शर्मा, सियाराम शर्मा, पुष्पा देवी, गिरिजा शर्मा सहित अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे।

विशाल शर्मा हुए जयपुर रत्न अवार्ड से सम्मानित



चौमूं, समाचार जगत ब्यूरो। जीवन सुरक्षा एवं पर्यावरण रक्षा संस्था के तत्वावधान में संस्था अध्यक्ष पुरुषोत्तम शर्मा एवं संयोजक गजानंद शर्मा के सानिध्य में प्रकृति संवर्धन एवं संरक्षण के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य के लिए जोरपुरा सुन्दरियावास निवासी विशाल शर्मा पुत्र छीतरमल शर्मा का जयपुर रत्न अवॉर्ड से अभिनंदन किया गया है। इस अवसर पर विशाल शर्मा को संस्था का दुपट्टा, शॉल एवं शील्ड प्रदान कर अभिनंदन किया गया। इस मौके पर संस्था अध्यक्ष पुरुषोत्तम शर्मा ने कहा की प्रकृति संवर्धन हम सब की नैतिक जिम्मेदारी है। प्रकृति संवर्धन के लिए प्रति व्यक्ति प्रतिवर्ष कम से कम एक पेड़ आवश्यक रूप से लगाकर उसका पालन पोषण करना चाहिए। विशाल शर्मा ने कहा कि प्रत्येक प्राणी के स्वस्थ शरीर के लिए पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देना अति आवश्यक है।

कार्रवाई **विभाग को समय पर और पर्याप्त सूचना नहीं देने का दोषी माना**

केन्द्रीय सूचना आयोग ने अजमेर मंडल को लगाई फटकार

समाचार जगत एजेंसी

नसीराबाद. सूचना के अधिकार ने एक बार फिर एक रेलवे कर्मचारी (स्टेशन मास्टर) को उसका हक दिलाया है। उत्तर पश्चिम रेलवे, अजमेर मंडल के एक कर्मचारी (स्टेशन मास्टर) का वर्ष 2017-18 का उत्पादकता लिंक्ड बोनस (PLB) पिछले 7 वर्षों से लंबित था। आरटीआई आवेदन की प्रथम अपील के बाद विभाग को अपनी गलती का अहसास हुआ और अंततः कर्मचारी को 17,951 रुपए का बकाया भुगतान करना पड़ा, परंतु दस्तावेजों की सत्यापित प्रतियां नहीं दी गईं। इस पर प्रार्थी द्वारा द्वितीय अपील दायर की गई। द्वितीय अपील पर संज्ञान लेते हुए ईस पूरे मामले में लापरवाही बरतने पर केन्द्रीय सूचना आयोग ने अजमेर मंडल के जन सूचना अधिकारी (CPIO) को कड़ी फटकार लगाई तथा भविष्य में सावधानी बरतने और रिकॉर्ड पर उपलब्ध सूचना को समय पर, पूर्ण और बिंदुवार देने के आदेश दिए।

क्या है पूरा मामला : रेलवे से सेवानिवृत्त आवेदक लक्ष्मण दास फुलवानी ने बताया कि उन्होंने 12 नवंबर 2024 को आरटीआई के तहत रेलवे विभाग से सूचना मांगी थी कि उन्हें वित्तीय वर्ष 2017-18 और 2018-19 के PLB बोनस की कितनी राशि और किस तिथि को भुगतान किया गया है, इसकी सत्यापित प्रतियां दी जाएं। इस पर CPIO अजमेर ने 26 दिसंबर 2024 को गोलमोल जवाब दिया कि 2017-18 के रिकॉर्ड की जांच कर सूचित किया जाएगा, जबकि 2018-19 का 8,975 रुपये का भुगतान नवंबर 2019 में पूरक बिल संख्या 33031901879 से कर दिया गया है। इस जवाब से असंतुष्ट होकर फुलवानी ने 13 जनवरी 2025 को प्रथम अपील की। प्रथम अपीलीय प्राधिकारी ने 24 जनवरी 2025 को जांच में स्वीकार किया कि आवेदक को वर्ष 2017-18 का बोनस वास्तव में भुगतान ही नहीं हुआ है और इसके लिए पूरक बिल लेखा शाखा को भेजा गया है। इसके बाद भी प्रमाणित दस्तावेज नहीं मिलने पर आवेदक ने 19 अप्रैल 2025 को केन्द्रीय सूचना आयोग, नई दिल्ली में द्वितीय अपील दायर की। आयोग में सूचना आयुक्त स्वागत दास के समक्ष 22 अक्टूबर 2026 को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए सुनवाई हुई जिसमें अपीलकर्ता फुलवानी ने अपनी पैरवी खुद की। रेलवे प्रशासन ने अपने लिखित जवाब में स्वीकार किया कि आवेदक को वर्ष 2017-18 की बोनस राशि 17,951 रुपये का भुगतान पूरक बिल संख्या 33032500093 दिनांक 28.01.2025 के माध्यम से किया गया है, जिसका CO6 नंबर 3303724003070 है। रेलवे ने विलंब के लिए खेद भी व्यक्त किया। सभी तथ्यों को सुनने के बाद सूचना आयुक्त ने अपने निर्णय में कहा कि CPIO और प्रथम अपीलीय प्राधिकारी ने मांगी गई विशिष्ट सूचना का समय पर और बिंदुवार जवाब नहीं दिया, जो आरटीआई अधिनियम के प्रावधानों के खिलाफ है। आयुक्त ने यह तथ्य भी दिया कि भुगतान अंततः कर दिया गया, CPIO को समय पर जवाब देने की जिम्मेदारी से मुक्त नहीं करता। केंद्रीय सूचना आयोग ने प्रतिवादी को आदेश दिया कि वह अपीलकर्ता को पहले दिए गए दस्तावेजों की प्रमाणित प्रतियां इस आदेश की प्राप्ति के एक सप्ताह के भीतर निःशुल्क उपलब्ध कराए।

'मैं हमेशा के लिए शर्मसार' जान्हवी ने माना 'पेद्दी' में औरतों को 100% वस्तु की तरह दिखाया गया

जान्हवी ने 'पेद्दी' के लुक पर तोड़ी चुप्पी



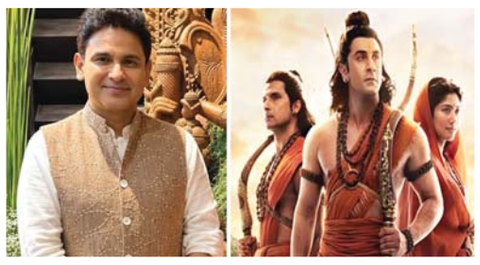
बॉलीवुड एक्ट्रेस जान्हवी कपूर बीते दिनों अपनी फिल्म 'पेद्दी' को लेकर विवादों में रहीं। फिल्म में जिस तरह उनके शरीर को दिखाया, लोग उस पर खूब बिफरे। मेकर्स ने भी माफी मांगी। अब वरुण धवन के साथ 'कॉफी विद करण 9' के तीसरे एपिसोड में पहुंचीं जान्हवी ने इस पूरे विवाद पर पहली बार खुलकर बात की। जान्हवी ने माना कि 'पेद्दी' में उनके किरदार को जरूरत से ज्यादा 'ऑब्जेक्टिफाई' किया गया। कहानी में उनके किरदार को दिखाने का तरीका सही नहीं था। जान्हवी ने यह भी कहा कि इस पूरे मामले को लेकर उन्हें काफी बुरा लगा और 'हमेशा के लिए शर्मसार' रहेंगी। 29 साल की एक्ट्रेस ने यह भी स्वीकार किया कि उन्हें शूट के वक्त इन चीजों को लेकर 'ज्यादा सतर्क' रहना चाहिए था। 'पेद्दी' में जान्हवी कपूर को देखकर दर्शकों का कहना था कि फिल्म में उनके किरदार की कहानी और पर्सनैलिटी पर ध्यान देने के बजाय उनके शरीर को ज्यादा दिखाया गया। वहीं, इससे पहले शो के दूसरे एपिसोड में रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा भी 'पेद्दी' को लेकर चर्चा कर चुके हैं। इस दौरान रश्मिका ने बताया था कि वह किसी भी फिल्म में काम करने से पहले अपनी बाउंड्रीज तय कर लेती हैं। वहीं, दोनों ने अपनी पर्सनल लाइफ से जुड़ी बातें भी शेयर की थीं। अब जान्हवी ने उम्मीद जताई कि उनके इस अनुभव से दूसरे फिल्ममेकर्स भी सीख लेंगे और आगे किसी भी लीड एक्ट्रेस को पर्दे पर इस तरह दिखाने से पहले दो बार जरूर सोचेंगे। शो के होस्ट करण जौहर ने जब जान्हवी कपूर से पूछा कि उन्होंने फिल्म को लेकर हुए विवाद को कैसे संभाला, तो एक्ट्रेस ने कहा, 'मुझे लगता है कि बहुत से लोगों ने उस फिल्म पर कड़ी मेहनत की थी, और मुझे समझ नहीं आ रहा था कि इस पर क्या कहूं। इस तरह की कहानी का हमारे समाज पर जो नकारात्मक असर पड़ सकता है, वह मेरे मन पर एक भारी बोझ की तरह है , खासकर मेरे जेंडर के संदर्भ में। वह शर्मिंदगी हमेशा मेरे साथ रहेगी। क्या मैं कुछ और कर सकती थी? क्या मैं और ज्यादा सतर्क रह सकती थी? बिल्कुल, हां। क्या यह समस्यापूर्ण था? क्या यह हद से ज्यादा ऑब्जेक्टिफिकेशन था? क्या इसने कहानी के ज़रिए यौन उत्पीड़न को भी बढ़ावा दिया? हां।' उन्होंने आगे कहा, 'लेकिन अब मैं बस इतना ही कर सकती हूं कि यह सुनिश्चित करूं कि ऐसा दोबारा कभी न हो।' जान्हवी कपूर ने बताया कि फिल्म को लेकर आलोचनाएं शुरू होने के बाद उन्होंने खुद को काफी दोष दिया। एक्ट्रेस ने कहा, 'मैंने खुद को बहुत कोसा कि मुझे और ज्यादा सतर्क रहना चाहिए था। मुझे ऐसा कहना अच्छा नहीं लगता क्योंकि ऐसा लग सकता है कि मैं अपनी जिम्मेदारी दूसरों पर डाल रही हूं, लेकिन बात यह है कि आपको निर्देशक की बात माननी पड़ती है। जैसे-जैसे मुझे जानकारी मिलती गई, मैं कोशिश करती रही कि चीजें कम से कम समस्यापूर्ण हों। साउथ में, शायद ही कभी कोई पूरी तरह से बाउंड स्क्रिप्ट मिलती है। वहां कैमरा एंगल भी शायद ही कभी देखने को मिलते हैं। मुझे अपनी स्थिति का फायदा उठाना चाहिए था। एक तरह से, यह मेरे लिए बहुत ही अपमानजनक अनुभव था। इसका एक अच्छा नतीजा यह निकला कि शायद अगली बार कोई भी निर्देशक किसी मुख्य अभिनेत्री को इस तरह से पेश करने से पहले दो बार ज़रूर सोचेगा।'

मनोज मुंतशिर ने किया 'आदिपुरुष' के गानों का बचाव, बिना नाम लिए..

गीतकार और लेखक मनोज मुंतशिर ने उन लोगों को करारा जवाब दिया है, जो नितेश तिवारी की अपकमिंग फिल्म 'रामायण' से तुलना करते हुए 'आदिपुरुष' के गानों पर सवाल उठा रहे हैं। गीतकार और संवाद लेखक ने माना कि प्रभास की 2023 वाली यह फिल्म बहुत खराब थी और इसके संवाद तो और भी बुरे थे, मगर उनका कहना है कि इसके गाने पूरी श्रद्धा के साथ लिखे गए थे, इसलिए उन पर सवाल नहीं उठाया जाना चाहिए। यह विवाद 25 अक्तूबर को शुरू हुआ, जब मुंतशिर ने 'आदिपुरुष' का गाना 'तू है शीतल धारा' सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर शेयर किया। उसी दिन 'रामायण' की टीम ने 'मंगल रंग' गाना रिलीज किया, जिसके बाद कई यूजर्स ने इसके समय (टाइमिंग) पर सवाल उठाए और 'आदिपुरुष' के उन संवादों का जिक्र किया, जिन्हें लेकर मुंतशिर की काफी आलोचना हुई थी।

'रामायण' के गानों पर कैसी प्रतिक्रिया मिली ?

'रामायण पार्ट वन' के गानों को मिली-जुली प्रतिक्रिया मिली है। इन गानों को ए.आर. रहमान और हंस जिमर ने संगीत दिया है। कुछ लोगों ने शुरुआत में इनकी आलोचना की। यूजर्स का इल्जाम था गानों में 'कुन फाया कुन' कव्वाली वाली धुन जैसा म्यूजिक है। हालांकि बाद में दर्शकों को यह गाने पसंद आने लगे। 'मंगल रंग' को मिली प्रतिक्रिया और 'आदिपुरुष' के प्रचार की तुलना करने वाली एक रिपोर्ट पर मुंतशिर की नजर पड़ी और उन्होंने इसका जवाब दिया।



क्या बोले मनोज मुंतशिर?

एक्स पर मनोज मुंतशिर ने लिखा, 'मनोज मुंतशिर स्टाइल का स्टंट? खुद को सबसे बेहतरीन बताने वाले न्यूज चैनल ने उतनी ही अज्ञानता भरी बात कही है, जितनी कि अनपढ़ भीड़ करती है।' इसके बाद उन्होंने स्पष्ट किया कि उनका इरादा पूरी फिल्म का बचाव करने का नहीं है। उन्होंने लिखा, 'भाई काश मेरा वह स्टंट 'रामायण' के गानों में भी दोहराया गया होता। 'आदिपुरुष' एक बहुत खराब फिल्म थी, इसके संवाद और भी बुरे थे मगर इसके गाने, इन्हें तो देश का हर बच्चा गाता है। कभी अयोध्या जाकर देखिए, वहां हर गली में आपको 'आदिपुरुष' के ही गाने बजते सुनाई देंगे।'

'महाभारत' के दुर्योधन पुनीत बोले- नसीरुद्दीन शाह नक्सल-समर्थक विचारों को चुनते हैं

उनकी सोच एकतरफा



बी आर चोपड़ा की 'महाभारत' में दुर्योधन का किरदार निभाने वाले दिग्गज एक्टर पुनीत इस्सर ने नसीरुद्दीन शाह के हालिया बयानों पर नाराजगी जताई है। 66 साल के पुनीत ने यह भी कहा कि नसीर साहब उनके सीनियर और टीचर रहे हैं, लेकिन वह जिस तरह देश के 'सेलेक्टिव' मुद्दों पर बयानबाजी कर रहे हैं, वह गलत है। पुनीत इस्सर ने जामिया मिलिया इस्लामिया यूनिवर्सिटी में छात्रों के भूख हड़ताल पर नसीरुद्दीन शाह की हालिया टिप्पणी पर दो टूक शब्दों में कहा कि दिग्गज एक्टर की सोच एकतरफा, वामपंथी और नक्सल-समर्थक विचारों वाले हैं। 'बिग बॉस 8' में नजर आ चुके पुनीत ने मोदी सरकार का समर्थन किया और कहा कि इस देश की जनता ने इसे चुना है और चुनकर सत्ता में भेजा है। उन्होंने JNU के छात्रों और कथित 'टुकड़े टुकड़े गैंग' का भी जिक्र किया है। पुनीत का यह बयान तब आया है, जब दो दिन पहले नसीरुद्दीन शाह ने फेसबुक पर एक वीडियो शेयर कर जामिया मिल्लिया इस्लामिया यूनिवर्सिटी के छात्रों का समर्थन किया है। दिल्ली स्थित विश्वविद्याल के छात्र भूख हड़ताल पर हैं। वह 12 अक्टूबर से ही छात्र संघ को बहाल करने की मांग को लेकर आंदोलन कर रहे हैं। नसीर साहब ने अपने वीडियो में मोदी सरकार पर हमला बोलते हुए कहा, 'मैं फख्र के साथ कहता हूं, मैं दिमागी नक्सल हूं। दिमागी नक्सल के अलावा मालूम नहीं क्या-क्या लफ्ज दिए हैं चौकीदार ने मुझ जैसे लोगों को, एंटी-नेशनल, टुकड़े-टुकड़े गैंग और मालूम नहीं क्या-क्या।' पुनीत ने नसीरुद्दीन शाह को दो टूक सलाह दी है। कहा, 'सबसे पहली बात तो यह है कि नसीरुद्दीन शाह साहब हमारे सीनियर हैं। वे हमारे शिक्षक रहे हैं, उनका सम्मान है और वे एक बहुत बेहतरीन कलाकार हैं। लेकिन मेरा बस इतना कहना है कि जब आप अपनी बात रखते हैं, तो आपको सेलेक्टिव नहीं होना चाहिए।'

4 साल बाद अक्षय के साथ बनेगी इस एक्ट्रेस की जोड़ी

किसी भी फिल्म के लीड एक्टर और लीड एक्ट्रेस के मामले अक्सर सिनेमाई गलियारे में चर्चा का विषय बनते हैं। फिलहाल इस मामले में अक्षय कुमार और निर्देशक प्रियदर्शन की आगामी अनटाइटल फिल्म छाई हुई है। रिपोर्ट के अनुसार ये दावा किया जा रहा है कि इस फिल्म में बॉलीवुड की मशहूर अदाकारा भूमि पेडनेकर लीड रोल प्ले करती नजर आएंगी। हालांकि, अभी इस मामले की आधिकारिक पुष्टि होना बाकी है। अगर ऐसा होता है तो भूमि 4 साल बाद अभिनेता अक्षय कुमार के साथ सिल्वर स्क्रीन पर वापसी करती नजर आएंगी।

रणबीर ने कहा 'मेरी बेटी राहा रोज सुबह सुनती है हनुमान चलीसा'

बॉलीवुड एक्टर रणबीर कपूर अपनी फिल्मों के साथ-साथ निजी जिंदगी को लेकर भी चर्चा में रहते हैं। आलिया भट्ट के साथ उनकी शादी और दोनों की बेटी राहा अक्सर सुर्खियों में रहती हैं। अब रणबीर ने अपनी शादी और रिश्तों को लेकर कुछ ऐसी बातें शेयर की हैं, जो उनके लिए काफी मायने रखती हैं। रणबीर ने 'कौन बनेगा करोड़पति' शो में आलिया को प्रपोज करने के दौरान तस्वीर खींचे जाने की कहानी सुनाई। रणबीर ने ये भी बताया कि राहा हर सुबह की शुरुआत हनुमान चलीसा से करती है। रणबीर ने इसी दौरान आलिया को प्रपोज करने वाली तस्वीर के बारे में बातें कीं। उन्होंने अमिताभ से बातें करते हुए कहा, 'मैंने पहले से ही जो मेरा गाइड था, ड्राइवर उनको मैंने एक टिप दे दी थी कि आप कहीं जाकर रोक देना बीच जंगल में।'

बोले- मेरी शेरनी आलिया सामने थी, मैं चूहा..



मैं चूहा बनकर अपने घुटनों पर खड़ा था'

रणबीर ने आलिया को प्रपोज करने वाली तस्वीर का सच पहली बार दुनिया को सुनाते हुए कहा, 'मैं अंगूठी लाया था कि मैं अपने घुटनों पर जाऊंगा और आप दूर से फोटोग्राफ खींचना। क्योंकि लड़कियों को फोटोग्राफ का बहुत शौक है, इंस्टाग्राम पर डालने का। तो मैंने सोचा कि ये बहुत जरूरी था आलिया के लिए। लेकिन सर, माहौल ऐसा था कि तीन बब्बर शेर इस तरफ थे, मेरी शेरनी मेरे आगे खड़ी थी और मैं चूहा बनकर अपने घुटनों पर खड़ा था कि बेबी क्या मेरे से शादी करोगी? तो ये मेरी जिंदगी का अद्भुत अनुभव रहा था।'

दिलजीत ने दिल्ली वाले कॉन्सर्ट के लिए करवाई मेट्रो की स्पेशल..

कितने बजे शुरू होगा दिलजीत का दिल्ली वाला कॉन्सर्ट ?



लोगों को शाम 4 बजे तक जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम पहुंचने को कहा गया है। आपको अपना आधार कार्ड ले जाना होगा। इसके साथ ही टिकट या फिर मेल पर आया बुकिंग कन्फर्मेशन का स्क्रीनशॉर्ट साथ रखना होगा। बुक माय शो के मुताबिक, दिलजीत दोसांझ का कॉन्सर्ट ढाई घंटे चलेगा। बीच में मुश्किल से 15 मिनट की ब्रेक होगी।

दिलजीत दोसांझ के कॉन्सर्ट के लिए दिल्ली मेट्रो की स्पेशल व्यवस्था की गई है। दिलजीत का शो 30 अक्टूबर को जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में होने वाला है। जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम के आस-पास पार्किंग की व्यवस्था नहीं है। ऐसे में दिल्ली मेट्रो जो रात 11 बजे बंद हो जाती हैं, वो रात के 12 बजे तक चालू रहेंगी। दिलजीत ने खुद इस बारे में बताया है और लोगों से मेट्रो से आने की अपील की है। दिलजीत ने कहा, 'हमें दिल्ली पुलिस ने कहा है कि हम आपको ये रिक्वेस्ट कर दें। जो मेट्रो है न वो हमारे शोज के लिए रात को 12 बजे तक ओपन कर दी है। वेन्यू यानी जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में पार्किंग की सुविधा नहीं है। तो आपको वहां पार्किंग नहीं मिलेगी इसलिए अगर आप मेट्रो से आएंगे तो आपको सुविधा होगी। बहुत नजदीक में है मेट्रो जेएलएन स्टेडियम के। तो आप मेट्रो से उतरेंगे, झट से आकर डांस किया, गाना गाया और भंगड़े पाए, फिर मेट्रो में बैठकर वापस चले गए। सबसे आसान आपको मेट्रो वाला रूट ही पड़ेगा और 12 बजे तक मेट्रो ओपन रहेंगी।'

करवा चौथ पर प्रियंका ने हाथों पर सजाई निक के नाम की मेहंदी

अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा हर साल की तरह इस साल भी करवा चौथ का त्योहार मना रही हैं। अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पर कर करवा चौथ स्पेशल मेहंदी की एक झलक शेयर की। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम स्टोरीज सेक्शन पर एक तस्वीर पोस्ट की, जिसमें वह अपने हाथ में पकि निक जोनस के नाम की मेहंदी लगाए हुए हैं। अभिनेत्री ने लिखा, पिया के नाम की.. करवा चौथ मना रहे सभी को हैप्पी करवा चौथ।



एक और इंस्टाग्राम स्टोरी में एक्ट्रेस ने..

मेहंदी की क्लोज लुक वाली तस्वीर शेयर की और उसके रंग को गहरा करने से जुड़ी एक पारंपरिक मान्यता के बारे में पूछा। उन्होंने लिखा, सवाल ये है कि क्या चाशनी काम करेगी? ग्लोबल आइकन प्रियंका चोपड़ा ने मेहंदी लगाने पर नींबू और चीनी का घोल (या चाशनी) कि बात की है। दरअसल, मेहंदी लगाने के बाद उस पर नींबू और चीनी का घोल (या चाशनी) इसलिए लगाई जाती है ताकि मेहंदी लंबे समय तक त्वचा से चिपकी रहे और उसका रंग गहरा और पक्का आए। जब मेहंदी सूखने लगती है तो वह पपड़ी बनकर झड़ने या टूटने लगती है। चीनी के चिपचिपेपन के कारण मेहंदी त्वचा पर लंबे समय तक टिकी रहती है और जल्दी नहीं उखड़ती। मेहंदी का रंग देने वाला मुख्य तत्व 'लॉसोन' तभी तक रंग छोड़ता है जब तक वह नम रहती है। सूखी मेहंदी रंग छोड़ना बंद कर देती है। चाशनी मेहंदी को सूखने से बचाए रखती है और उसे नम रखती है।

प्रियंका, जिनकी शादी अमेरिकी सिंगर निक जोनस से हुई है, : अक्सर विदेश में रहते हुए भी अपनी परंपराओं को जिंदा रखने की कोशिश करती हैं और यह भी सुनिश्चित करती हैं कि उनकी बेटी मालती मैरी भी भारतीय परंपराओं और त्योहारों से जुड़ी रहे। इससे पहले एक्ट्रेस ने अपने लॉस एंजिल्स वाले घर पर हुए दशहरे के और दुर्गा पूजन किया था। इसके बाद उन्होंने हवन के साथ-साथ कन्या पूजन भी किया था। इस पूरी पूजा में अभिनेत्री के साथ उनकी बेटी मालती और पति निक जोनस भी शामिल हुए थे।

विजय-रश्मिका से स्टेबिन-नूपुर तक, शादी के बाद पहली बार त्योहार मनाएंगे यह सेलिब्रिटी कपल

करवा चौथ का त्योहार आज मनाया जा रहा हैं। इस खास मौके पर शादीशुदा महिलाएं अपने पति की लंबी उम्र और खुशहाल वैवाहिक जीवन की कामना करते हुए व्रत रखती हैं। आम लोगों की तरह बॉलीवुड और टीवी इंडस्ट्री में भी इस त्योहार की खास रौनक देखने को मिलती है। खास बात ये है कि आज का दिन मशहूर सेलिब्रिटी कपल्स के लिए करवा चौथ बेहद खास होने वाला है, क्योंकि शादी के बाद यह उनका पहला करवा चौथ होगा। इस लिस्ट में रश्मिका मंदाना-विजय देवरकोंडा से लेकर कृतिका कामरा-गौरव कपूर और अर्जुन रामपाल-गैब्रिएला डेमेट्रिएड्स तक के नाम शामिल हैं।



रश्मिका और विजय

साउथ सिनेमा के चर्चित कपल रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा इस साल 26 फरवरी को शादी के बंधन में बंधे थे। दोनों ने राजस्थान के उदयपुर में परिवार और करीबी दोस्तों की मौजूदगी में शादी रचाई। अब शादी के बाद आज दोनों का पहला करवा चौथ है।

नूपुर और स्टेबिन

बॉलीवुड एक्ट्रेस कृति सेनन की छोटी बहन नूपुर और मशहूर सिंगर स्टेबिन बेन ने भी इसी साल अपने रिश्ते को शादी का नाम दिया। दोनों ने जनवरी 2026 में उदयपुर में शादी रचाई थी। कपल ने अपनी शादी में दो अलग-अलग परंपराओं को शामिल किया। पहले क्रिश्चियन रीति-रिवाजों से शादी हुई और फिर हिंदू परंपराओं के अनुसार विवाह की रस्में निभाई गईं। अब नूपुर और स्टेबिन के लिए भी आज करवा चौथ शादी के बाद पहला होगा।

आकांक्षा और शरण

एक्ट्रेस आकांक्षा रंजन कपूर और फिल्म डायरेक्टर शरण शर्मा ने 11 जुलाई, 2026 को शादी रचाई थी। दोनों ने मुंबई स्थित अपने घर के गार्डन में परिवार और करीबी दोस्तों की मौजूदगी में सात फेरे लिए। खास बात यह रही कि कपल ने शादी के लिए वही तारीख चुनी, जिस दिन चार साल पहले उनके रिश्ते की शुरुआत हुई थी। यह कपल अपना पहला करवा चौथ आज मना रहा है।

कृतिका और गौरव

टीवी और ओटीटी की मशहूर अभिनेत्री कृतिका कामरा ने 11 मार्च, 2026 को स्पोर्ट्स प्रेजेंटर गौरव कपूर से शादी की थी। दोनों ने मुंबई स्थित अपने घर में सादगी से रजिस्टर्ड मैरिज की थी। अब कृतिका और गौरव के लिए भी आज पहला करवा चौथ बेहद खास है।

अर्जुन और गैब्रिएला

बॉलीवुड अभिनेता अर्जुन रामपाल और उनकी लॉन्ग टाइम पार्टनर गैब्रिएला डेमेट्रिएड्स भी इस लिस्ट में शामिल हैं। दोनों ने करीब आठ साल तक एक-दूसरे को डेट करने के बाद 21 अगस्त, 2026 को गोवा में अपनी शादी रजिस्टर कराई थी। अब शादी के बाद आज उनका पहला करवा चौथ होगा।

न ही एक्ट्रेस बनने का सपना, न फिल्मी बैकग्राउंड... एक होर्डिंग ने ऐसे चमकाई कृति खरबंदा की किस्मत



अभिनेत्री कृति खरबंदा आज अपना जन्मदिन मना रही हैं। कृति ने अपने करियर में कई उतार-चढ़ाव देखे हैं। उन्होंने हिंदी फिल्मों में पहचान बनाने से पहले तेलुगु और कन्नड़ सिनेमा में काम किया। कभी वह अपनी खूबसूरती और मॉडलिंग को लेकर चर्चा में रहीं, तो कभी अपने अभिनय से दर्शकों का दिल जीता। कृति का फिल्मों में आने का कोई इरादा नहीं था। वह अपनी पढ़ाई पूरी कर रही थीं और मॉडलिंग भी करती थीं। इसी दौरान एक विज्ञापन के होर्डिंग पर लगी उनकी तस्वीर ने एक फिल्ममेकर का ध्यान खींचा और यहीं से उनके फिल्मी करियर की शुरुआत का रास्ता खुला। कृति खरबंदा का जन्म 29 अक्टूबर 1990 को दिल्ली में हुआ था। उन्होंने स्कूली पढ़ाई पूरी करने के बाद ज्वेलरी डिजाइनिंग में डिप्लोमा हासिल किया। अभिनय की दुनिया में कदम रखने से पहले ही वह विज्ञापनों में काम करने लगी थीं। बचपन में उन्होंने एक आइसक्रीम के विज्ञापन में काम किया था। इसके बाद उन्होंने मॉडलिंग जारी रखी और कई ब्रांडों के विज्ञापनों में नजर आईं। कृति ने एक इंटरव्यू में बताया था कि चेन्नई में एक सुपरमार्केट चेन के विज्ञापन वाले होर्डिंग पर उनकी तस्वीर लगी थी। फिल्ममेकर राज पिपल्ला की नजर उस तस्वीर पर पड़ी। उस समय वह अपनी तेलुगु फिल्म के लिए नई अभिनेत्री की तलाश कर रहे थे। कृति की तस्वीर देखने के बाद उनकी टीम ने उनसे संपर्क किया और ऑडिशन के लिए बुलाया। शुरुआत में कृति को लगा कि शायद उनके साथ मजाक हो रहा है, लेकिन जब वह हैदराबाद पहुंचीं तो उन्हें समझ आया कि फिल्ममेकर उन्हें सच में अपनी फिल्म में लेना चाहते हैं। कृति ने ऑडिशन दिया और करीब 150 लड़कियों में से उनका सेलेक्शन हुआ। परिवार की सलाह के बाद उन्होंने यह मौका स्वीकार कर लिया। इस तरह 2009 में आई तेलुगु फिल्म 'बोनी' से उनके अभिनय करियर की शुरुआत हुई। फिल्म में उनके साथ सुमंत नजर आए थे। 'बोनी' के बाद कृति ने 2010 में कन्नड़ फिल्म 'चिरू' से वहां के सिनेमा में कदम रखा। इसके बाद उन्होंने तेलुगु और कन्नड़ फिल्मों में लगातार काम किया।

'विवेक पूर्वक शुद्ध खानपान करना श्रावक का कर्तव्य'

सीकर, समाचार जगत ब्यूरो. आचार्य श्री वर्धमान सागर जी संघ सहित दंग की नसिया पारस भवन में विराजित है। प्रातः काल से श्रीजी का अभिषेक,पूजन के पश्चात आचार्य श्री एवं संघ के साधुओं के प्रवचन होते हैं। आचार्य श्री वर्धमान सागर जी ने धर्म सभा में बताया कि श्रोता श्रावक को तीर्थंकर भगवान की वाणी, देशना अनुसार आचार्य परमेष्ठी द्वारा धर्म उपदेश दिया जाता है।



श्रावक को श्रद्धावान ,विवेकवान और क्रियावान होना चाहिए,देखा जाता है कि श्रावकों को द्वारा धर्म उपदेश का पालन नहीं किया जाता है। तीर्थंकर जैन कुल में जन्म लेने के बाद खानपान, द्रव्य, क्षेत्र , काल अनुसार शुद्धता का रखना चाहिए कि द्रव्य अर्थात भोजन सामग्री आप कब,क्या ,कैसे खा रहे हैं इसका विवेक ,भोजन में शुद्धता होना जरूरी है। डॉ राजेश पंचोलिया के अनुसार आचार्य श्री ने आगे बताया कि पहले के बुजुर्ग अनाज लाने के बाद धोकर उसे सुखाते थे, सूखने के बाद उपयोग में लेते थे।आजकल रेडीमेड अनाज पिसा हुआ आना लगा है, उसकी कितनी शुद्धता है इसका कोई ध्यान नहीं रखता है। क्षेत्र से आशय यही है कि जिस स्थान पर आप भोजन कर रहे हैं वहाँ कैसा निर्माण हो रहा है उसका भी ध्यान रखना जरूरी है। आजकल उम्र ओर अनुभव की उपेक्षा होती हैं। कहावत भी है कि जैसा खाए अन्न वैसा होवे मन ,जैसे पिए पानी वैसे हो वाणी। अहिंसा परमो धर्म सिद्धांत का पालन कर खान-पान शुद्ध रखने से आरोग्यता स्वास्थ्य लाभ होता है पुण्यार्जक परिवारों द्वारा दीप प्रवज्जलन कर आचार्य श्री के चरण प्रक्षालन कर जिनवाणी भेंट की। आचार्य श्री के प्रवचन के पूर्व आर्यिका श्री देशना मति माताजी ने बताया कि मेरी भावना में सच्चे देव शास्त्र गुरु का स्वरूप बताया गया है सच्चे गुरु समता रूपी धन रखते हैं राजा श्रेणिक ने मुनि के गले में मरा हुआ सर्प डाला,रानी चेलना ने सर्प को हटाया मुनिश्री ने उपसर्ग करने वाले और उपसर्ग दूर करने वाले दोनों को एक समान आशीर्वाद दिया।श्रावक को आहार भावपूर्वक नवधा भक्ति से देना चाहिए।

वंदे मातरम कलाकृति का अवलोकन



108 आचार्य श्री वर्धमान सागर जी ने पारस भवन में सूक्ष्म लेखन कलाकार नीरू छाबड़ा द्वारा बनाई कलाकृति का अवलोकन किया। कलाकृति में चावलों पर 'राष्ट्र गीत व राष्ट्रगान के साथ देश की समस्त लिपियों में वंदे मातरम लिखा हुआ है । कलाकृति देख आचार्य श्री वर्धमान सागर जी ने पंजिका पुस्तिका में लिखा । इस मौके पर पांच प्रतिमा धारी शशि जैप , कैलाश छाबड़ा, विनोद धाकडा सुनील छाबड़ा साथ में थे।

RK GROUP
परमपूज्य आचार्यश्री के श्रीचरणों में बारम्बार नमोस्तु
अशोक पाटनी, सुरेश पाटनी, विमल पाटनी
आर.के. मार्बल ग्रुप. मदनगंज - किशनगढ़ (अजमेर)
WONDER CEMENT
FARQ NAZAR AAYEGA

जम्मू-कश्मीर: उमर सरकार को बड़ा झटका

सांसद सैयद रुहुल्ला मेहदी तीन नवंबर को इस्तीफा देंगे



एजेन्सी

जम्मू। उमर सरकार के मंत्रिमंडल विस्तार से उपजी अंतर्कलह के बीच नेशनल कॉन्फ्रेंस को एक और बड़ा झटका लगा है। पहले से बागी तेवर अपना चुके सांसद आगा सैयद रुहुल्ला ने तीन नवंबर को पार्टी और लोकसभा की सदस्यता से इस्तीफा देने का ऐलान कर दिया है। रुहुल्ला ने कहा कि न पार्टी ने अपने रवैये में बदलाव लाया है और न मैंने अपना कोई इरादा बदला है। रुहुल्ला ने मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला द्वारा मंत्रिमंडल में विस्तार किए जाने के बाद पार्टी में पैदा हुए रोष को स्वभाविक बताते हुए कहा कि इसमें कुछ भी हैरान करने वाला नहीं है। कल तक मैं अकेला कहता था कि कुछ लोग इस पार्टी को बर्बाद कर रहे हैं, आज पार्टी में अन्य विधायक भी कह रहे हैं। उन्होंने कहा कि मैं किसी भी नाराज विधायक के साथ संपर्क में नहीं हूं और न मैं पार्टी तोड़ने जा रहा हूं। बता दें कि तीन नवंबर को रुहुल्ला के पिता की बरसी है, जिनकी वर्ष 2000 में एक आतंकी हमले में मौत हो गई थी। उसी दिन रुहल्ला इस्तीफा देने जा रहे हैं। रुहुल्ला जम्मू-कश्मीर में शिया समुदाय के एक बड़े वर्ग के धर्मगुरु भी हैं। रुहुल्ला ने कहा कि नेशनल कान्फ्रेंस ने 2024 के विधानसभा चुनाव के घोषणापत्र में जम्मू-कश्मीर के विशेष संवैधानिक दर्जे की बहाली और राज्य का दर्जा वापस दिलाने के लिए प्रयास करने का वादा किया था। उन्होंने कहा कि मैं स्वयं घोषणापत्र तैयार करने की प्रक्रिया में शामिल था, लेकिन आज पार्टी अपने इस वादे से पीछे हट चुकी है। आरक्षण को युक्तिसंगत बनाने के मामले को ठंडे बस्ते में डाल दिया गया है। उन्होंने कहा कि मैंने पार्टी के मूल राजनीतिक एजेंडे की बात की, सिद्धांतों की बात की, जो कई लोगों को रास नहीं आती है और इसीलिए मुझे दरकिनार करने का प्रयास किया गया।

फारूक ने दी थी इस्तीफा देकर चुनाव लड़ने की चुनौती: इसी वर्ष 26 अगस्त को पार्टी अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने रुहुल्ला के बगावती सुर को देखते हुए उन्हें इस्तीफा देकर दोबारा चुनाव लड़ने की चुनौती दी थी। इसके बाद दोनों के बीच मतभेद और खुलकर सामने आए। रुहुल्ला ने चुनौती स्वीकारते हुए कहा था कि वह तीन नवंबर को इस्तीफा दे देंगे। रुहुल्ला हालिया बडगाम विधानसभा उपचुनाव में पार्टी उम्मीदवार आगा सैयद महमूद के प्रचार से भी दूर रहे और नतीजा चुनाव में नेकां को पीडीपी उम्मीदवार आगा सैयद मुंतजिर के हाथों हार मिली थी।

स्कॉर्पियो पलटने से मां-बेटे की मौत, 3 घायल

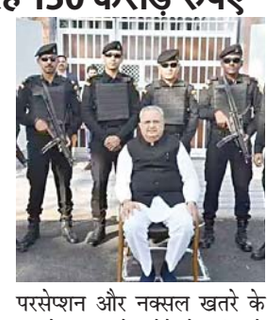
गाजीपुर, एजेंसी। उदघाटन से पहले ही गाजीपुर-बलिया ग्रीन फील्ड एक्सप्रेस-वे पर जंगीपुर के पास बलिया से आ रही अनियंत्रित स्कार्पियो दुर्घटनाग्रस्त हो गई। हादसे में मां- बेटेकी मौत हो गई, जबकि चालक समेत तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। बुधवार की रात ग्रीन फील्ड एक्सप्रेस वे पर बलिया से बनारस जा रही स्कॉर्पियो दुर्घटना ग्रस्त होकर पलट गई। सूचना मिलते ही जंगीपुर पुलिस मौके पर पहुंची और सभी घायलों को जिला चिकित्सालय गाजीपुर भिजवाया। जहां डॉक्टरों ने दो लोगों को मृत घोषित कर दिया। शेष घायलों को बेहतर इलाज के लिए वाराणसी रेफर किया गया है।

नेमार पर बड़ा एक्शन: मुंह ढककर की थी बहस, तीन मैच नहीं खेल पाएंगे

रियो डी जेनेरियो,एजेंसी। ब्राजील के दिग्गज फुटबॉलर नेमार जूनियर को मैदान पर प्रतिद्वंद्वी खिलाड़ी से बहस के दौरान मुंह ढकना भारी पड़ गया। ब्राजील की स्पोर्ट्स ट्रिब्यूनल ने इस मामले में उन पर दो मैचों का अतिरिक्त प्रतिबंध लगाया है। येलो कार्ड जमा होने के कारण पहले से एक मैच का बैन झेल रहे नेमार अब कुल तीन मुकाबलों से बाहर रहेंगे। यह विवाद 25 अक्तूबर को बाहिया और सैंटोस के बीच आयोजित मैच के दौरान हुआ था। इस मामले में कार्रवाई की वजह एक खास प्रोटोकॉल है, जिसे रियल मैड्रिड के स्टार विनीसियस जूनियर से जुड़े विवाद के बाद बनाया गया था। ट्रिब्यूनल के मुताबिक, नेमार जूनियर का मुंह ढककर प्रतिद्वंद्वी से से बहस करना इस प्रोटोकॉल का उल्लंघन था।

देश में जम्मू-कश्मीर के बाद छत्तीसगढ़ में नेताओं को सबसे ज्यादा सुरक्षा, हर साल पानी की तरह बह रहे 150 करोड़ रुपए

एजेन्सी



रायपुर। छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद कमजोर होने या खत्म होने के दावे के बीच राजनेताओं की सुरक्षा पर होने वाला भारी-भरकम खर्च एक बार फिर चर्चा का विषय बन गया है। स्थिति यह है कि बस्तर में सरपंच, पंचायत सचिव, मंडल अध्यक्ष और जिलाध्यक्ष जैसे छोटे पदों पर रहे नेताओं को भी वीआईपी सुरक्षा दी गई है। अकेले बस्तर में ऐसे 250 से ज्यादा नेताओं की सुरक्षा में 1000 से अधिक जवान तैनात हैं, जिनके वेतन और वाहनों पर सालाना 100 करोड़ रुपए खर्च हो रहे हैं। पूरे प्रदेश की बात करें तो करीब 400 नेताओं की सुरक्षा में 1550 से ज्यादा पुलिसकर्मी और 500 से अधिक वाहन लगे हुए हैं। इन पर हर साल कुल 150 करोड़ रुपए का खर्च आ रहा है। चौंकाने वाली बात यह है कि देश में जम्मू-कश्मीर के बाद छत्तीसगढ़ ही ऐसा दूसरा राज्य है, जहां राजनेताओं की सुरक्षा में सबसे भारी संख्या में पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं। जम्मू-कश्मीर में करीब 1000 नेताओं को सुरक्षा मिली हुई है। छत्तीसगढ़ में थ्रेट परसेप्शन और नक्सल खतरे के चलते बस्तर के छोटे नेताओं को भी 'वाई' श्रेणी की सुरक्षा दी गई थी। राज्य के कई दिग्गज नेताओं और जनप्रतिनिधियों को कड़े सुरक्षा घेरे मिले हैं।

एक तरफ फोर्स की कमी, दूसरी तरफ सुरक्षा में लगे जवान: राज्य के पुलिस महकमे में मौजूदा समय में लगभग 25 प्रतिशत पद खाली चल रहे हैं। पुलिस में 84,000 कर्मियों के पद स्वीकृत हैं, लेकिन पिछले कई सालों से 20 हजार से अधिक पद खाली पड़े हैं।

जानकारों का मानना है कि यदि सुरक्षा में तैनात इन 1550 जवानों को थानों और मैदानी इलाकों में वापस ले लिया जाए, तो पुलिस बल की भारी कमी को काफी हद तक पूरा किया जा सकता है।

महाराष्ट्र एमएलसी चुनाव रिजल्ट बीजेपी के लिए अलार्मिंग

आरएसएस और फडणवीस के गढ़ नागपुर में भी हार

एजेन्सी



मुंबई। महाराष्ट्र में पांच एमएलसी सीटों के चुनाव रिजल्ट सत्ताधारी बीजेपी के लिए आंखें खोलने वाले हैं। एमएलसी प्रत्याशियों को लेकर बीजेपी अपने महायुति सहयोगियों- एकनाथ शिंदे की शिवसेना और एनसीपी- के साथ उलझी थी। सीटों के बंटवारे को लेकर काफी खींचतान हुई। आखिरकर सीटों पर फ्रेंडली मुकाबला हुआ। पुणे ग्रेजुएट्स सीट पर BJP को हार का सामना करना पड़ा। इस सीट पर शरद पवार की एनसीपी प्रत्याशी हर्षदा देशमुख जाधव जीती हैं।

वहीं नागपुर ग्रेजुएट्स सीट पर कांग्रेस प्रत्याशी अभिजीत वंजारी जीते हैं। उन्होंने बीजेपी के कैंडिडेट सुधाकर कोहले को हराया है। नागपुर की हार बीजेपी के लिए सबसे ज्यादा शर्मनाक है। यह मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी का गृह क्षेत्र है। यह मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले का भी गृह नगर है और यहीं आरएसएस का मुख्यालय भी स्थित है। पुणे शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा के कौस्तुभ गावडे चुनाव जीते हैं।

वहीं अमरावती शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से एकनाथ शिंदे की शिवसेना प्रत्याशी किरण सरनाईक को जीत हासिल हुई है। छत्रपति संभाजीनगर (औरंगाबाद) स्नातक सीट शरद पवार की एनसीपी ने जीती और प्रतापसिंह पाटिल एमएलसी बने।

बीजेपी के गढ़ में शर्मनाक हार: पुणे स्नातक, नागपुर स्नातक, छत्रपति संभाजीनगर (औरंगाबाद) स्नातक, पुणे शिक्षक और अमरावती शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों के लिए 23 अक्टूबर को मतदान हुआ था। पांच सीटों के रिजल्ट देखें तो बीजेपी को एक भी सीट पर जीत नहीं मिली है।

इन नतीजों से बीजेपी की उम्मीदवार चयन प्रक्रिया, पार्टी के भीतर असंतोष को संभालने के तरीके और उन क्षेत्रों में अपना समर्थन मजबूत करने की क्षमता पर सवाल खड़े हो रहे हैं। बीजेपी का पारंपरिक गढ़ में पार्टी की हार शर्मनाक है।

पार्टी के अंदर असंतोष बना कारण: बीजेपी के भीतर असंतोष शुरू से ही साफ दिख रहा था, खासकर पुराने वफादार नेताओं को दरकिनार किए जाने को लेकर सवाल उठ रहे थे। चुनावी नतीजों में इन चिंताओं की झलक देखने को मिली है, खासकर नागपुर में, जहां अपनी संगठनात्मक ताकत के बावजूद पार्टी को कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा।

भागे भागे पहुंचे दिल्ली हाईकोर्ट, मिला दो टूक जवाब

कॉकरोच जनता पार्टी से मांगा 50 करोड़ रुपये

समाचार जगत ब्यूरो



नई दिल्ली। हाल के दिनों में कॉकरोच जनता पार्टी के आंदोलन के चलते दिल्ली की सड़कें अस्त-व्यस्त नजर आई थीं। कनॉट-प्लेस और जंतर-मंतर जैसी हाईप्रोफाइल जगहों पर बिजनेस ठप नजर आईं। बताया गया कि सीजेपी के आंदोलन के चलते देश को 2000 करोड़ रुपये तक का नुकसान हुआ। वहीं, इन सब के बीच अब इसी मामले को लेकर एक याचिकाकर्ता वकील राकेश कुमार सैनी दिल्ली हाईकोर्ट पहुंच गए। जहां, उन्होंने कॉकरोच जनता पार्टी से 50 करोड़ रुपये के अंतरिम मुआवजे की मांग कर दी। याचिकाकर्ता ने आरोप लगाते हुए कहा कि दिल्ली में हाल में ही हुए विरोध-प्रदर्शनों की वजह से आम जनता को परेशानी और असुविधा का सामना करना पड़ा। लोगों और व्यापारियों को काफी नुकसान उठाना पड़ा इसलिए सीजेपी को 50 करोड़ रुपये मुआवजे के रूप में देना चाहिए।

दिल्ली हाईकोर्ट ने सुनवाई से किया इनकार: बता दें कि दिल्ली हाईकोर्ट ने इस याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया और कहा कि इसी तरह के मामले पहले से ही सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन हैं, जो विरोध-प्रदर्शनों से जुड़ी कई याचिकाओं पर सुनवाई कर रहा है। पीठ ने कहा कि याचिकाकर्ता अपनी बात सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष रखने के लिए स्वतंत्र है। पीठ ने आगे कहा कि न्यायिक अनुशासन की मांग है कि इस तरह की परिस्थिति में, यह अदालत इस मामले की कार्यवाही से दूर रहे और कोई ऐसा आदेश न दे जो सर्वोच्च न्यायालय के आदेशों से विरोधाभासी हो।

आसियान रक्षा मंत्रियों के सामने गरजे राजनाथ सिंह

ऑपरेशन सिंदूर पाक के स्टेट स्पॉसर्ड आतंकवाद के खिलाफ भारत की स्पष्ट प्रतिक्रिया थी



मनीला, एजेन्सी। भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आसियान देशों के रक्षा मंत्रियों से कहा है कि ऑपरेशन सिंदूर पाकिस्तान के स्टेट स्पॉसर्ड आतंकवाद के खिलाफ भारत की स्पष्ट प्रतिक्रिया थी। उन्होंने यह भी कहा कि भारत आसियान देशों के साथ अपना व्यावहारिक और युद्ध में परखा अनुभव साझा करने को तैयार है। भारतीय रक्षा मंत्री ने फिलीपींस के सेबू में आसियान देशों के रक्षा मंत्रियों के साथ एडीएमएम प्लस मीटिंग संबोधित करते हुए यह बात कही। राजनाथ सिंह ने कहा कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत का अनुभव क्लासरूम या थ्योरी का ज्ञान नहीं है। भारत ने दशकों में जमीनी स्तर पर सीमा पार सुरक्षा चुनौतियों का सामना करते हुए अनुभव हासिल किया है। उन्होंने कहा, "आतंकवाद के खिलाफ हमारी हर रणनीतिक मौजूदा ऑपरेशन में परखी और साबित हुई है और इसने अपनी सफलता दिखाई है।"

पिछले चुनाव के मुकाबले बढ़ा हार का अंतर

यूपी एमएलसी चुनाव के नतीजों ने बीजेपी को दिया झटका

एजेंसी



लखनऊ। शिक्षक एवं स्नातक कोटे की 11 सीटों पर हुए विधान परिषद चुनाव के नतीजों ने बीजेपी को झटका दिया है। पार्टी की पिछली बार जीती हुई लखनऊ खंड स्नातक सीट हाथ से निकल गई। पीएम नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी को समाहित करने वाली शिक्षक और स्नातक सीट भी सपा के खाते में दोबारा जाने से बीजेपी नहीं रोक पाई है।

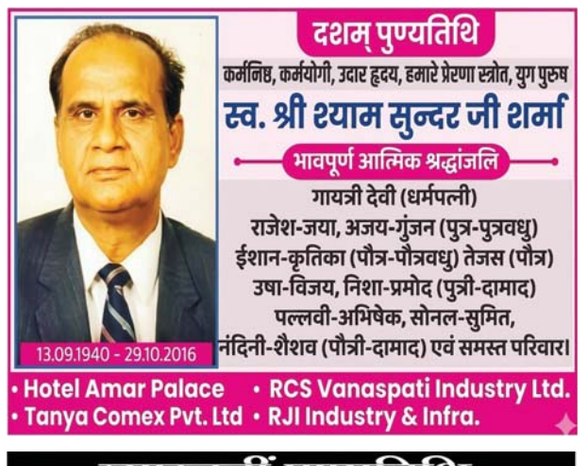
सीटों के साथ ही पढ़े-लिखों के इस चुनाव में जमीन भी खिसकती दिखी है, जहां पार्टी हारी है वहां अंतर भी पिछले चुनाव के मुकाबले बढ़ गया है।

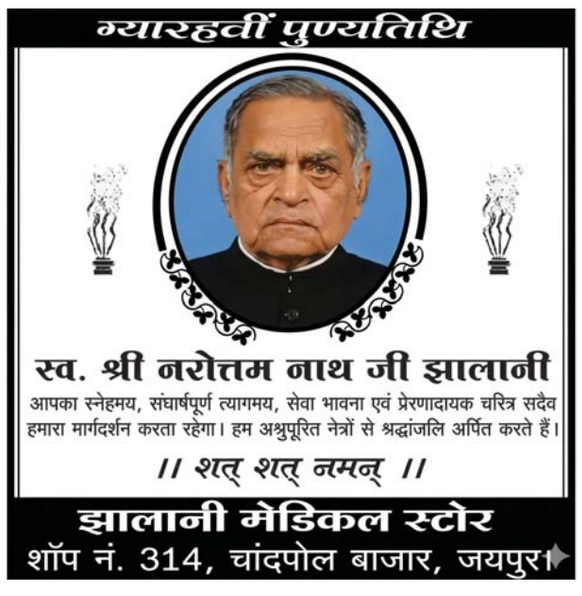
पिछले चुनाव में बीजेपी ने जीती थीं 7 सीटें: जिन 11 सीटों पर चुनाव हुआ उसमें 2020 में बीजेपी के खाते में आधिकारिक तौर पर आगरा की स्नातक, लखनऊ की शिक्षक एवं स्नातक, मेरठ की शिक्षक एवं स्नातक एवं बरेली-मुरादाबाद शिक्षक सीट थी। गोरखपुर-फैजाबाद पर भी पार्टी ने उम्मीदवार न उतारकर ध्रुव कुमार त्रिपाठी को समर्थन दिया था और उन्हें जीत भी मिली थी। इस तरह समर्थित मिलकर पार्टी ने सात सीट जीती थी।

नतीजा दावों के अनुरूप नहीं रहा: बीजेपी के रणनीतिकारों ने महीनों पहले से ही सभी सीटें जीतने के दावे के साथ चुनावी तैयारियां शुरू कर दी थीं। सरकार-संगठन के शीर्ष चेहरों के कार्यक्रम भी हुए। प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी और संगठन महामंत्री धर्मपाल सिंह से सीटवार तैयारियां परखी थीं। लेकिन नतीजा दावों के अनुरूप नहीं रहा। पंकज चौधरी की अगुआई में यह पहला प्रत्यक्ष चुनाव था।

पश्चिम बरकरार, बुंदेलखंड से सेंट्रल तक झटका: पिछले कुछ चुनावों से बीजेपी के लिए उर्वरा साबित हुए पश्चिम ने इस बार भी बीजेपी को निराश नहीं किया है। मेरठ की शिक्षक एवं स्नातक की दोनों सीटों के साथ ही बरेली-मुरादाबाद में पार्टी को एकतरफा जीत मिली है। लखनऊ में शिक्षक कोटे की सीट भी पार्टी आसानी से जीत गई। लेकिन, बाकी जिन तीन सीटों पर जीत भी मिली है वहां उसे काफी मशक्कत करनी पड़ी है।

चुनाव में हार का अंतर बढ़ा: गोरखपुर-फैजाबाद सीट पर जीत बहुत नजदीकी रही, जबकि, अन्य सीटों पर हार का अंतर बढ़ गया है। इलाहाबाद-झांसी में पिछली बार हार का अंतर 4333 वोटों का था। इस बार यह अंतर 27,000 से ज्यादा वोटों का है। वाराणसी शिक्षक सीट से बीजेपी को पिछली बार 936 वोटों से हार का सामना करना पड़ा था। इस बार यह अंतर करीब 5 हजार का है।





स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक त्रिशला गोधा द्वारा समाचार जगत, 11 जवाहर लाल नेहरू मार्ग, विद्याश्रम स्कूल के सामने, संस्थानिक क्षेत्र, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक : शैलेन्द्र गोधा* । फोन : 3509888 (संपादकीय) : फैक्स : 0141-2708088 e-mail: samacharjagat@gmail.com, sjnews@samacharjagat.com
* पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी